खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :→ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 06 नवम्बर 2023 । वर्ष –67 । अंक –357 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ पांच किलो मुफ्त .... ■ भापा के नेतृत्व वाली... 04

■ गाजा में युद्ध विराम के मुद्दे पर अमेरिका... ■ हमास चीफ को मार दो तो बख्श देंगे ... 09

■ अदरक के भरपूर उत्पादन की तकनीक ■ चिप्स बनाकर कमाएं बंपर मुनाफा 11

■ जब तक फखर थे... ■ आस्ट्रेलिया से हारने... 10

मोदी का कमलनाथ और दिग्विजय पर तीखा हमला

सिवनी- खण्डवा में प्रधानमंत्री की भीड़ भरी जनसभाएं

'बेटों को सेट करने के लिए एमपी को अपसेट कर रहे हैं'

भाजपा बड़ी जीत का रिकॉर्ड कायम करेगी : शिवराज

सिवनी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के सिवनी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि मैं गरीब के दर्द को महसूस करता हूं। दिसंबर में जब 'प्रधानमंत्री अन्न योजना' पूरी होगी, तब हम आने वाले पांच सालों के लिए फिर से एक बार फ्री राशन की गांरटी देंगे। पीएम ने कहा कि हमारे मध्य प्रदेश को सुशासन की निरंतरता चाहिए, हमारे मध्य प्रदेश को विकास की निरंतरता चाहिए और इसीलिए मध्य प्रदेश एक स्वर से कह रहा है– भाजपा है तो भरोसा है, भाजपा है तो विकास है।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि– भाजपा और श्री मोदी के प्रति जनता का बड़ा भरोसा है और कोई कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
बांग्लादेश विरुद्ध श्रीलंका
समय - 2.00 दोपहर

कोलकाता पुलिस का बीसीसीआई को नोटिस

टिकटों की कालाबजारी को लेकर दस्तावेज जमा करने का आदेश

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डेन में रविवार को खेले जाने वाले भारत बनाम दक्षिण अफीका मैच के टिकटों की कालाबजारी मामले पर कोलकाता पुलिस ने बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस जारी कर टिकटों की बिक्री की जानकारी मांगी है। नोटिस में बीसीसीआई के अध्यक्ष को मैदान पुलिस स्टेशन के अधिकारी को दस्तावेज जमा करने का आदेश दिया गया। पुलिस ने अबतक टिकटों की कालाबजारी मामले में 19 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा–सुनती हो– मोदी जी कह रहे हैं कि– म.प्र. में दो नेता अपने बेटों को सेट करने में लगे हुए हैं।
चुहिया– हां प्रिये– कुछ को छोड़ दो तो हर क्षेत्र में पिता अपने बेटों को विरासत सौंपने में रुचि रखते हैं।

विराट ने सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी की, वनडे में जड़ा 49वां शतक

भारत की लगातार 8वीं विजय, दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हराया

जडेजा ने 5 विकेट झटके

कोलकाता, (एजेंसियां)। भारत की रन मशीन विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने वनडे कॅरियर का 49वां शतक लगाया। उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अफ्रीकी टीम के खिलाफ यादगार पारी खेली। कोहली ने रविवार को वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। खास बात यह है कि उन्होंने अपने 35वें जन्मदिन पर यह उपलब्धि हासिल की।

सचिन ने अपने वनडे करियर में 463 मैच खेले। इस दौरान 452 पारियों में 18426 रन बनाए। उनका औसत 44.83 का रहा। तेंदुलकर ने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। विराट ने 277वीं पारियों में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 49वें ओवर में अपना 49वां शतक पूरा किया। उन्होंने कगिसो रबाडा की तीसरी गेंद पर एक रन लेकर तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

शीर्ष–5 में तीन भारतीय शामिल–तेंदुलकर और कोहली के बाद सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वालों में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 259 मैच की 251 पारियों में 31 सैकड़े लगाए हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का नंबर है। पोंटिंग ने 375 मैच खेले हैं। उनके 365 पारियों में 30 शतक हैं। इन दोनों के बाद पांचवें स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या हैं। उन्होंने 445 मैच की 433 पारियों में 28 शतक लगाए हैं।

भारत ने लगातार जीत का सिलसिला कायम रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 243 रनों से बड़ी शिकस्त दे दी है। भारत ने 326 रन का लक्ष्य दिया था। भारत के गेंदबाजों ने 83 रनों पर ही दक्षिण अफ्रीका की टीम को 27 ओवरों में धराशायी कर दिया। रविन्द्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके।

जूनियर हो या सीनियर, हर महिला सैनिक को मिलेगा समान अवकाश

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने महिला सैनिकों, नाविकों और एयर वारियर्स को उनके समकक्ष अधिकारियों के समान मातृत्व, बाल देखभाल और बच्चे को गोद लेने की छुट्टी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि यह निर्णय सशस्त्र बलों में सभी महिलाओं की समावेशी भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, चाहे उनकी रैंक कुछ भी हो।

सेना ने अपने बयान में कहा कि– इस कदम से सेना में महिलाओं के लिए काम की स्थिति में सुधार होगा क्योंकि इससे उन्हें अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन को बेहतर तरीके से संतुलित करने में मदद मिलेगी। सेना के बयान में कहा गया है, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और एयर वारियर्स के लिए अपने समकक्ष अधिकारी के बराबर मातृत्व, बाल देखभाल और बच्चे को गोद लेने की छुट्टी के नियमों के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

आज से जारी होंगे चुनावी बांड, एसबीआई अधिकृत

नई दिल्ली। केंद्र ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 6 से 20 नवंबर के बीच अपनी 29 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए अधिकृत किया है। चुनावी बांड जारी होने की तारीख से 15 कैलेंडर दिनों के लिए वैध होंगे और यदि वैधता अवधि समाप्त होने के बाद बांड जमा किया जाता है तो किसी भी भुगतानकर्ता राजनीतिक दल को कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। किसी पात्र राजनीतिक दल द्वारा उसके खाते में जमा किया गया चुनावी बांड उसी दिन जमा किया जाएगा।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व.दीपक सुरजन

(26 जनवरी 1958–6 नवम्बर 2022)

न च प्राणसंज्ञो न वै पञ्चवायुः न वा
सप्तधातुःन वा पञ्चकोशः।
न वाक्पाणिपादं न चोपस्थपायु
चिदानंदरूपः शिवोऽहं शिवोऽहम् ॥2॥

(न उसे प्राण कहा जाता है, न पाँच वायु, न सात तत्व, न पाँच कोष। मैं न वाणी हूं, न हाथ, न पैर, न पेट की वायु; मैं चैतन्य के आनंद का स्वरूप हूं। मैं शुभ हूं।)

देशबन्धु परिवार
पुण्य स्मरण करता है

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022 www.deshbandhu-mp.com

देश-विदेश

माकपा ने तेलंगाना में 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे

हैदराबाद। सीपीआई (एम) ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी के राज्य सचिव टी. वीरभद्रम ने रविवार को 14 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वीरभद्रम खुद पलेयर से चुनाव लड़ेंगे। करम पुलैया भद्राचलम (एसटी) से, पित्तला अर्जुन असवाराओपेट (एसटी) से, पलाडुगु भास्कर मधिरा (एससी) से, भुक्या वीरभद्रम वायरा (एसटी) से, येरा श्रीकांत खम्मम से और माचरला भारती सथुपल्ली (एससी) से चुनाव लड़ेंगे।

कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर

हिन्दुओं के स्वास्तिक चिह्न को बताया नफरत फैलाने वाला

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत विरोधी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। उन्होंने ताजा विवाद में हिन्दुओं के स्वास्तिक चिह्न को नफरत फैलाने वाला करार दिया है। सोशल मीडिया एक्स पर ट्रूडो ने लिखा कि वह नफरत फैलाने वाले चिह्नों को संसद के पास प्रदर्शित करने की इजाजत नहीं दे सकते।

उन्होंने आज सुबह ट्वीट किया, जब हम घृणित भाषा और कल्पना देखते या सुनते हैं, तो हमें इसकी निंदा करनी चाहिए। पार्लियामेंट हिल पर किसी व्यक्ति द्वारा स्वास्तिक का प्रदर्शन अस्वीकार्य है। कनाडाई लोगों को शांतिपूर्वक इकट्ठा होने का अधिकार है- लेकिन हम यहूदी विरोधी भावना, इस्लामोफोबिया या किसी भी प्रकार की नफरत को बर्दाश्त नहीं कर सकते। सोशल मीडिया पर लोग ट्रूडो के इस ट्वीट के लिए आलोचना कर रहे हैं और बता रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न पवित्रता का प्रतीक है, जबकि नाजियों का चिह्न हेकेनक्रूज़ नफरत का प्रतीक है। कुछ दिनों पहले ही जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बुलाकर एक नाजी युद्ध अपराधी को सम्मानित किया था। इसके बाद चहुंओर आलोचना हुई थी, जिसमें कनाडा का स्पीकर को इस्तीफा देना पड़ा था। जस्टिन ट्रूडो सिख आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने का बेबुनियाद आरोप भारत पर भरी कनाडाई संसद में लगा चुके हैं। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हैं।

ट्रूडो भारत के खिलाफ काम करने वाले खालिस्तान समर्थक आतंकियों की तरफ झुकाव रखते हैं। कनाडाई पीएम लंबे समय से हिंदू प्रतीक स्वास्तिक पर बैन लगाने की फिराक में हैं। हालांकि, अभी तक वह इस पर फैसला नहीं ले पाए हैं। कनाडा की संसद में इस बावत एक विधेयक भी लाया जा चुका है।

पाकिस्तानी मंत्री ने शर्म की हदें की पार

कब्रिस्तान पहुंचने के लिए बिछाई गई रेड कार्पेट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से आए दिन कुछ न कुछ ऐसी खबरें आती रहती है, जो सर पकड़ने पर मजबूर कर देती है. पाकिस्तान में वीआईपी लोगों के लिए स्वागत समारोह से जुड़े कई खबरें वायरल होती रहती है, जिसको लेकर कई सवाल भी खड़े किए जाते हैं.

हाल में पाकिस्तान के पंजाब सूबे के केयरटेकर सीएम सैयद मोहसिन रजा नकवी एक कब्रिस्तान पहुंचे, जहां पर उनका स्वागत रेड कार्पेट पर किया गया. पंजाब सूबे के केयरटेकर सीएम सैयद मोहसिन रजा नकवी मंडी बहाउद्दीन के कब्रिस्तान में अपने करीबी रिश्तेदार शहीद एसएसपी अशरफ मार्थ के जनाजे पर पहुंचे थे, जहां पर वो रेड कार्पेट से होते हुए कब्रिस्तान के अंदर दाखिल हुए. इस वाकये के बाद पाकिस्तानी मीडिया पर मजाक बनाया जा रहा है.

खालिस्तानी आतंकी की धमकी

19 नवंबर के बाद एयर इंडिया उड़ान नहीं भर पाएगी, सिखों को यात्रा से बचने को कहा

नई दिल्ली। खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया के खिलाफ धमकी भरा वीडियो जारी किया है। जो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। वीडियो में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू सिखों से कह रहा है कि- 19 नवंबर के बाद एयर इंडिया विमान नहीं उड़ेगी। ऐसे में आप सभी इस विमान में यात्रा करने से बचे। क्योंकि यात्रा के दौरान जान भी जा सकती है।

आतंकवादी द्वारा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर भारत सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, उसे किसी एयरलाइंस को धमकाने की इजाजत कैसे दी गई? भारत को इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा दोनों के सामने उठाना चाहिए और उसे चेतावनी देनी चाहिए।

विवाह से पहले मातम : हाईवे पर खड़े ट्रक से भिड़ी कार, शादी के लिए लुधियाना जा रहे दूल्हा, भतीजी, जीजा समेत चार की मौत

मोगा। पंजाब के मोगा जिले के अजीतवाल में रविवार सुबह शादी करने जा रहे एक शख्स, उसकी चार वर्षीय भतीजी और दो अन्य रिश्तेदारों की गाड़ी राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक से टकरा जाने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। सभी लोग ओझांवाली गांव के 23 वर्षीय सुखविंदर सिंह की शादी के लिए फाजिल्का से लुधियाना जा रहा था। सुखविंदर सिंह की भतीजी अंशदीप कौर, फाजिल्का के भंबनवट्टो गांव के रहने वाले उनके 24 वर्षीय बहनोई अंग्रेज सिंह और फिरोजपुर की रहने वाली 25 वर्षीय एक अन्य रिश्तेदार सिमरन की भी दुर्घटना में मौत हो गई। अजीतवाल पुलिस स्टेशन के एसएचओ सब-इंस्पेक्टर गुरमेल सिंह ने कहा कि कार चला रहे महिंदर पाल सिंह और अंशदीप की मां सीमा रानी को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सिंह ने कहा कि पहली नजर में ट्रक चालक की गलती सामने आ रही है। उसने राजमार्ग पर अपना वाहन गलत तरीके से पार्क किया था, जिसके बाद स्विफ्ट डिजायर कार, जिसमें दूल्हा अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहा था, ट्रक से टकरा गई। उन्होंने कहा, दूल्हा, उसकी भतीजी और जीजा की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी लोगों को अस्पताल ले जाया गया और एक और की इलाज के दौरान मौत हो गई।

एनआईए ने आतंकी मामले में 17 को नामित किया

नई दिल्ली। एनआईए ने हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) आतंकी मॉड्यूल मामले की जांच के सिलसिले में अपनी चार्जशीट में 17 लोगों को नामित किया है। ये सभी संगठन की कट्टरपंथी विचारधारा से प्रेरित थे, जिसका उद्देश्य हिंसक कृत्यों के माध्यम से भारत में शरीयत आधारित इस्लामी राष्ट्र बनाना था।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

फार्मेट सी-1

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा-

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटेरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितंबर 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता : लाखन सिंह पटेल पुत्र श्री छिदामी लाल पटेल पता 94, धनारे कॉलोनी रानी अवंती बाई वार्ड नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें) :

निर्वाचन का नाम : विधानसभा मध्यप्रदेश

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : 119 नरसिंहपुर

मैं लाखन सिंह पटेल (अभ्यर्थी का नाम) उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं।

क्रम संख्या	लंबित अपराधिक मामले			अपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ए) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शो) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण
1.	मुख्य न्यायायिक दण्डाधिकारी नरसिंहपुर	RCT No. 2031/2018	धारा 188 भारतीय दंड संहिता लोकसेवक द्वारा विधिवत रुप से प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा	शून्य	शून्य

राज्यसभा के निर्वाचन या विधानसभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

परिशिष्ट 43
(अध्याय 3 पैरा 3.8)
प्रारूप ग-1 से ग-3
प्रारूप ग-1

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की डब्ल्यूपी (सिविल) सं. 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 5 सितंबर 2018 के निर्णय के अनुसार, (जनहित फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ और एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता: एकता ठाकुर पुत्री- प्यारेलाल ठाकुर / पता पोस्ट-कुण्डम, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर (म.प्र.)

राजनैतिक दल का नाम : इंडियन नेशनल कांग्रेस

(निर्दलीय अभ्यर्थियों को यहां ''निर्दलीय'' लिखना चाहिये)

निर्वाचन का नाम : मध्यप्रदेश विधानसभा 2023

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : 102 सिहोरा (अनुसूचित जनजाति)

में एकता ठाकुर (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त उल्लिखित चुनाव का अभ्यर्थी अपने आपराधिक मामलों के बारे में निम्नलिखित जानकारी सार्वजनिक सूचना के लिए घोषणा करता हूँ :

क्रम सं.	लंबित आपराधिक मामले			आपराधिक अपराधों के लिए सजा के संबंध में मामलों का विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की संख्या तथा मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा संबंधित और अपराध का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम और आदेश की तारीख	अपराध (ओं) का विवरण और लगाया गया दण्ड
1	आर. टी. नं. 7265/2013 न्यायालय स्पेशल जेएमएफस (एम. पी./एम.एल.ए.) भोपाल मध्यप्रदेश	1 (एक) लंबित	आई.पी.सी. 147, 332, 336, 353, 333, 186 भा.द.सं.	लागू नहीं है	लागू नहीं है
2	आर. सी. टी. 8851/20, न्यायालय श्रीमान सिविल जज क्लास-2 जबलपुर	1 (एक) लंबित	आई.पी.सी. 279, 337, 338	लागू नहीं है	लागू नहीं है

राज्यों की परिषद के चुनाव या विधायकों द्वारा विधान परिषद के चुनाव के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित चुनाव का उल्लेख करें।

अनुलग्नक 47
प्रारूप C-1 से C-8 तथा CA
प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के संबंध में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम और पता: विजयराघवेन्द्र सिंह-ग्राम-बड़वारा-कला, तह.-बड़वारा जिला-कटनी-मध्यप्रदेश

राजनीतिक दल का नाम : इंडियन नेशनल कांग्रेस

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखें)

निर्वाचन का नाम : लागू नहीं

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : लागू नहीं

मैं लागू नहीं (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिये अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता/करती हूँ :

(A) लंबित अपराधिक प्रकरण

क्रम सं.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(B) दंडनीय अपराधों के लिये सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियां)	कार्यालय (यों) और लगाई गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
1	श्री द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कटनी (म.प्र.)	01 (एक वर्ष का कारावास)	5000/- पांच हजार अर्थदण्ड
शून्य		शून्य	शून्य
शून्य		शून्य	शून्य

राज्य परिषद के निर्वाचन या विधायकों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन की स्थिति में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

अनुलग्नक 47
प्रारूप C-1 से C-8 तथा CA
प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के संबंध में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम और पता: विन्देश्वरी पटेल- ग्राम अमाड़ी पो. भदौरा नं. 1 तह. बड़वारा हाल मु. क्षत्रपति शिवाजी नगर कटनी

राजनीतिक दल का नाम : लोक तांत्रिक समाजवादी पार्टी

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखें)

निर्वाचन का नाम : विधानसभा

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : मुड़वारा 93

मैं विन्देश्वरी पटेल (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिये अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता/करती हूँ :

(A) लंबित अपराधिक प्रकरण

क्रम सं.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	मुख्य न्यायिक मजि.कटनी	1402/2019	साक्ष्य हेतु लंबित	353, 332
2	ज्यू. न्यायिक मजि.कटनी	366/2017	साक्ष्य हेतु	323, 294, 506 A
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

(B) दंडनीय अपराधों के लिये सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियां)	कार्यालय (यों) और लगाई गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
1	अति. सत्र न्याया. कटनी 18/12/1998	न्यायालय उठने तक की सजा	300/- अर्थदण्ड
2	चतुर्थ अपर सत्र न्याया. कटनी	2 वर्ष का कारावास	300/- अर्थदण्ड

राज्य परिषद के निर्वाचन या विधायकों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन की स्थिति में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में 3 भारतीय, जहरीली धुंध की परत में लिपटी दिल्ली

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय दिल्ली जहरीली धुंध की मोटी परत में लिपटी हुई है। यहां वायु गुणवत्ता लगातार गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। स्विस ग्रुप आईक्यू एयर के आंकड़ों के अनुसार, कोलकाता और मुंबई के साथ देश की राजधानी दिल्ली आज दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक हैं।

रविवार सुबह 7.30 बजे 483 एक्यूआई के साथ नई दिल्ली फिर से सूची में शीर्ष पर बना हुआ है। इसके बाद पाकिस्तान का लाहौर 371 पर रहा। कोलकाता और मुंबई भी क्रमशः 206 और 162 एक्यूआई के साथ वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित पांच शहरों में शामिल हैं।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर-

दुनिया के सबसे प्रदूषति शहरों में भारत का दिल्ली सूची में टॉप पर बना हुआ है। दिल्ली में एक्यूआई- 483 बना हुआ है। पाकिस्तान का लाहौर दूसरे नंबर बना हुआ, लाहौर का एक्यूआई- 371 दर्ज किया गया है। तीसरे नंबर पर भारत का कोलकाता शहर शामिल है, जहां का एक्यूआई- 206 है। चौथे नंबर पर बांग्लादेश का ढाका शहर है, जहां का एक्यूआई- 189 है। सूची में पांचवें नंबर पर पाकिस्तान का कराची शहर शामिल है, जहां का एक्यूआई- 162 है। लिस्ट में छठे नंबर पर भारत का मुंबई शहर है, जहां का एक्यूआई- 162 है। सूची में सातवें नंबर पर चीन का शेनयांग शहर शामिल है, जहां का एक्यूआई- 159 है। आठवें नंबर पर चीन का हांगझोऊ शहर है, यहां का एक्यूआई- 159 है। आठवें नंबर पर कुवैत का कवैत सिटी शामिल है, जहां का एक्यूआई- 155 है। सबसे अंत में 10वें नंबर पर चीन का बुहान शहर शामिल है, जहां का एक्यूआई- 152 है।

अधिकारियों का कहना है कि कम तापमान, हवा की कमी और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण वायु प्रदूषण बड़ा है। नई दिल्ली के 20 मिलियन निवासियों में से कई ने आंखों में जलन और गले में खुजली की शिकायत की, साथ ही हवा का रंग गहरा भूरा हो गया, क्योंकि कुछ निगरानी स्टेशनों में एक्यूआई 550 से ऊपर था। 0-50 का एक्यूआई अच्छा माना जाता है जबकि 400-500 के बीच कुछ भी स्वस्थ लोगों को प्रभावित करता है और मौजूदा बीमारियों वाले लोगों के लिए खतरा है।

दिल्ली के एक डॉक्टर अहमद खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, अपनी आखिरी 24 घंटों की ड्यूटी के दौरान, मैंने बच्चों को खांसते, परेशानी और तेजी से सांस लेते हुए देखा।

सूक्ष्म कण पदार्थ, जिसे क्युआर 2.5 के रूप में जाना जाता है। उसकी सांद्रता 523 मिलीग्राम प्रति घन मीटर थी, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों से 104.6 गुना अधिक है। जो मानव बाल की तुलना में लगभग 30 गुना पतले होते हैं और फेफड़ों के माध्यम से रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण को देखते हुए निर्माण कार्यों को रोक दिया गया है। साथ ही सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए कहा गया है और जहां तक संभव हो घर पर रहकर काम करने के लिए कहा गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बेटों को सेट.... भाजपा जीत का नया रिकार्ड कायम करेगी। श्री मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ रही है। उसे मालूम है कि यहां चुनाव जीतना नहीं है, वह तो चुनाव लड़ने का ढोंग कर रही है, वे तो इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि आगे चलकर किसका बेटा कांग्रेस का मुखिया बनेगा। मोदी ने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का नाम लिये बगैर सीधे उनपर निशाना साधते हुए कहा कि -यहां के दो बड़े नेता अपने-अपने बेटों को आने वाले दिनों में सेट करने के लिए मध्य प्रदेश को अपसेट करने में लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं साफ तौर पर कहता हूं कि राजनीति में एक गिरोह है जो कुछ हिसाब-किताब करता है और सिर्फ 5-10 लोगों से सवाल करके अपना मन बना लेता है। उन्हें यहां आकर देखना चाहिए, यह स्पष्ट है कि कौन जीत रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे संसद सदस्य मुझे बता रहे थे कि कोई प्रधानमंत्री 30 साल बाद यहां आया है और मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे यह अवसर मिला

CMYK

देश-प्रदेश

उवाच

सत्ता में आए तो नहीं बनेंगे एनडीए या इंडिया का हिस्सा : लालदुहोमा

आइजोल। मिजोरम के प्रमुख विपक्षी दल जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा ने दो टूक कहा है कि उनकी पार्टी दिल्ली के दखल से दूर रहना चाहती है। केंद्र के नियंत्रण से मुक्त क्षेत्रीय दल के तौर पर पहचान बरकरार रखने के लिए वह कांग्रेस और भाजपा दूरी रखेगी। लालदुहोमा ने कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव में जीतकर सत्ता हासिल करने की स्थिति में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) या विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा नहीं बनेगी। 73 वर्षीय जेडपीएम नेता ने कहा, हम अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखना चाहते हैं।

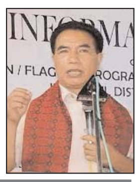

मुख्यमंत्री ने की ताबड़तोड़ सभाएं, बोले-

कांग्रेस के झांसे में मत आना

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर दिन ताबड़तोड़ सभाएं कर रहें हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, कमलनाथ ने सवा साल में मध्यप्रदेश को तबाह और बर्बाद कर दिया था। वल्लभ भवन को भ्रष्टाचार और दलालों का अड्डा बना दिया था। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि, कांग्रेस ने प्रदेश में विकास की एक ईट भी नहीं लगाई है। मध्यप्रदेश का विकास केवल भाजपा सरकार ने ही किया है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा हैं तो वहीं दूसरी तरफ मध्यप्रदेश भी विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, और इसलिए मध्यप्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनाना है। शनिवार को भी मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मनावर, गंधवानी, सरदारपुर, धार समेत इंदौर की चार विधानसभाओं में देर रात तक रोड शो कर कुल 10 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, कांग्रेस की सरकार ने सवा साल में ही प्रदेश में चल रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया था। कमलनाथ ने संबल योजना बंद कर दी थी। बेटियों की शादी तो करवा दी, लेकिन उनका पैसा नहीं दिया। बड़े-बुजुर्गों के लिए हमने तीर्थ दर्शन योजना शुरू की थी, कांग्रेस ने बुजुर्गों की इस योजना को भी बंद कर दिया। इसके अलावा मेधावी छात्र-छात्राओं को अच्छे अंक लाने पर लैपटॉप दिया जाता था, वो भी बंद। बच्चों की साइकिलें बंद। इतना ही नहीं कमलनाथ तो बैगा, भारिया, सहरिया बहनों के पैसे तक डकार गए। श्री चौहान ने कहा कि, कांग्रेस के झांसे में मत आना नहीं तो कांग्रेसी सभी जनहित की योजनाओं पर ताला लगा देंगे। उन्होंने कहा कि, ये मेरा संकल्प है कि, मैं बहन-बेटी की जिंदगी में अंधेरा नहीं रहने दूंगा।

मैं बहनों का सगा भैया हूं और भांजे भांजियों का मामा हूं। श्री चौहान ने कहा कि, आने वाले पांच सालों में हर बहन को लखपति दीदी बनाना है। घर का कामकाज करते हुए हर बहन की आमदनी 10 हजार रूपए महीना करना है।

हर गरीब को बनाएंगे जमीन का मालिक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, कोई भी गरीब कच्चे घर और टूटी टपरिया में नहीं रहेगा। हर कोई रहने की जमीन का मालिक होगा। गरीबों को पट्टा देकर जमीन का मालिक बनाया जाएगा। घर छोटा होगा लेकिन पक्का होगा। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री आवास योजना में जिनके मकान रह गए हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना बनाई गई है। चुनाव के बाद जिनके नाम रह गए हैं उनके नाम जोड़कर योजना का लाभ दिया जाएगा। इस धरती पर सबका अधिकार है और गरीबों को भी उनका अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा भाजपा का लक्ष्य है प्रदेश में हर परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ना है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने किया कांग्रेस की प्रचण्ड जीत का दावा

भाजपा को बताया जमाखोरों कालाबाजारियों की पार्टी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव शुक्ला ने भाजपा को जमाखोर, मुनाफाखोरों की पार्टी बताया है। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि किस तरह प्रदेश का किसान यूरिया खाद के लिए परेशान हो रहा है। असल में इसकी वजह यह है कि भाजपा ने सहकारी समितियों को कमजोर कर खाद बेचने का काम भाजपा के कार्यकर्ताओं की दुकानों को दे दिया है जो सत्ताधारी दल के संरक्षण में कालाबाजारी कर रहे हैं। श्री शुक्ला आज पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पूरे मध्य प्रदेश में किसान बीज और खाद के लिए आंदोलन कर रहा है और सड़कों पर है।

श्री शुक्ला ने यहां दावा किया कि इन सब चीजों से मप्र की जनता त्रस्त हो चुकी है और इस चुनाव में 150 से अधिक सीटों से कांग्रेस की सरकार बनायेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में मिले जनता के बहुमत को बदलकर इन्होंने जबरदस्ती भाजपा की सरकार थोपने का काम किया था। इस बार जनता इतना बहुमत देगी कि उनकी हिम्मत नहीं पड़ेगी की तोड़फोड़ करके सरकार बना सकें। श्री शुक्ला ने कहा कि जनता ने जिस तरह से कर्नाटक में जनादेश दिया कि यह तोड़फोड़ जोड़-तोड़ से बहुत दूर हो चुके हैं, वैसा ही मध्य प्रदेश में होने वाला है। कांग्रेस सांसद श्री शुक्ला ने भाजपा पर सरकारी एजेंसियों का उपयोग करके धनबल के जरिए विपक्ष को दबाने और धमकाने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव से पहले घोषणा करते हैं, लेकिन उनको कभी पूरा नहीं करते हैं। जबकि हमारी सरकार बनी थी तो यहां के मुख्यमंत्री

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा-

छग के मुख्यमंत्री ने सट्टे का खेल खेला

मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ कांग्रेस नेतृत्व के पैसा कलेक्टर थे

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि उनकी पार्टी शुरू से ही कहती आयी है कि महादेव एप्प स्कैंडल को छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार का समर्थन प्राप्त था, जिसके कारण छत्तीसगढ की कांग्रेस सरकार ने आज तक सही से इसकी जांच नहीं की। ईडी की जांच में यह खुलासा हो गया है कि कांग्रेस की बघेल सरकार का साइड बिजनेस ही बेटिंग था। श्री शर्मा ने आज यहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के विकास को बेटिंग पर डाल दिया। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सत्ता में रहकर सट्टे का बड़ा खेल खेला। कल भूपेश बघेल के खिलाफ कुछ चौकानें वाले तथ्य सामने आए है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि बेटिंग एप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित भुगतान किया गया है और अब तक कुल 508 करोड रूपए दिए गए है। श्री शर्मा ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जहां कांग्रेस कांग्रेस की सरकार होती है वहां कांग्रेस नेतृत्व के लिए पैसा कलेक्टर ही मुख्यमंत्री बनते है। मध्यप्रदेश में 15 महीने रही कमलनाथ सरकार में मुख्यमंत्री के ओएसडी के यहां से 281 करोड़ रूपये बरामद होना इस बात का प्रमाण था की यहां की कमलनाथ कांग्रेस नेतृत्व के पैसा कलेक्टर थे।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और घोटाले एक सिक्के के दो पहलु है। ईडी ने पहले कहा था कि महादेव एप के जरिए एकत्र धनराशि रिश्वत के रूप में छत्तीसगढ में नेताओं और नौकरशाहों के बीच बांटी गयी थी। एजेंसी ने कई मशहूर हस्तियों और बॉलीवुड अभिनेताओं को भी भुगतान के तरीके

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और रेल मंत्री ने किया मीडिया दिग्दिर्शिका का विमोचन

भाजपा की मीडिया टीम नवाचार के साथ काम कर रही : शर्मा

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश दुनिया में हमेशा अभिनव और नवाचार के लिए जानी जाती है। पार्टी का मध्यप्रदेश मीडिया विभाग लगातार नवाचार के साथ काम कर रहा है, आज उसी कड़ी में मीडिया विभाग ने विधानसभा चुनाव 2023 की दृष्टी से मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान तैयार की है। जिसमें पार्टी प्रत्याशियों की जानकारी के साथ भाजपा संगठन की जानकारी और केंद्र और राज्य सरकार के विकास कार्यों की जानकारी भी समाहित की गयी है।

यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद विष्णुदत्त शर्मा और रेल मंत्री व प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने मीडिया विभाग की मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान 2023 का विमोचन करते हुए कही। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा, प्रेम शुक्ला, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी मंचासीन थे। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर प्रदेश अध्यक्ष और रेल मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता मिलन भार्गव, अजय धवले, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, मीडिया पेनलिस्ट सचिन वर्मा, शिवम शुक्ला, श्रीमती गुंजन चौकसे, श्रीमती वंदना मार्तण्ड त्रिपाठी, श्रीमती मंजरी जैन, मीडिया विभाग के सदस्य सत्येन्द्र जैन उपस्थित थे।

मीडिया विभाग बधाई का पात्र : वैष्णव

रेल मंत्री और प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा अभिनव प्रयोग के लिए जानी जाती है इसी कड़ी में मध्यप्रदेश भाजपा की मीडिया टीम ने मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान 2023 का प्रकाशन किया है। इसके लिए मीडिया विभाग बधाई का पात्र है। उन्होंने कहा कि बीते मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार के 15 महीने को छोड़ दिया जाएँ तो 18 वर्षों में इतने काम हुए है कि कांग्रेस के समय बीमारू कहा जाने वाला मध्यप्रदेश आज विकसित मध्यप्रदेश बन गया है।

अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे नेताओं के खिलाफ भाजपा ने की कार्रवाई

रुस्तम, शुक्ला, सिंह और श्रीवास्तव सहित 35 को पार्टी से निकाला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी से बगावत कर चुनाव मैदान में उतरे 35 नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। पार्टी ने पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, विधायक केदार शुक्ला, पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया, रसाल सिंह, ममता मीणा, केके श्रीवास्तव, माधव सिंह डाबर और संतोष जोशी सहित इन नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। भाजपा से बागी होकर नया राजनीतिक दल बनाने वाले नारायण त्रिपाठी को पहले ही पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की ओर से जारी सूची के मुताबिक पार्टी ने श्योपुर- बिहारी सिंह सोलंकी, मुरैना- रूस्तम सिंह और राकेश सिंह गुर्जर, भिंड, अटेर- मुन्ना सिंह भदौरिया, भिंड- लहार- रसाल सिंह, गुना, चाचौड़ा- ममता मीणा, टीकमगढ़- केके श्रीवास्तव, छतरपुर, राजनगर- घासीराम पटेल मलहरा- करन लोधी, निवाड़ी- नंदराम कुशवाह, दमोह- शिवचरण पटेल, पन्ना, गुन्नौर (अजा)- अनीता बागरी सतना, चित्रकूट- सुभाष शर्मा डाली, रत्नाकर चतुर्वेदी, रैगांव (अजा)-रानी बागरी, सीधी- केदारनाथ शुक्ला, सिंगरौली-चंद्रप्रताप विश्वकर्मा, शहडोल- जयसिंहनगर (अजजा)- फूलवती, अनूपपुर- अनूपपुर (अजजा)- छोटे सिंह कटनी- मुडवारा- ज्योति दीक्षित और संतोष शुक्ला, कटनी- बड़वारा- गीता सिंह, छिंदवाड़ा- सौंसर- प्रदीप ठाकरे, नर्मदापुरम- भगवती चौरे, हरदा- सुरेंद्र जैन, मंधाता-शिवेंद्र तोमर, बुरहानपुर-नेपानगर (अजजा)- रतिलाल चिल्हात्रे बुरहानपुर- बुरहानपुर- हर्षवर्धन सिंह चौहान आलीराजपुर-आलीराजपुर (अजजा)- सुरेंद्र ठकराल आलीराजपुर-जोबट (अजजा)- माधव सिंह डाबर इंदौर- देपालपुर- राजेंद्र चौधरी आगर- सुसनेर- संतोष जोशी उज्जैन- महीदपुर-प्रताप आर्य उज्जैन- बड़नगर- कुलदीप बना नीमच- जावद-सुराना बाई।

पूर्व विधायक सहित कांग्रेस के कई नेता कांग्रेस में शामिल

भोपाल, देशबन्धु। मुरेना जिले की अम्बाह विधानसभा के भाजपा के पूर्व विधायक कमलेश सुमन, मुरैना के भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेश सिंह तोमर, पोरसा भाजपा मंडल के उपाध्यक्ष पाल बघेल महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सरपंच भीकमसिंह बघेल, अम्बाह भाजपा मण्डल के महामंत्री तथा अनुसूचिज जाति मोर्चा के अध्यक्ष शंकरलाल सखवार ने आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के भोपाल स्थित निवास पर पहुंचकर कमलनाथ जी के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कमलनाथ ने सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलायी और कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया। श्री कमलनाथ ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा की नीतियों और कुशासन से त्रस्त होकर इन नेताओं ने सच्चाई का साथ दिया है, सच्चाई को पहचाना है और अपनी निष्ठा के साथ कांग्रेस पार्टी में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। भाजपा के मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के करीबी रहे इन कद्दावर नेताओं के भाजपा छोड़ कांग्रेस में सदस्यता ग्रहण करने से भाजपा को बड़ा झड़का लगेगा और अम्बाह सहित पूरे मुरेना में इन नेताओं के प्रभाव होने से पूरे मुरेना में कांग्रेस को फायदा मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री और यादव समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप यादव के नेतृत्व में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नेताओं ने कमलनाथ जी पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ही एक मात्र पार्टी है जो जनता के हितों की लड़ाई लड़ती है। आजादी से लेकर आज तक कांग्रेस ने सभी वर्गों के लिए जनहितैषी योजनाएं लाकर प्रदेश में तरक्की, विकास किया है।

देवतालाब : नाव चाचा की पार लगेगी या भतीजे की!

रीवा, देशबन्धु। मऊगंज जिले की देवलालाब विस सीट दो वजह से चर्चा में हैं। एक तो यहां से मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष चुनाव लड़ रहे हैं जो तीन बार से जीतते आ रहे हैं, लेकिन अब चौथी बार उनका सगा भतीजा ही कांग्रेस प्रत्याशी के रुप मे उन्हें कड़ी टक्कर दे रहा है। चर्चा की दूसरी वजह यही है। यानी भाजपा प्रत्याशी गिरीश गौतम का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी पद्मेश गौतम से है। इन दोनों के अलावा यहां से सीमा जयवीर सिंह सपा से, अमर पटेल बसपा से और दिलीप सिंह गुड्डू आम आदमी पार्टी से उम्मीदवार है। चाचा-भतीजे के दिलचस्प मुकाबले के चलते अन्य प्रत्याशियों का रसूख जरा कम हो गया है, लेकिन जानकार कहते हैं कि सीमा जयवीर सिंह भी अच्छे खासे वोट हासिल कर सकती हैं।

जब हम इस इलाके का दौरा करने की तैयारी कर रहे थे, तब हमें अंदाजा नहीं था कि लोग इतनी साफगोई से बात करेंगे और क्षेत्र के अजेय माने जाने वाले लोकप्रिय नेता को आईना दिखाएंगे, मगर ऐसा हुआ। खीरी गांव में विकास मिश्रा ने खुलकर कहा कि भाजपा ने विकास नहीं किया इसलिए कांग्रेस आगे है। उन्होंने नलकूप देने को कहा था लेकिन नहीं दिया। रोड तक नहीं निकाल पाए इसलिए हम इस बार भाजपा को वोट नहीं देंगे। वैसे हम भाजपा के परंपरागत वोटर हैं, लेकिन इस बार नहीं। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जल जाये तब भी ये नहीं पसीजते । हमें घूस देकर काम करवाना पड़ता है। हमारे गांव में जलापूर्ति की सुविधा भी नहीं है। रोहित चतुर्वेदी का कहना है कि कांग्रेस प्रत्याशी पद्मेश ने जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में गिरीश गौतम के बेटे को हराया। इतना बड़ा नेता जब अपने बेटे को जिला पंचायत सदस्य नहीं बनवा पाया तो अपनी सीट कैसे बचा पायेगा। कांग्रेस के हाथ पद्मेश के रूप में तुरुप का इक्का लग गया है। फिर जनता भाजपा के 18 साल के शासन को लेकर भी नाराज़ है। डॉ. अरुण तिवारी भी कहते हैं कि परिवर्तन निश्चित है। भले ही लोकसभा चुनाव में लोग भाजपा को वोट करें, लेकिन वे प्रदेश में सरकार बदलना चाहते हैं। अंकित चतुर्वेदी कहते हैं कि सीमा जयवीर सिंह पिछले चुनाव में बसपा से दूसरे नंबर पर थीं। तब कांग्रेस की सरकार बनते ही वे कांग्रेस में शामिल हो गईं। इस बार जब उन्हें कांग्रेस से टिकट नहीं मिली तो वे सपा उम्मीदवार बन गईं। कुछ वोट वे भी खींच सकती हैं लेकिन मुख्य मुकाबला चाचा-भतीजे के बीच ही है। डगडौआ नंबर 1 गांव में रविशंकर कुशवाहा ने बताया कि बड़े नेता होकर भी गिरीश गौतम काम नहीं कर पाए। शिव मंदिर, देवतालाब को भी बाबाओं से खाली नहीं करवा पाए। यहां पानी और सफाई की सुविधा नहीं है। पहली बार विधायक बने थे तो कहा था कि बाणसागर से पानी लाएंगे, लेकिन 15 साल के बाद भी पानी नहीं आया। धान की फसल सूख गई है, पंप नहीं चल रहा है।

वीरेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसान के लिए कुछ नहीं किया। दो हज़ार रुपए के लिए बैठे रहो। खाद की बोरी ही 15 सौ की मिल रही है। तेल भी महंगा है। उन्होंने बताया कि पानी की टंकी छह महीने पहले बनी है, मगर, अब तक चालू नहीं हुई। पानी दूसरे के बोर से लाते हैं। देवानंद कुशवाहा ने बताया कि चार किमी दूर से पानी लाते हैं। लाइट कम रहती है, सिंचाई नहीं हो पाती। जिस तरफ भी देखो परेशानी ही है। सरकारी मास्टर का बेरटा निजी स्कूल में पढ़ता है और सरकारी स्कूल के बच्चों को पढ़ना तक नहीं आता। जब जड़ ही मजबूत नहीं है तो फ्ता हरा कैसे होगा। उधर अनाज और किराना भी महंगा होता जा रहा है।

एक महिला छोटी बाई गुप्ता ने कहा कि लाड़ली बहना का पैसा मिल रहा है, लेकिन वोट वहीं देंगे, जहां गांव वाले देंगे। श्यामा बाई कुशवाहा ने कहा पानी तक शुद्ध नहीं मिल रहा है। भले ही एक हज़ार रुपए मिले या अनाज मिले, गरीब का कुछ आधार भी तो होना चाहिए। पन्री गांव में कल्याण गुप्ता बताते हैं कि भाजपा को मुश्किल हो सकती है। कांटे की टक्कर है। उधर अमित जोगी ने कहा कि वे भाजपा के हैं और उसे ही जितायेगें। पहले भी भाजपा रीवा की आठों सीटें जीत चुकी है। पथरिया गांव के अभिशेष सिंह ने भी यही कहा कि गिरीश गौतम बेहतर स्थिति में है। लेकिन गोलू सिंह कहते हैं कि सीमा जयवीर सिंह ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। हालांकि कुछ बसपा का भी जोर है।

देवतालाब बड़ा गांव है। इसके नाम पर ही यह विधानसभा सीट है। यहाँ की बदहाली को एक नजर में पहचाना जा सकता है। न सड़कें हैं, न स्वच्छता है और न कोई और व्यवस्था। सुरेन्द्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि नल जल योजना के तहत चार टंकी बनायी गयीं लेकिन सब बंद हैं। ये देवस्थान है, यहां प्राचीन शिव मंदिर है, लेकिन कहीं सफाई नजर नहीं आती। उन्होंने आरोप लगाया कि सखरा ग्राम में विद्यालय भवन का पैसा निकाल लिया गया, लेकिन भवन नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि बहुत हो गया, जनता अब परिवर्तन चाहती है। रमाशंकर तिवारी और बुद्धसेन प्रजापति ने भी क्षेत्र की बदहाली के किस्से सुनाए और बदलाव के लिए तैयार रहने को कहा।

सिरमौर : राजकुमार को चुनौती देता गरीब आदिवासी

• रीवा से नरेंद्र कुमार मौर्य

रीवा देशबन्धु। रीवा जिले की सिरमौर विधानसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला है। यहाँ रीवा राजघराने के वारिस को एक गरीब आदिवासी चुनौती दे रहा है। हालांकि दूसरे उम्मीदवारों ने उसकी राह में कांटे बिछाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उल्लेखनीय है कि त्योंथर से 2003 में राम गरीब कोल बसपा के टिकट पर चुने गये थे। पिछले साल वे कांग्रेस में आ गए और इस साल उन्हें सिरमौर से टिकट भी मिल गई। जबकि दिव्यराज सिंह यहाँ से दो बार से विधायक हैं और भाजपा ने उन्हें तीसरी बार फिर मौका दिया है। इनके अलावा सपा से लक्ष्मण तिवारी और बसपा से बीडी पांडे भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

पड़री गांव में चेतराम कहते हैं कि इस बार जनता बदलाव चाहती है। एक महिला कुसुम साकेत कहती है कि भाजपा विधायक के राज में कुछ नहीं मिला। लाड़ली बहना का भी पैसा नहीं मिला। आवास योजना के लिए फार्म भरा, लेकिन हमारा फार्म छांट दिया। उन्होंने बताया के पानी की बड़ी समस्या है। बहुत दूर से पानी लाना पड़ता है। ये हैंडपंप तक तो लगा नहीं पाए और विकास की बात करते हैं। कोई कितने ही फोन लगाए विधायक सुनते ही नहीं है।

इसी गांव के ही कमलेश कोल ने बताया कि यहाँ कांग्रेस-भाजपा और बसपा में मुकाबला है। वो कहते हैं कि आदिवासी जिसको वोट देगा, वही जीतेगा। कुसुम बताती हैं कि आदिवासी और हरिजन एक ही जगह वोट करेंगे। पश्चिम टोला, पड़री गांव के दीप नारायण तिवारी ने भी कहा कि 18 साल भाजपा का शासन देख लिया, अब सरकार बदलना चाहिए। इलाके के लोग ऐसा ही सोच रहे हैं। इसलिए राम गरीब कोल की स्थिति ठीक है।

सिरमौर बड़ा गांव है। देखते ही साफ हो जाता है कि क्षेत्र में जमीनी स्तर काम नहीं हुआ है। पिछड़ापन ही पहचान बन गई है। राम सिया साकेत कहते हैं कि लोग बदलाव चाहते हैं, हो सकता है कांग्रेस आ जाये। हालांकि बसपा भी बहुत पीछे नहीं है। पांडे जी भी लोकप्रिय नेता है। उधर नागेंद्र सिंह सदहना कहते है कि भाजपा का ही बोलबाला है। वे कहते हैं कि विरोध कितना ही हो जाए पर आखिर में भाजपा ही जीतती है। रामबल ने बताया कि यहां तो कांग्रेस का दबदबा है। लोग सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। भाजपा राज में पानी की समस्या हल नहीं हुई। दूरदराज से पानी लाना पड़ता है। सड़कें नहीं बनीं और बिजली भी कम मिलती है। बातें बड़ी-बड़ी करवा लो, मगर काम छोटे भी नहीं कर पाते है इसलिए लोग नाराज़ हैं और बदलाव का मन बना चुके हैं।

राशिरमण मिश्रा ने भी यही बात कही। वे कहते है माहौल कोल के पक्ष में है, मगर लड़ाई में बसपा भी है। हो सकता है कि दिव्यराज सिंह तीसरे नम्बर पर चले जायें। बैकुण्ठपुर गांव के महेन्द्र शुक्ला ने कहा कि सपा-बसपा ब्राह्मण वोट काटेंगे, इससे भाजपा को नुकसान होगा और आदिवासी व दलित वोट कांग्रेस में जाएगा। इससे कांग्रेस की संभावनाएं अच्छी है। उनके अनुसार क्षेत्र में परिवर्तन की लहर है।

इस बार कांग्रेस मुकाबले में है लेकिन ऐसा भी समय रहा है जब दिग्गज नेता श्रीनिवास तिवारी और उनके परिवार को लगातार हार का सामना करना पड़ा। 2003 में मनगवां से हारने, के बाद श्रीनिवास तिवारी 2008 में सिरमौर आए और यहाँ उन्हें बसपा के राजकुमार अमेलिया ने हरा दिया। फिर 2013 में उनके नाती विवेक तिवारी और 2018 में उनकी पत्नी अरुणा तिवारी को दिव्यराज सिंह ने हरा दिया और यहाँ भाजपा काबिज हो गई। यह भी कम रोचक बात नहीं है कि रामलखन शर्मा 1993 और 2003 में यहां से माकपा उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए थे। इससे पहले वे 1990 में जनता दल के टिकट पर भी चुनाव जीते थे।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 6 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

अंतर्विरोधों से परिपूर्ण भाजपा के चुनावी वादे

5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिये प्रमुख राजनैतिक दलों का प्रचार अभियान जैसे-जैसे चरम पर पहुंच रहा है, कुछ घोषणापत्रों के जरिये तो कुछ भाषणों के माध्यम से वादे किये जा रहे हैं। कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में प्रमुख मुकाबला है- राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़। तेलंगाना में पहले वहां की सत्तारुढ़ पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) और भाजपा के बीच आमने-सामने की लड़ाई थी पर अब कांग्रेस के साथ बीआरएस को संघर्ष करना पड़ रहा है। भाजपा तीसरे क्रमांक पर है। मिजोरम में भी कांग्रेस ही सत्तारुढ़ मिजो नेशनल फ्रंट को चुनौती दे रही है।

एक ओर कांग्रेस की कमान सम्भालने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं अन्य नेतागण कांग्रेस की गारंटियों को भरोसेमंद बतला रहे हैं वहीं भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (और उनके प्रमुख सिपहसालार गृह मंत्री अमित शाह) बतला रहे हैं कि उनकी कही बात खाली नहीं जायेगी। ऐसे में यह सबसे माकूल वक्त है कि इन राज्यों में दिये जा रहे आश्वासनों, वादों और गारंटियों के टिकाऊपन तथा विश्वसनीयता की समीक्षा की जाये- खासकर राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में। ऐसा नहीं कि मिजोरम एवं तेलंगाना के चुनाव महत्वहीन हैं। ऐसा इसलिये कि इन दो राज्यों में इन गारंटियों के परीक्षण का पैमाना या तो सीमित है (मिजोरम में, जहां विकास, धार्मिक आजादी एवं विविधता के संरक्षण की गारंटी कांग्रेस दे रही है) अथवा इन तीन राज्यों जैसा राजनैतिक समीकरण वहां नहीं हैं। मिजोरम में भाजपा मुकाबले में तो नहीं है लेकिन वहां तुलना कांग्रेस व केन्द्र में बैठी भाजपा के बीच हो रही है; जबकि तेलंगाना में भाजपा का पहले ही साफ होता सूपड़ा दिखने से कोई इन दोनों के बीच समानता या विरोधाभास की बात ही नहीं कर रहा है। वहां गारंटियों की तुलनात्मक समीक्षा कांग्रेस व बीआरएस को आमने-सामने रखकर हो रही है।

बहरहाल, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के मामलों में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही आ रही है कि इन दोनों राज्यों की कांग्रेसी सरकारों ने पिछले पांच वर्षों में जनता का भरोसा इसलिए जीता है कि वहां पर पिछले चुनावों में किये गये वादे न केवल पूरे किये गये बल्कि घोषित अवधि में अमल में लाये गये। मसलन, पिछली बार छत्तीसगढ़ ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट बैठक में ही किसानों की कर्ज माफी का फैसला लिया जायेगा- वैसा हुआ। इस बार फिर से अगली सरकार के बनने पर ऋण माफ करने का वैसा ही ऐलान कांग्रेस ने कर दिया है। ऐसे ही, धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने, उस पर बोनस देने, प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने, बेरोजगारी भत्ता देने आदि सम्बन्धी जो भी वादे किये गये थे, वे सारे के सारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने पूरे कर दिखाये हैं। जनता के पास अविश्वास का कोई कारण नहीं है। भाजपा के पास यह कहने का अवसर भी नहीं है कि ऐसा हो नहीं सकता। छग कांग्रेस के पास ऐसे कई वादों की फेहरिस्त है जो उसकी निवर्तमान सरकार द्वारा पूरे किये गये हैं। उधर राजस्थान की बात करें तो वहां पुरानी पेंशन योजना, सस्ता गैस सिलेंडर आदि के वादे भी पूरे किये गये हैं।

पूरे किये गये वादों के चलते दोनों राज्यों में सरकार विरोधी भावना नहीं के बराबर है। दूसरी तरफ मध्यप्रदेश सरकार के खिलाफ जो प्रचंड नाराजगी नज़र आ रही है वह वहां व्याप्त भारी भ्रष्टाचार के कारण भी है जिसके कारण घोषित योजनाएं तक ठीक से लागू नहीं हो पाई हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अगर अपने व्यक्तिगत प्रयासों से वहां इन असफलताओं के बावजूद नैया पार लगा भी लेते तो वहां भाजपा नेतृत्व ने सात सांसदों या केन्द्रीय नेताओं को चुनावी मैदान में उतारकर चौहान की नाकेबंदी कर दी है।

परेशान भाजपा को देखा-देखी में ऐसी-ऐसी घोषणाएं करनी पड़ रही हैं जिनमें अनेक विसंगतियां तथा अंतर्विरोध नज़र आते हैं। इसके चलते वे अविश्वसनीय लग रही हैं और लोगों को प्रभावित करने में नाकाम भी दिखती हैं। (मौका मिला तो) कुछ वादे भाजपा लागू करती भी है तो वह उसके स्थापित विचारों के खिलाफ हैं। अपनी गारंटियों को विश्वसनीयता दिलाने के लिये उन्हें मोदी के नाम से जोड़ा जा रहा है परन्तु उससे स्थिति और उलझ रही है। मोदी ने तीनों राज्यों (राजस्थान, मप्र व छग) में पार्टी के वादों को अपनी व्यक्तिगत गारंटियां घोषित कर दिया है। यह एक तरह से चौहान के लगभग 18 वर्ष तथा भूपेश के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के 15 साल के कामों को श्रेय न देने जैसा है। कांग्रेस से बढ़कर घोषणा करने के चक्कर में छत्तीसगढ़ भाजपा के संकल्पपत्र में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का आश्वासन दिया गया है क्योंकि कांग्रेस ने 20 क्विंटल का भरोसा दिया है। मजेदार बात यह है कि भाजपा के ही एक पूर्व मंत्री कांग्रेस की इस घोषणा को इसलिये दिखावटी कह चुके हैं कि राज्य में कहीं भी 17 क्विंटल से ज्यादा धान का उत्पादन असम्भव है। जिस नगद राशि वितरण को भाजपा रेवड़ियां कहती थी, वह अब उसके वादों के रूप में खूब बंट रही है।

मनरेगा को वह अपनी उपलब्धि बता रही है जिसका कभी मोदी संसद में 'कांग्रेस की विफलता का स्मारक' कहकर मज़ाक उड़ाते थे। ओबीसी के मुद्दे पर भाजपा निरूत्तर है क्योंकि कांग्रेस जातिगत जनणना की बात कर रही है, वहीं मोदी इस पर इतना ही कह पा रहे हैं- 'मैं ओबीसी हूं इसलिये कांग्रेस मुझे गालियां देती है।' गारंटियों की स्पष्टता व विश्वसनीयता ही हार-जीत तय करेगी।

पांच किलो मुफ्त अनाज में डूबा देश

आचार संहिता वंहिता छोड़िए आप! प्रधानमंत्री मोदी पर वह कोई लागू नहीं होती है। मोदी से पहले किसी प्रधानमंत्री पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के इतने आरोप नहीं लगे। हर चुनाव में चाहे विधानसभा के हों या लोकसभा के विपक्ष चुनाव आयोग के पास जाता है मगर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक बार जरूर तीनों चुनाव आयुक्तों को 2019 में मोदी के भाषणों के खिलाफ लंबी सुनवाई करनी पड़ी थी और एक चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने मोदी के भाषणों को आपत्तिजनक माना था। मगर बाकी दो सदस्यों जिनमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त भी थे मोदी को क्लीन चिट देना चाह रहे थे और फिर उन्होंने दी भी। मगर दो-एक के बहुमत से। लवासा ने सर्वसम्मति से वह फैसला नहीं होने दिया था। अपने फैसले को सही बताते हुए लवासा ने इस्तीफा दे दिया। मोदी और अमित शाह के खिलाफ 6 मामले चुनाव आयोग के सामने थे। जिनमें एक यह था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि राहुल वायनाड से इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि वहां बहुसंख्यक वोट कम हैं। अल्पसंख्यकों की शरण में गए हैं। यह भाषण उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान महाराष्ट्र में दिया था। दूसरा एक मामला था जहां प्रधानमंत्री पुलवामा के शहीदों के नाम पर वोट मांग रहे थे। एक और भाषण में उन्होंने कहा कि परमाणु बम क्या हमने दीवाली के लिए रखा है। शाह के खिलाफ आरोप था कि उन्होंने भारतीय सेना को मोदी की सेना बोला है। इन सारे मामलों को लवासा गंभीर मान रहे थे जबकि बाकी दोनों उनमें कुछ भी अनुचित नहीं देख रहे थे।

ऐसे जाने कितने मामले हैं। अभी गुजरात विधानसभा में वोट डालने के बाद वे रोड शो करते हुए अपने भाई के घर गए। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में तो मायावती ने उनकी शिकायत की थी। अब शायद उनसे पूछो तो वे कहेंगी कि मैं वापस ले लेती हूं! मोदी जी के खिलाफ मैं सोच भी नहीं सकती।

तो अब चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ से प्रधानमंत्री की पांच साल और मुफ्त राशन की घोषणा आचार संहिता का उल्लंघन है, जैसा सवाल बेमतलब हो गया है।

औपचारिकता के लिए कांग्रेस को चुनाव आयोग जाना हो तो जाए मगर जवाब उसे राजनीतिक ही देना होगा।

टीवी अखबारों में यह घोषणा सुर्खियों में है। मोदी जी परवाह न करते हों मगर मीडिया थोड़ा सा अभी डरता है इसलिए इसे मास्टर स्ट्रोक नहीं कह पा रहा है। मगर है यह वाकई मास्टर स्ट्रोक!

छत्तीसगढ़ में मतदान के पहले चरण से ठीक पहले प्रधानमंत्री द्वारा की गई यह घोषणा लाभार्थियों के लिए बड़ा आश्वासन है। राहुल गांधी के शब्दों में कहें तो गारंटी।

लेकिन अगर कांग्रेस चाहती तो इसकी काउंटर गारंटी दे सकती थी। मोदी जी राजनीति के गहरे खिलाड़ी हैं। उनसे मुकाबला उसी स्तर पर हो सकता है। किसी बड़े माने जाने वाले टीवी एंकर के साथ हैलिकाप्टर में घूमने से नहीं। पार्टी एंकर को देश में नफरत फैलाने के लिए आरोपित करती है। अपने विपक्षी दलों के गठबंधन इन्डिया के द्वारा बाकायदा लिस्ट निकालकर उनका बहिष्कार करती है। मगर उसी को हैलिकाप्टर में घूमाकर इंटरव्यू दिया जाता है। इससे कितने वोट मिल जाएंगे यह कांग्रेस को बताना चाहिए।

मगर इन सब से कुछ होता नहीं। केवल नेता को यह खुशफहमी हो जाती है कि उसका चेहरा टीवी पर चमक गया। मगर उसका जरा सा चेहरा टीवी पर चमकाने के बदले मीडिया राहुल की छवि और खराब करने की छूट पाती है। हमने इन नेताओं को यह कहते सुना है कि हमसे तो अच्छी तरह मिलती हैं या मिलते हैं पता नहीं राहुल के साथ क्या समस्या है। मतलब समस्या राहुल में है। नफरती मीडिया में नहीं।

अभी जो एंकर हैलिकाप्टर में घूम रही थीं उन्होंने कांग्रेसी नेता के लिए एक से एक विशेषणों का प्रयोग किया। ब्राइट एंड फ्रेश। ऊर्जावान और उत्साही। कभी न हारने वाले और जाने क्या क्या! तो नेताजी फूले नहीं समा रहे। मुझमें इतने सारे गुण। तभी तो आईं थीं मेरा इंटरव्यू लेने। मगर कभी यह नहीं सोचते कि क्या राहुल के वास्तविक गुणों में से एक भी ये टीवी एंकर बता सकती हैं? अगर बता दें तो इनकी नौकरी तो छोड़िए ईडी भी पहुंच जाएगी। मगर कांग्रेस के नेताओं को सिर्फ खुद से मतलब है पार्टी और राहुल से नहीं।

शकील अख्तर

पता नहीं कांग्रेसी नेता गांव के लोगों से कितना मिलते हैं। लेकिन अगर मिलते होते और उनकी सुनते समझते तो उन्हें मालूम होता कि यह पांच किलो फ्री अनाज कैसा नशा बन गया है। गांव में अपने घर में मुफ्त राशन मिल जाने के बाद वह किसी काम का नहीं रहता। उससे पांच किलो से ज्यादा अनाज की बात करना होगी। काम देने का भरोसा देना होगा।

खैर इससे राहुल की ताकत पर कोई असर नहीं पड़ता है। तो मुख्य मुद्दा था फ्री राशन पांच साल और। अब इसका जवाब यह नहीं हो सकता जो बहुत सारे लोग और कांग्रेसी भी दे रहे हैं कि साढ़े 9 साल में क्या किया? गरीब की हालत और खराब कर दी कि वह फ्री राशन पर रहने लगा। पांच साल और मतलब उसकी हालत ऐसी ही रखोगे या यह जो कांग्रेस कह रही है कि यह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना कुछ नहीं है हमारी नेशनल फूड सिक्योरटी एक्ट की ही नकल है इससे कुछ नहीं होगा।

मंगलवार को मिजोरम की सभी और छत्तीसगढ़ की 20 सीटों पर मतदान हो जाएगा। इनमें आदिवासी संभाग बस्तर भी है। जहां के करीब-करीब सभी मतदाता पांच किलो मुफ्त राशन का फायदा उठा रहे हैं। 12 सीटें हैं यहां जिनमें से 11 आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। यह 12 में से 12 सीटें कांग्रेस के पास हैं। अब आप समझ सकते हैं कि प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ से यह घोषणा क्यों की और उस दुर्ग जिले में की जहां भी मंगलवार को मतदान होना है।

अब यह घोषणा तात्कालिक रूप से छत्तीसगढ़ की बस्तर और दुर्ग की 20 सीटों पर प्रभाव डाल सकती है। और बाद में हर जगह। इसका जवाब वही जैसा हमने ऊपर कहा राहुल की काउंटर गारंटी। गारंटी पर गारंटी ही दे सकती है। और राहुल का जवाब देना या यूं कहें जनता को और ज्यादा हिम्मत बंधाना वाजिब भी है।

मगर कहा अगर सही समय पर न जाए तो कोई फायदा नहीं। कांग्रेस की अधिकांश कहानी यही है कि जब चिड़िया खेत चुग जाती हैं तब वह पछताती रहती है। बाबा केदारनाथ के पास से अच्छी जगह कौन सी हो सकती है। वहीं से कहना चाहिए कि अगले पांच साल इतना ही! बिल्कुल नहीं। गरीबों को बढ़कर राशन भी मिलेगा और काम भी।

हर हाथ को काम। नौकरी रोजगार। और हां मुफ्त की अगर बात है तो आपके बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलेगी। और आपको और पूरे परिवार को मुफ्त इलाज। काम मिलने से आपके हाथ में नगद पैसे होंगे। आप जो चाहे खरीद सकते हैं। मुफ्त राशन पांच किलो नहीं बढ़ाकर देंगे। और काम देंगे ताकि तेल, घी, दूध, सब्जी, दाल मसाले, कपड़े, जूते खरीद सकें।

स्कूल सारे सरकारी करने और अस्पताल भी यह लोगों की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी जी केवल पांच किलो राशन में लोगों को उलझाए हुए हैं। मगर कांग्रेस चूंकि इसका ठीक से जवाब नहीं दे पा रही है तो मोदी जी का यह फंडा खूब चल रहा है।

हमें पता नहीं कांग्रेसी नेता गांव के लोगों से कितना मिलते हैं। लेकिन अगर मिलते होते और उनकी सुनते समझते तो उन्हें मालूम होता कि यह पांच किलो फ्री अनाज कैसा नशा बन गया है। गांव में अपने घर में मुफ्त राशन मिल जाने के बाद वह किसी काम का नहीं रहता। उससे पांच किलो से ज्यादा अनाज की बात करना होगी। काम देने का भरोसा देना होगा। मर गए सपनों को फिर से जिलाना होगा।

बच्चों की पढ़ाई और उससे उनकी अच्छी नौकरी मिलने की कहानी सुनाना होगी। नहीं तो वे पांच किलो मुफ्त अनाज लेते रहेंगे और वोट देते रहेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

भाजपा के नेतृत्व वाली 'आचार समिति' द्वारा महुआ मोइत्रा का उत्पीड़न शर्मनाक

■ अरुण श्रीवास्तव

भारतीय संसदीय कामकाज के इतिहास में पहले कभी किसी विधायी पैनल के अध्यक्ष को चरित्र हनन और स्त्रीद्वेषी विकृति की इतनी तीखी आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा, जितना कि लोकसभा आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर को करना पड़ रहा है। टीएमसी सदस्य महुआ मोइत्रा द्वारा उनके खिलाफ लगाये गये आरोप पर संदेह करने का कोई स्पष्ट कारण नहीं है, जिसे समिति में विपक्षी सदस्यों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से दोहराया गया था, कि पैनल के अध्यक्ष भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर ने संसद में प्रश्न पूछने के लिए एक व्यवसायी हीरानंदानी से धन तथा अन्य फायदा लेने के आरोप से सम्बंधित प्रश्न पूछने के बदले बड़े ही दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक तरीके से असम्बद्ध सवाल किये। उनके इस व्यवहार से नाराज विपक्षी दल के सदस्य विरोध में बैठक हॉल से बाहर चले गये।

मोइत्रा पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर सवाल पूछने का आरोप लगा है। यह भी आरोप लगाया गया कि उसने दुबई स्थित व्यवसायी के साथ अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा किये। मोइत्रा के खिलाफ शिकायत झारखंड के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने की थी।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा पारिस्थितिकी तंत्र और उसका मीडिया सेल मोइत्रा को लोकसभा से हटाने और उनके राजनीतिक कॅरियर को समाप्त करने के लिए एक अच्छी तरह से तैयार किये गये जाल के साथ तैयार है। उनके लिए उनका चरित्र हनन और एक सस्ती और लालची महिला के रूप में उनकी छवि खराब करना सबसे अच्छा उपाय था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस मामले में कोई संवैधानिक कार्यवाही शुरू करेंगे या नहीं, क्योंकि इसमें कई लोगों की हिस्सेदारी है। लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा उन्हें दंडित करने और सदन से बाहर निकालने के लिए अपनी पूरी ताकत लगायेगी। भाजपा का तंत्र किसी को भी अडानी और मोदी के खिलाफ बोलने को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

खुद मोइत्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बताया है, उनसे पूछा गया कि 'उन्होंने देर रात किससे, किस सॉफ्टवेयर पर और कितनी देर तक बात की। वे जानना चाहते थे कि जिन लोगों से उन्होंने बात की उनकी पत्नियों को इसके बारे में पता था या नहीं।'

सोनकर ने बाद में कहा कि समिति को मामले की व्यापक जांच करने का काम सौंपा गया था और सहयोग करने के बजाय, मोइत्रा विपक्षी सदस्यों के साथ क्रोधित हो गयीं और उन्होंने 'आपत्तिजनक शब्दों' का इस्तेमाल किया और उनके खिलाफ अनैतिक दावे किये। लेकिन उनका स्पष्टीकरण उन्हें मोइत्रा के उन आरोपों से बरी नहीं करता कि उन्होंने जानबूझकर उनसे अनैतिक और अपमानजनक सवाल पूछे।

मामला तब तूल पकड़ा जब समिति अध्यक्ष ने व्यक्तिगत सवाल पूछना शुरू कर दिया जैसे मोइत्रा ने रात में हीरानंदानी को कितनी बार फोन किया, वह दुबई और मुंबई में किस होटल में रुकी थीं। पैनल के एक विपक्षी सांसद ने कहा, 'हमने आपत्ति जताई और मोइत्रा ने भी।'

मोइत्रा की पीड़ा और आहत भावनाएं गुरुवार को बैठक कक्ष से बाहर आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे उनके पत्र में परिलक्षित हुईं, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सुनवाई के दौरान आचार समिति के अध्यक्ष द्वारा उन्हें 'कहावती वस्त्रहरण' का शिकार होना पड़ा। मोइत्रा ने यह भी लिखा- 'समिति को खुद को आचार समिति के अलावा किसी अन्य नाम से नामित करना चाहिए क्योंकि इसमें कोई नैतिकता नहीं बची है। विषय से संबंधित प्रश्न पूछने के बजाय, अध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण और स्पष्ट रूप से अपमानजनक बयान देकर पूर्वकल्पित पूर्वाग्रह का प्रदर्शन किया।' जिस तरह से मुझसे सवाल किया जा रहा था, उसे सुनकर उपस्थित 11 सदस्यों में से 5 सदस्य बाहर चले गये और उनके शर्मनाक आचरण के विरोध में कार्यवाही का बहिष्कार किया।'

यह स्पष्ट नहीं है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस मामले में कोई संवैधानिक कार्यवाही शुरू करेंगे या नहीं, क्योंकि इसमें कई लोगों की हिस्सेदारी है। लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा उन्हें दंडित करने और सदन से बाहर निकालने के लिए अपनी पूरी ताकत लगायेगी। भाजपा का तंत्र किसी को भी अडानी और मोदी के खिलाफ बोलने को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

लोकसभा की वेबसाइट का लॉगइन आईडी और पासवर्ड शेयर करने के मामले में मोइत्रा ने अपने पत्र में लिखा- 'इन्हें शेयर नहीं करने के नियम सांसदों को कभी क्यों नहीं बताये गये और यदि थे तो हर एक सांसद इस आईडी और लॉगिन को कई लोगों के साथ क्यों साझा कर रहा है?' उसने लिखा कि मैंने रिकॉर्ड पर बार-बार विरोध किया कि अध्यक्ष एक औरत के रूप में मेरी गरिमा पर दाग लगाने वाले व्यक्तिगत प्रश्न नहीं पूछ सकते हैं।

मोइत्रा ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है – लोकसभा आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर ने उन्हें वकील जय अनंत देहाद्राई और व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी द्वारा उनके खिलाफ लगाये गये 'कैश-फॉर-क्वेरी' आरोपों में जिरह करने की अनुमति क्यों नहीं दी। उन्होंने सोनकर को पहले ही बताया था-'शिकायतकर्ता देहाद्राई ने अपनी लिखित शिकायत में अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई दस्तावेजी सबूत नहीं दिया है, और न ही वह अपनी मौखिक सुनवाई में कोई सबूत दे सका है। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, मैं देहाद्राई से जिरह करने के अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहती हूं।' मोइत्रा ने कहा, 'यह एक एथिक्स कमेटी है जो स्क्रिप्ट पढ़ रही है और हर तरह के गंदे सवाल पूछ रही है।' बसपा सदस्य दानिश अली ने कहा, 'हम ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे क्योंकि वे अनैतिक सवाल पूछ रहे हैं। द्रौपदी का चीरहरण कर रहे हैं।'

14 सदस्यीय नैतिक पैनल का हिस्सा बनने वाले कम से कम तीन विपक्षी सांसद, कांग्रेस के एन उत्तम कुमार रेड्डी, बसपा के दानिश अली और राजद के गिरिधारीलाल यादव, समिति पर एक महिला सांसद से अनैतिक व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए बैठक से बाहर चले गये। रेड्डी ने आरोप लगाया, 'उनके सवाल पूर्वाग्रहपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और अशोभनीय थे। हम दिन की शुरुआत से ही उसे यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि वह इस तरह की पूछताछ न करे, लेकिन उसने हमारी बात नहीं सुनी।'

जाहिर है कि भाजपा जो चाहती थी उसका सख्ती से पालन किया गया है। इस धारणा को बल मिलता है कि इन अपवित्र घटनाओं के ठीक बाद, दुबे ने अपनी टिप्पणी दी कि मोइत्रा को जाना होगा। उसे कोई नहीं रोक सकता। इस बीच, प्रदर्शनकारी सांसदों ने यह जानने की कोशिश की है कि एक शिकायतकर्ता, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की एक 'गोपनीय' रिपोर्ट को कैसे हासिल करने में कामयाब रहे, जिसमें कहा गया था कि मोइत्रा के संसदीय लॉगिन को दुबई से 47 बार एक्सेस किया गया था और यहां तक कि इसे डाला भी गया था। यह सार्वजनिक डोमेन में तब आया जब वह रिपोर्ट केवल एक दिन बाद समिति के सदस्यों को उपलब्ध कराई गई थी। विपक्षी दल भी उत्सुकता से उस कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं जो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी बैठक के बाद लेने वाली हैं, जैसा कि पार्टी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने खुलासा किया है।

गुरवाणी विचार

लेखे छोड़ अलेखे छूटे हम निरगुण लेहो उबारी

तुम दाते ठाकुर प्रति पालक, नायक खसम हमारे
निमख निमख तुम ही प्रतिपाल हो हम बरिक तुमरे धारे
नेव्हा एक कवन गुन कही पै,
बेसुमार वेअंत सुवामी तेरी अंत न किनही लहीअै
कोटि अपराध हमारे खंड ह अनिक विधि समझावहो
हम असियान अलपमत धोरी तुम आपन बिरद रख आवहो
तुमरी सरणि तुमारी आसा-तुम ही सजन
राखहो राखनहार दिआला नानक घर के गोले।।

गुरवाणी की ये पंक्तियां राग धनासरी से ली गई है जो कि गुरु ग्रंथ साहिब के 674 अंग पर सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवे नानक प्रभु परमात्मा के गुणगान करते हुए मानव मन को समझा रहे हैं कि प्रभु परमात्मा सब किस्म की दाते देने वाला है। वह मालिक भी है और सब जीवों के पालन करने वाला भी है। सारा जगत उस परमात्मा के आगे भिखारी ही है और वह हर एक की झोली भरता रहता है। चाहे कोई उसकी भक्ति करता है या नहीं करता वह सबको कुछ न कुछ दे ही रहा है। हर प्राणी सबेरे खाली पेट उठता है पर पभु परमात्मा की कृपा से कुछ न कुछ खा कर ही सोता है। ऐसी प्रभु ने जुगती बनाई है। हमारे जीवन की अगुवाई करने वाला है। इस तरह वह हमारा मालिक भी है। वह हर क्षण हमारी पालना भी कर रहा है।

कोरोनाकाल की बिमारी में ज ब ऑक्सीजन की लोगों को जरूरत पड़ी तो दाल-आटे का भाव पता चल गया पर प्रभु तो हजारों वर्षों से हमें मुफ्त में हवा, पानी दे रहा है जिसकी कभी कोई कीमत नहीं लेता। पाल रहा अपनी धरती पर वो सबकी जिंदगी बदले में किसी से कुछ भी लेता नहीं है। जिस तरह एक मां अपनी संतान की पालना करती है। खुद भी गीले बिस्तर में सो जाती है पर अपनी संतान को कभी गीले में नहीं सुलाती। बच्चे को डांट फटकार भी लगाती है फिर सब भुला कर उसे गले से लगा लेती है। ठीक इसी तरह प्रभु परमात्मा भी हर प्राणी पर अपनी कृपा भरी नजर रखता है और हमारे द्वारा किए गए कई पापों को क्षमा भी कर देता है। चाहे हम उसकी भक्ति कर रहे हों या न भी कर रहे हों। इसलिए हर इंसान को हर वक्त प्रभु से यह बिनती करना चाहिए।

तुम करो दया मेरे सांई।
अैसो मति दीजै मेरे ठाकुर सदा सदा तुध धिआई।।

अगर वह हमारे द्वारा दिए गए कर्मों का लेखा जोखा, हिसाब करेगा तो हमें नरक में भी जगह नहीं मिल पाएगी।

इसीलिए
लेखे छोड़ अलेखे छूटे हम निरगुण लेहो उबारी।
नानक दास संत पोछे परियो राखि लेयो ए बारी।।

हमें अपने आपको गुलाम समझ कर प्रभु मालिक का हुक्म मानते रहना चाहिए।

मूल खरीदी लाला गोला, मेरा नावों सुहागा।
गुर की बचनी हाट बिकाना जित लाया तित लागा।।

तभी हमारा कल्याण हो सकता है। इसीलिए गुरवाणी द्वारा हमें समझाया है मन के पीछे चलने के बजाय गुरमति के अनुसार जीवनयापन करते हैं प्राणी के मन में गुरवाणी के साथ लगाओ। धीरे-धीरे होने लग जाएगा।

गुरमुखि वाणी नाम है, नाम रिदै बिसाई
मति पंखेरन वस हुई सत्गुरु धियाई।।
नानक आप दयाल होये नामै लिख पराईं।

आपकी कृपा हो जाए तभी गुरु का नाम हमारे हृदय में प्रकट हो जाता है। नाम रूपी अमृत भी हमें तभी प्राप्त हो पाता है। यह संभव भी तभी है जब प्रभु परमात्मा की हम पर विशेष किरपा हो जाए। तभी हम इस संसार समुद्र से अपनी जीवन नौका सुचारू रूप से खेकर प्रभु परमात्मा के सांचे दरबार में जाकर स्थान प्राप्त हो पाएंगे।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

आचार संहिता को चिढ़ाती , चुनावी घोषणाएं

विधानसभा चुनाव से पहले सत्ता लोलुप नेता येन केन प्रकारेण सत्ता में काबिज होना चाह रहे हैं। विधानसभा के प्रथम चरण का मतदान 7 नवंबर को होना है। छत्तीसगढ़ में पदस्थ कांग्रेस सरकार के मुखिया भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के महासचिव राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव प्रचार- प्रसार की कमान संभाली है। चुनाव प्रचार के बहाने बड़े-बड़े लोक लुभावन वादे अपने घोषणा पत्र के माध्यम से कांग्रेस ने किए हैं। सबसे ज्यादा किसानों को साधने का प्रयास किया गया है। राहुल गांधी ने तो के जी से पी जी तक शिक्षा को मुक्त करने का ऐलान भी कर दिया है! कांग्रेस की ललचाई घोषणाओं के बाद भारतीय जनता पार्टी भी चुप बैठे रहेगी, ऐसा सोचना गलत होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपना घोषणा पत्र जारी करने की बात कही है। घोषणा पत्र में क्या होगा? किसके लिए होगा? कौन खुश तथा कौन नाराज होगा कुछ समय बाद सामने आ जाएगा। सवाल यह उठता है कि चुनाव आचार संहिता के बाद ऐसा करना आचार संहिता का उल्लंघन क्यों नहीं माना जा रहा है? जब वाहनों की जांच के दौरान कैश से लेकर हर प्रकार की सामग्री यह मानकर जब्त की जा सकती है, कि वह मतदान को प्रभावित कर सकती है, तब घोषणाओं पर विराम क्यों नहीं?

चुनाव से पूर्व मतदाताओं को लुभाने की नीयत से फ्री की रेवड़ियां बांटने पर निर्वाचन आयोग मौन क्यों है? देखा जाए तो चुनाव संपन्न होने के बाद 5 वर्षों तक सत्ताधारी दल को जन सामान्य के लिए योजनाओं की याद नहीं आती! जैसे ही नए चुनाव पास आते हैं दो सप्ताह के भीतर योजनाओं की झड़ी मानसूनी बादल की तरह बरसने लगती है! कहने को तो आचार संहिता के बाद किसी प्रकार की घोषणा या नए कार्यों को करना नियम विरुद्ध होता है,किंतु निर्वाचन आयोग पार्टियों द्वारा की जाने वाली लोक- लुभावन घोषणाओं पर आंख और मुंह पर पट्टी बांधे नजर आता है!

देश के प्रत्येक मतदाता को यह जानने का हक है कि फ्री की रेवड़ियों या नि:शुल्क गिफ्ट बांटने के लिए सरकारी अथवा राजनीतिक दल पैसे कहां से ला रही है? अथवा लाएंगी? देश के एक-एक करदाता को यह जानने का अधिकार है कि उसकी गाढ़ी कमाई का हिस्सा, जो टैक्स के रूप में जा रहा है, उसका उपयोग कहां और कैसे हो रहा है? साथ ही घोषणा पत्र में लालच देने वाली पार्टी को यह बताना होगा की घोषणाओं को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा?

आज हर दल सत्ता चाहता है और सत्ता की चाहत में उसके द्वारा फ्री की रेवड़ियों की मिठास घोषणा पत्र में लपेटकर मतदाताओं को परोसी जाती है! यही वह घोषणाएं होती हैं जो देश अथवा प्रदेश को दिवालिया करने में अपनी भूमिका अदा करती है। निर्वाचन आयोग ही वह ताकतवर संगठन है, जो ऐसी राजनीतिक पार्टियों पर लगाम लगा सकता है। आने वाले लोकसभा चुनाव में यदि निर्वाचन आयोग को ऐसी शक्ति दे दी जाती है, जिससे वह चुनाव आचार संहिता के उपरांत राजनीतिक दलों द्वारा की जाने वाली लोक लुभावन घोषणाओं पर लगाम लगा सके, तो हम प्रदेश के विकास की नई तस्वीर देख सकते हैं। यदि हमारे निर्वाचन आयोग को 'पिंजरे का तोता' बनाकर रख दिया गया तो, वह दिन दूर नहीं जब भारत वर्ष का श्रीलंका बन जाएगा! यदि हम श्रीलंका या फिर ऐसा ही कोई राष्ट्र नहीं बनना चाहते हैं , तो वित्त आयोग से लेकर नीति आयोग को फ्री की घोषणाओं पर नियंत्रण करने पर गौर करना होगा।

-डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव

फुटपाथ-हॉकर्स को मिलेगा सम्मान के साथ अनुकूल व्यापारिक अवसर : तरुण भनोत

जबलपुर, देशबन्धु। जनसंपर्क के ग्यारवें दिन कांग्रेस प्रत्याशी तरुण भनोत के द्वारा जॉर्ज डिसिल्वा वार्ड स्थित सनातन धर्म मंदिर में पूजा अर्चना कर जनसंपर्क के दौरान पंजाबी मोहल्ला, पीपल मोहल्ला, जायसवाल मोहल्ला, खेरमाई राम मंदिर, ईसाई मोहल्ला, कुम्हार मोहल्ला, धम्मन सिंह का बाड़ा, तिरुपति कॉम्प्लेक्स, लोधी मोहल्ला, बहना मोहल्ला, दुर्गा कन्याशाला, बेहर दाई मंदिर, इमलीपुरा और गोरखपुर गुरुद्वारे में मत्था टेककर क्षेत्र में सघन जनसंपर्क कर नागरिकों से जनसमर्थन की अपील की।

जॉर्ज डिसिल्वा वार्ड में जनसंपर्क

जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी भनोत के समक्ष गोरखपुर क्षेत्र में आमजनों और व्यापारियों के द्वारा खसरे के लंबित प्रकरण के संबंध में जनसंवाद में बताया गया कि कांग्रेस सरकार 15 महीने के दौरान उनके प्रयासों से शासन द्वारा सारी औपचारिकताओं को पूरी कर ली गई थी।

किंतु दुर्भाग्यपूर्ण रूप से प्रदेश की चुनी हुई सरकार को गिराने के बाद कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित सभी कार्यों को भाजपा सरकार द्वारा राजनैतिक कारणों से रोक लगा दी गई। भनोत ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि खसरों के आवंटन की जवाबदारी निभाएंगे

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता तंबा स्वामी, विजय कांडा, गप्पू जैन, बनविंदर मान, सरबजीत सिंह रील, सुधीर सोनकर, बबलू यादव, रितेश बंटी गुप्ता, वंदना बैन, बमबम नायक, दिलीप कुरील, राधा गुप्ता, श्वेता गुप्ता, नीलम छाबड़ा के साथ ही सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह ने जनचौपाल में लिया जनता का आशीर्वाद

जबलपुर, देशबन्धु। आने वाले समय में जबलपुर का पश्चिम विधानसभा क्षेत्र, रोजगार सृजन का प्रमुख केंद्र बनेगा। आईटी पार्क का विस्तार में अन्य बड़ी कंपनियों को लाने का अभियान चलाया जाएगा। सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए जबलपुर पश्चिम में स्किल सेंटर, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर तथा व्यवसाय मार्गदर्शक केंद्र चलाये जायेंगे यह बात पश्चिम विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह ने जार्ज डिसिल्वा वार्ड, महाराणा प्रताप वार्ड, ग्वारीघाट वार्ड में आयोजित जन चौपाल में कही।

जार्ज डिसिल्वा वार्ड, महाराणा प्रताप वार्ड, ग्वारीघाट में लगाई चौपाल

सिंह ने कहा केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकार ने शासकीय सेवाओ में रोजगार के अवसर दिए ही इसके साथ हमारे युवाओ को ऐसे संशाधन उपलब्ध कराए जिससे न सिर्फ युवा अपने पैरों पर खड़ा हुआ बल्कि दुसरो को रोजगार देने वाला बना है। सरकार ने युवाओं के रोजगार के लिए कई योजनाओं को लागू किया जिससे युवा सक्षम, समर्थ और स्वावलंबी बनकर कार्य कर रहा है इसी तरह हमारा लक्ष्य है जबलपुर पश्चिम के प्रत्याशी का है।

इस अवसर पर कौशल सूरी, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, जीतू कटारे, लक्ष्मी जय चक्रवर्ती, शारदा कुशवाहा, मनीष दुबे, काके आनंद, डिंपू गुप्ता, अशोक रजक, अतुल लखेरा, अखिलेश तिवारी, अनुराग सोनी, दीपक यादव, पीयूष गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार बनी तो जनता को दिलाऊंगा बड़े लाभ : विनय सक्सेना

जबलपुर, देशबन्धु। जनता के आशीर्वाद से अबकी बार मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी तो अपने क्षेत्र की जनता को हितकारी योजनाओं के अनेक बड़े लाभ दिलाऊंगा। यह कहना है उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विनय सक्सेना का। रविवार को दयानंद सरस्वती वार्ड में विनय सक्सेना ने सघन जनसंपर्क किया। लोगों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उतर मध्य विधानसभा क्षेत्र में लोगों की सुविधा और क्षेत्र में व्यापक विकास उनका लक्ष्य है। क्षेत्रीयजनों ने भी विनय सक्सेना के शांत मिलनसार स्वभाव और उनके द्वारा कराए गए कार्यों की भरसक सराहना की।

दयानंद सरस्वती वार्ड में जनसंपर्क

दयानंद सरस्वती वार्ड में जनसंपर्क के दौरान विनय सक्सेना ने शास्त्री ब्रिज, दत्त टावर, अनवर खां का बा, शुभ रेसीडेंसी, नवीन विद्या भवन स्कूल, आशियाना अपार्टमेंट, डॉ भंडारी रोड, सिल्वर ओक कंपाउंड, मच्छो कंपाउंड, मिशन प्रेस कंपाउंड, नागरथ चौक, घंटाघर, मासूम का बाड़ा, आदि इलाकों में सहन जनसंपर्क किया और लोगों से जीत का आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश सोनकर, सचिन यादव, गीता शरत तिवारी, दिलीप पटारिया, प्रयाग नायडू, योगेश रेड्डी, पंकज बोरो, रवि कनौजिया, रवि रैकवार, रितेश नोतनानी, अभिषेक गुप्ता, मोंटी खनूजा, शहजाद हुसैन, नसीब भाईजान, सतीश नंदा, गौरैया यादव, और नागेश राव सहित बड़ी संख्या में पार्टी और क्षेत्रीय गणमान्य जन मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने विशाल कार रैली को दिखाई हरी झंडी

कार रैली में शामिल मतदाताओं को दिलाई शपथ

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन और कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल आशीष सिंह ने जिला निर्वाचन कार्यालय एवं लायंस इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित विशाल कार रैली को लाल परेड मैदान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाकर सभी से मतदान करने की अपील की। रैली में जिला स्वीप नोडल अधिकारी श्री ऋतुराज सिंह, एडीएम श्री हरेन्द्र नारायण सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, लायंस इंटरनेशनल के सदस्य एवं बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन एवं कलेक्टर श्री सिंह ने विंटेज कार में सवार होकर रैली में भाग लिया और मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विट्ठल मार्केट पर समाप्त हुई।

पत्रकारिता की चलती-फिरती पाठशाला थे दीपक भैया

दीपक भैया एक चलती-फिरती पत्रकारिता की पाठशाला थे। वर्तमान में संस्कारधानी में बड़े अखबारों में काम कर रहे संपादक और वरिष्ठ पत्रकार देशबन्धु से ही काम सीखकर निकले और आज बड़े मुकाम पर काबिज हैं। मेरा यह सौभाग्य है कि मै देशबन्धु जैसे सबसे पुराने और बड़े अखबार में काम कर रहा हूं। दुख इस बात का है कि बहुत कम समय में दीपक भैया का दुनिया को अलविदा कहना पूरी पत्रकारिता जगत में अपूरणीय क्षति है। लेकिन मुझे दीपक भैया जैसी शख्सियत के साथ उनके मार्गदर्शन में काम करने का अवसर मिला। जिन्होंने पत्रकारिता से संबंधित बहुत बारीकियां और पत्रकारिता का हुनर मुझे दिया। जिससे आज मै एक अच्छे मुकाम पर हूं।

खबरों की जो समझ दीपक भैया के अंदर थी, वह किसी कॉलेज या विद्यालय मे सीखने को नही मिलती है। दीपक भैया का कहना था कि खबरे सभी छापते हैं, लेकिन जनसमस्या एवं समाजिक सरोकर से जुड़ी खबरे किसी भी अखबार के लिये अति आवश्यक होती हैं। दीपक भैया ऐसी खबरों को खोजने के लिये दूर-दराज इलाकों में भेज दिया करते थे और खबर बनने के बाद उसे बारीकी से विश्लेषित कर अंतिम रूप दिया करते थे। इस दौरान मेरे द्वारा खबरों में गल्तियां होने एवं कमियां होने पर एक शिक्षक की भांति डांटते थे लेकिन खबरों कैसे सही किया जाये इस संबंध में मार्गदर्शन कर समाचार को पूर्ण कराया करते थे। त्रुटि रहित समाचार पर शाबाशी देना उनकी आदत थी। जिससे मेरा सीना भी गर्व से चौड़ा हुआ करता था।

मुझे आज भी दीपक भैया की वे बातें याद हैं जिसमें वे समाचार के महत्व को समझते हुये मौके पर भेजते थे, और समाचार से जुड़ी हर छोटी बड़ी बातों को समझाते थे, जिससे समाचार को पठनीय बनाने में मदद मिलती थी। समाचार बनाने के दौरान जब कभी मै कुछ नई बात उनके समक्ष रखता था, तब दीपक जी वेरीगुड कहकर हमारा हौसला बढ़ाने का काम भी करते थे।

दीपक भैया अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन देशबन्धु आज भी उनकी छत्रछाया में प्रकाशित हो रहा है। इस बात की सभी को बहुत खुशी है। लेकिन यह बात भी सही है कि हम सभी को आज भी उनकी कमी बहुत खलती है।

नरेंद्र जायसवाल

कर्मचारियों को परिवार मानते थे भैयाजी

कर्मचारियों को परिवार मानने वाले दीपक भैया जी बहुत ही जल्द दुनिया से चले गये। इस इस बात का बेहद दुख हैं। हम सभी को आज भी भैयाजी की कमी बहुत खलती है।

मेरा यह सौभाग्य है कि मैं देशबन्धु अखबार में कई वर्षों से काम कर रही हूं। मेरे आने से पहले ही भैयाजी अपनी सीट पर बैठे मिलते थे और घड़ी देखते पर हमारी लेटलतीफी पर कभी कुछ नहीं कहते थे। आज भी उनकी अनदेखी याद आती हैं। कम्प्यूटर रुम में सभी के साथ बैठकर चाय-पीना आज भी याद आता है। यह कोई छोटी बात नहीं, शायद यही तो उनकी सबसे बड़ी अच्छाई थी। भैयाजी सदैव ही अभिवादन का जबाव भी बड़े ही उत्साह से देते थे। हमें कभी किसी भी समाचार में कोई दिक्कत होती, तब भैयाजी मार्गदर्शन करते या स्वयं खबर बनाकर लगवाते थे। भैयाजी से हम सभी से जुड़ीं अनगिनत और अविस्मरणीय यादें हैं, जो हम सभी कभी भूल नहीं सकते।

-ज्योति गुप्ता

देशबन्धु को संस्थान नहीं परिवार मानते थे दीपक भैया

रिश्तों को निभाना कोई दीपक भैया से सीखे। वे देशबन्धु के हर काम करने वाले को अपने परिवार की तरह मानते थे, और वैसा ही व्यवहार भी करते थे। कोई गलती हो जाये तो डांट-फटकार और फिर प्यार से समझाते भी थे कि- अब ऐसी गलती फिर मत करना, इस संस्था से कई लोगों के पेट जुड़े हैं। जब कभी कोई काम उन्हें अच्छा लगता तो दिल से पीठ भी थपथापाते थे। मैंने लम्बे समय तक दीपक भैया के साथ काम किया है, तो बहुत सी यादें, घटनायें ऐसी हैं जो उनके व्यक्तित्व का परिचय देती रहती थीं। दीपक भैया कभी खिलाने में भी पीछे नहीं रहते थे। आलूबण्डे, मंगोड़े, तो कभी समोसे मंगवाते और सभी को मिलें, यह भी सुनिश्चित करते थे, पूछ भी लेते थे-तुम्हें मिला? एक बार की बात है- दीपक भैया कहीं से लौट रहे थे, बड़े फुहारा के पास उन्होंने मटका कुल्फी खाई, और फिर अच्छी लगी तो ढेर सारी पैक कराकर प्रेस ले आये, सभी को खिलाईं। समय ने भले ही उन्हें हमसे असमय छीन लिया परन्तु उनका आर्शीवाद, मार्गदर्शन सदैव हमारे साथ रहेगा।

- विनय कुमार पटैल

'अभी हमें लम्बे समय तक साथ रहकर कार्य करना है.'

मैं वैसे तो देशबन्धु से बहुत पहले से जुड़ा हुआ हूं उस समय जब बाबूजी (स्व. मायाराम जी) (1990 में अशोक जैन की एजेंसी में काम करता था और पेपर लेने आता था) थे लेकिन उसके बाद काम के लिये जब देशबन्धु आया और मुझे श्री दीपक भैया के सानिध्य में कार्य करने का अवसर मिला। अभी मुझे तीन साल ही हुए थे। बड़ा ही सरल और सहज स्वभाव था उनका और उनके इस स्वभाव ने मुझे काफी प्रभावित किया। वे नाराज भी होते थे थे कुछ देर बाद बड़े ही सरल मुस्कुराहट के साथ सभी को प्यार भी देते थे और उनकी नाराजगी सभी भुला देते थे। वे इतने जल्दी हमसे बिछड़ जाएंगे यह बात हमें आज भी अविश्वसनीय लगती है लेकिन आज वे हमारे बीच नहीं हैं आज उनकी पुण्यतिथि पर हमें उनकी स्मृतियों को यादों में रखना पड़ रहा है परन्तु हम कर कुछ भी नहीं सकते क्योंकि नियति कुछ ऐसी बनी और वे हमसे विदा होकर प्रभुलोक को गमन कर गए और स्वयं को हमारी स्मृतियों में स्थापित कर गए। मुझे वो पल याद आता है जब एक दिन वो मुझसे नाराज हो गए और मुझे डांट लगा दी। मुझे कुछ अच्छा नहीं लगा लेकिन कुछ देर बाद उन्होंने मुझे प्यार से बुलाया और कहने लगे अजय इस तरह गुस्सा ठीक नहीं और कहने लगे 'अजय अभी हमें काफी लम्बे समय तक साथ रहकर काम करना है'।

उनकी एक खास आदत थी वे जब भी किसी को भी डांट लगाते तो बाद में उसे प्यार से समझाते थे कि हर किसी को समझ में आ जाता था उनका समझाना ऐसे लगाता था जैसे कोई पिता अपने बच्चे को समझाता है और सही भी है वे थे ही ऐसे पर मुझे तो आज भी लगता है कि वे यहीं कहीं हैं और अभी आवाज देकर कहेंगे 'क्यों... कितना देर लगा रहे हो... अभी तक कलर नहीं छूटे... पेज कब छूटेगा... ये इन्हीं बातों को याद कर मैं उन्हें रोज याद कर लेता हूं, उनका मस्कुराता चेहरा सामने आ जाता है और ऐसा लगता है कि आज वें वे हमारे बीच हैं ऑर हमें अपनी मुस्कुराहट से दिशा-निर्देश और अपना आशीर्वाद दे रहे हैं।

- अजय पटेल

आदरणीय दीपक भैया की प्रथम पुण्य तिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

आदरणीय दीपक भैया प्रेस के प्रत्येक कर्मचारी को अपना परिवार का सदस्य मानते थे उनका स्वभाव बहुत ही सहज एवं सरल था उनसे मिलने के लिये किसी को अनुमति की आवश्यकता नहीं थी, किसी भी समय कभी भी मिल सकते थे, सहज और सरल स्वभाव अवश्य था परन्तु उन्होंने अपने मान सम्मान स्वाभिमान और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया । अपने मित्रगणों का जन्मदिन हो या शादी की वर्षगांठ बधाई देने पहुँच जाते थे।

मैं जब भी बीमार होता घर देखने अवश्य आते थे एक बार मेरा पैर फैक्चर हो गया था घर पर मुझे देखने के लिये पहुँच गये मैं खाना खा रहा था मैंने खाना खाने के लिये कहा री पत्नी ने चाय के लिये बोला बोले बेटा तुम चाय बहुत अच्छी बनाती हो इसलिये तुम्हारी चाय भी पिऊँगा और खाना भी खाऊँगा, मैंने अलग से खाना लाने के लिये कहा बोले नहीं तुम्हारे साथ ही खाऊँगा और मेरे साथ खाना खाने लगे, तो ऐसे थे आदरणीय दीपक भैया जिन्हें मैं और मेरी पत्नी कभी नहीं भुला पायेंगे।

-राजकुमारमेहरा

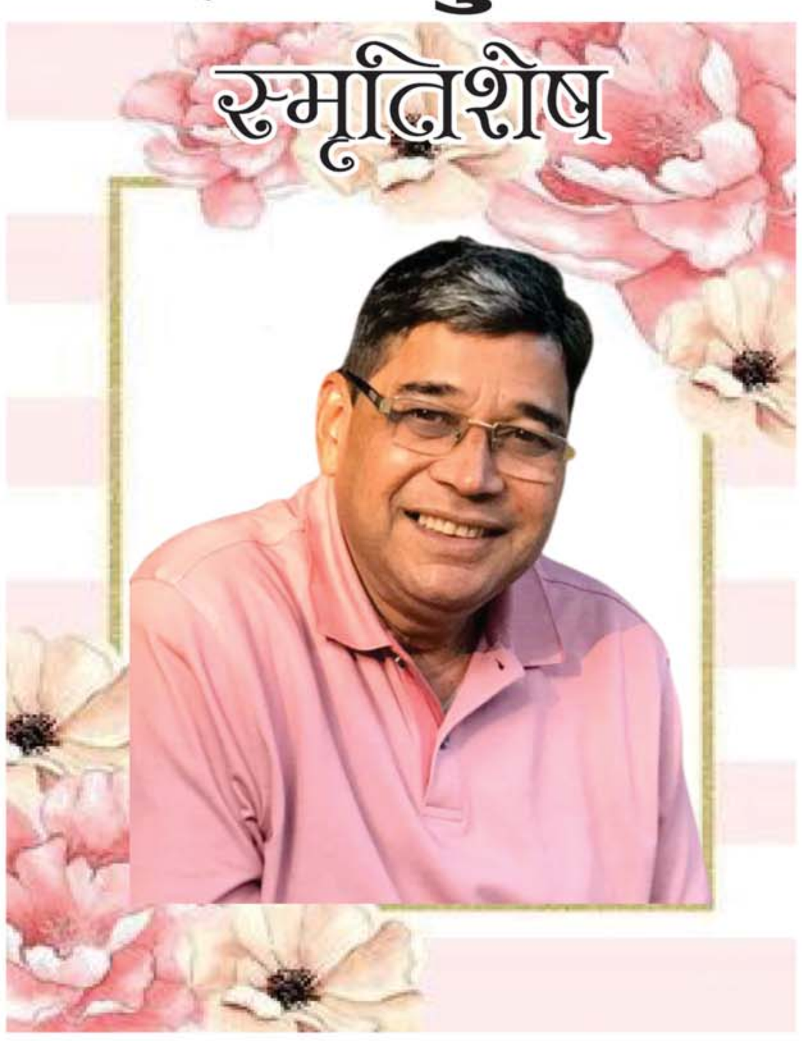

दीपक भैया इंसान के रूप में भगवान थे। वह देशबन्धु में कार्यरत सभी लोगों के पालक की तरह रहते थे, वह सभी के सुख-दुख के साथ खड़े रहते थे। एक बार उन्होंने मुझसे कहा कि, मुझे घर तक छोड़ दो तो अपनी गाड़ी में घर छोड़ने गया तो उन्होंने मुझसे कंधे पर हाथ रखकर कहा कि खुशी (मेरी बिटिया) आजकल क्या कर रही है, तो मैंने बताया कि उसका ग्रेजुएशन कम्पलीट हो गया है तो उन्होंने मुझसे कहा कि जब तक वह नौकरी न करने लगे तब तक उसकी शादी मत करना। मैंने उनकी प्रेरणा से ही उसको एम.बी.ए करवाया। आज वह मल्टीनेशनल कम्पनी में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत है। प्रेस में तकरीबन सभी लोगो के साथ दीपक भैया के ऐसे ही वाक्या आपको मिलेंगे। अब उनके दिये हुए मार्गदर्शन पर हम सभी देशबन्धु को उन्नति के शिखर पर ले जाने का हमारा संकल्प है।

-दिनेश श्रीवास्तव

हमारे आदरणीय थे दीपक भैयाजी और हमेशा रहेंगे

दीपक भैयाजी बहुत अच्छे व्यक्ति थे। हमारे आदरणीय थे और हमेशा रहेंगे। मेरे बच्चों के भी बहुत आदरणीय व प्रिय थे। वे बच्चों का हमेशा उत्साह बढ़ाते थे। मेरी बच्ची को जब श्रीराम कॉलेज में स्पोर्ट्स टीचर के पद पर नौकरी मिली, तब दीपक भैयाजी को पता चला तो उन्होंने बच्ची आशीर्वाद दिया और कहा कि आप जिस पद पर हो, उस पर पद पर मन लगाकर काम करो, तरक्की तुम्हे मिलती चली जाएगी। उन्होंने कहा आप बहुत भाग्यशाली हो, क्योंकि इतनी आसानी से किसी को इतनी जल्दी नौकरी नहीं मिलती है। दीपक भैयाजी ने हमेशा ही हमारे दुख-सुख में साथ दिया। मैंने उनको कभी मालिक नहीं समझा। हमेशा बड़े भाई के तरह ही माना है। जब दीपक भैयाजी से बातें करने का मौका मिलता, तो मुझे बहुत अच्छा लगता था। यादें तो बहुत सी हैं, यादें तो याद रखने के लिए होती हैं। जब दीपक भैयाजी की किताब छप गई तो मैंने पूछा कि भैयाजी यही आपकी किताब है, तो दीपक भैयाजी ने कहा कि हां। उन्होंने मुझसे पूछा कि इस किताब को पढ़ोगी, तो मैंने कहा हां भैया मैं पढूंगी। जब काफी दिन हो गये और भैयाजी ने किताब नहीं दी, लेकिन उन्हें यह याद था कि मैंने किताब के विषय में बाद की थी। मुझे दीपक भैयाजी ने 1.1.2022 को नववर्ष पर उपहार के रूप में किताब दी। मैंने बहुत खुश होकर सभी को बताया कि भैयाजी ने मुझे किताब दी है। मैंने उस किताब को पढ़ा है और उसे सम्भालकर आज भी रखी हूं। दीपक भैयाजी कभी किसी को नहीं भूलते थे। हर समस्या का वो समाधान करते थे।

विद्या राजपूत

आदरणीय दीपक भैया को हम सभी कर्मचारी भैया कहकर ही सम्बोधन देते थे। दीपक भैया भी सभी कर्मचारी को अपना परिवार का सदस्य मानते थे। इतनी सरलता और सम्यता अभी तक नहीं देखी है। कर्मचारी के परिवार में दुख हो व सुख दीपक भैया हमेशा साथ खड़े रहते थे। दीपक भैया परिवार के बड़े सदस्य के नाते गलती होने पर डांटते भी थे लेकिन बाद में बुलाकर समझाते भी थे। मुझे एक वाक्या याद आ रहा है। हमारे प्रेस में बैजू दादा चौकीदार थे उनकी तबियत खराब हो गई वह कार्यालय नहीं आ रहे थे। दीपक भैया ने मुझे बुलाकर कहा बैजू दादा के घर जाओ और तबियत कैसी है पूछकर आओ मैं बैजू दादा के घर गया उनसे तबियत पूछी उन्होंने कहा तबियत अभी ठीक नहीं है। मैने आकर भैया को बताया दीपक भैया दूसरे दिन बैजू दादा के घर पहुंच गये तबियत के संबंध में पूछताछ की और उनको उचित इलाज करवाने की समझाइश दी और कहा कि दादा जब तक पूर्ण स्वस्थ्य न हो कार्यालय आने की चिंता मत करना स्वस्थ ठीक होने पर ही कार्यालय आना मेरे लिए कुछ भी कार्य हो तो बैगेर संकोच के बता देना। ऐसे उदार दिल के थे दीपक भैया जिनकी यादे हमेशा याद रहेगी।

-केके दुबे

सहज, मिलनसार स्वभाव के धनी थे, परखने की अद्भुत क्षमता

दीपक भैयाजी सहज मिलनसार स्वभाव के धनी थे। साथ ही किसी भी व्यक्ति को परखने की उनमें अद्भुत क्षमता थी। सज्जन इतने थे कि हर किसी को खुशी देना ज्यादा पसंद करते थे और उनका यही स्वभाव मुझे अच्छा लगता था । जीवन के उस चक्र में उनका समय-समय पर मार्गदर्शन करना, मन को भाता था और उनकी कहीं बातों पर अमल करने की भरपूर कोशिश आज भी करता हूं। उनका मार्गदर्शन जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह भरता था और किसी भी विषय को समझने में आसानी होती थी। कार्य के दौरान वे हर किसी की समस्या को गंभीरता से सुनते थे और उसका उचित निराकरण भी करते थे । दीपक भैयाजी को हर विषय का ज्ञान था, चाहे राजनैतिक , आर्थिक पहलू हो या फिर सामाजिक विषय हो, उन्होंने अपनी लेखनी से हर विषय पर सच्ची तस्वीर पाठकों के सामने पेश की, पाठकों ने भी उनके विचारों की भरपूर प्रशंसा की थी। दीपक भैया जी में एक विशेषता और थी कि जब वे किसी प्रसिद्ध व्यक्ति या जनप्रतिनिधि या राजनेता को मिलते थे, तो वह व्यक्ति भी उनके स्वभाव के वे भी कायल हो जाते थे। प्रेस के कर्मचारियों को वे अपने परिवार की तरह ही मानते थे, चाहे दुख का समय हो या फिर खुशी के पल हो दोनों पलों में बखूबी शामिल होते थे और छोटे बड़े का भेदभाव कभी नहीं करते थे, उनकी यही सादगी सभी लोगों को पंसद आती थी। दीपक भैया जी का इस संसार से जाना, मानो एक सच्चे सज्जन व्यक्ति की क्षति का होना है,ऐसे विरले व्यक्ति इस जगत में कम ही आते है।

-रवि दुबे

कर्मठ, लगनशील और हंसमुख स्वभाव के धनी थे दीपक सर जी

कर्मठ, लगनशील और हंसमुख स्वभाव के धनी थे दीपक सर जी। हालांकि मुझे उनके सानिध्य में काम करने का उतना ज्यादा अवसर तो प्राप्त नहीं हुआ पर उनके साथ जितना भी समय गुजारा हर पल कुछ नया सीखने को मिला।

ढाई वर्ष पूर्व साल 2021 में कोरोनाकाल के समय पत्रिका अखबार से नौकरी छूटने के बाद मुझे दैनिक अखबार देशबन्धु जबलपुर में अपनी सेवाएं देने का अवसर प्राप्त हुआ। दीपक सर जी ने मुझे प्रांतीय संस्करण में काम करने के लिए कहा। उन्होंने प्रांतीय संस्करण को मजबूती प्रदान करने के लिए मुझसे अखबार के पेज में कई परिवर्तन कराए। खाद-बीज, बिजली-पानी सहित अन्य विषयों को लेकर खबरें भी करवाई। अच्छी खबर होने पर उन्होंने हौंसला अफजाई पीठ थप-थपाकर की।

वे खबरों की समझ में माहिर थे -प्रदेश स्तर से लेकर देश-विदेश की हर खबरों की जानकारी उन्हें रहती थी। खबरों की समझ में वे माहिर थे। पहले पेज में किन खबरों को लेना है। पेज को कैसे लगवाना है, इसके लिए वे बहुत मेहनत किया करते थे। कभी-कभी तो दीपक सर जी पेज मेकर के साथ बैठकर खुद पेज को लगवाते थे। मुझे याद है कि जब उनका स्वास्थ खराब चल रहा था, वे आराम करने की बजाय कार्यालय में देररात तक रहते और अखबार का पहला पेज लगवाते थे। कर्मचारियों के साथ बैठक चाय पीते और खबरों की बारीकियों के बारे में बताते थे। जबलपुर हॉस्पिटल में भर्ती रहने के दौरान मैं उनसे मिलने पहुंचा, तो वे उस वक्त दाल-रोटी खा रहे थे। मुझे देखकर चेहरे में मुस्कान के साथ बैठने के लिए कहा और थैंक्यू...कहा। आज वो हमारे साथ नहीं हैं। उनकी कमी तो बहुत खलती है, लेकिन अपने व्यक्तित्व और कृतित्व के चलते दीपक सर जी हमेशा याद किए जाते रहेंगे। - **सुदर्शन अहिरवार**

भक्तिभाव से मनाया गया, गुरू रामदास जी का प्रकाश पर्व

जबलपुर, देशबन्धु। गुरू रामदास जी की भक्ति व सेवाभाव देखकर तीसरी पातशाही गुरू अमरदास जी ने उन्हें चौथे गुरू की गद्दी पर विराजमान किया। गुरू रामदास जी ने अपने सम्पूर्ण जीवन में मानवता की सेवा तथा ऐसे महान कार्य किए। जिससे सिक्खों को मार्गदर्शन मिला। उन्होंने लंगर की प्रथा को आगे बढ़ाते हुए पवित्र सरोवरों के निर्माण करवाये। श्री हरिमंदिर साहिब स्वर्ण मंदिर की चारों दिशाओं में निर्मित द्वारों का अर्थ है कि यह स्थान हर धर्म-वर्ग, जाति के लिए खुला है। इस आशय के उद्गार प्रसिद्ध कथावाचक भाई महिन्दरपाल सिंघ दिल्ली वालों ने संगत के समक्ष व्यक्त किए। गुरूद्वारा अधारताल के तत्वाधान और समस्त साध-संगत के सहयोग से सिक्खों के चौथे गुरू रामदास जी का प्रकाश पर्व पूर्ण श्रद्धा-

भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया, जहां भारी संख्या में भक्तों ने माथा टेककर गुरू का आर्शीवाद प्राप्त किया।

इस सुअवसर पर भाई इंदर सिंघ, स्त्री सत्संग सभा, भाई मोहिन्दर सिंघ ने अपने जत्थों के साथ गुरूमत विचार व शवद कीर्तन पेश किये। गुरू के अटूट लंगर का आयोजन दिन भर जारी रहा। समापन अवसर पर ग्रंथी जी द्वारा सर्वत्र मानवता के कल्याण, आपसी प्रेम, विश्व शांति, भाईचारे की अरदास सम्पन्न कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस सुअवसर पर हरमिंदर सिंघ सैनी, गुरदीप सिंघ सोढ़ी, कुलजीत सिंघ दुग्गल, भुपिन्दर सिंघ भारज, रजिंदर सिंघ सैनी, मान सिंघ, रघुवीर सिंघ तथा तमाम सेवादार उपस्थित रहे। मंच संचालन एवं आभार स. रणजीत सिंघ भोमराह ने किया।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा पर होगी सौंदर्य फोटोग्राफी प्रतियोगिता

जबलपुर, देशबन्धु। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर को मां नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा निकाली जाएगी। इस दौरान सुबह से रात तक परिक्रमा की सौंदर्य फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के अलावा 10 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को 12 बाई 18 की 5-5 फोटो जमा करनी करनी होगीं। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11 000, द्वितीय पुरस्कार 5000, तृतीय पुरस्कार 3000 एवं 10 सांत्वना पुरस्कार 1000 दिए जाएंगे। साथ ही मोबाइल पर फोटो खींची गई 8 बाई 12 साइज की फोटो जमा करनी होगी। यह 396 वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा है। प्रतियोगिता का सातवां वर्ष है। उपस्थिति की अपील कार्यक्रम संयोजक शीर्ष अग्रवाल एडवोकेट, प्रणव अग्रवाल सी ए, शेरु अलंकार मुकुल यादव आदि ने की है।

बंग समाज 21 नवंबर को करेगा मां जगधात्री माता का पूजन

जबलपुर, देशबन्धु। माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी, माँ काली पूजा के बाद माँ जगधात्री अपनी दो सहलियों जया एवं विजया के साथ भ्रमण पर निकलती है, बंगाल के चंदन नगर में यह पूजा बंग पंचांग अनुसार अग्रहायन माह के नवमीं के दिन होती है।

उसी तर्ज पर संस्कारधानी में विगत 20 वर्षों से एक मात्र सार्वजनिक श्री माँ जगधात्री पूजा सिविल लाइन्स में आयोजित की जाती है। इस वर्ष पुराने आर.टी.ओ. मैदान में 21 नवम्बर मंगलवार को माँ जगधात्री पूजा की जाएगी। पूर्व सांसद जयश्री बैनर्जी के पचपेढ़ी स्थित निवास पर रविवार को एक बैठक की गई। जिसमें पूजा के लिए विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया है। जिसमें जगधात्री पूजा समिति के को-आर्डीनेटर सुजीत बैनर्जी के अनुसार आशीष बैनर्जी, लक्ष्मण दास, कुमारी गायत्री सिन्हा संरक्षकगण प्रोबीर सरकार, के.पी.के. पाण्डा, सुबीर सरकार, डॉ. सौरभ मुखर्जी अध्यक्ष, आबीर बैनर्जी सचिव एवं एम.एल. हाजरा कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। अन्य समितियों में संदीप चौधरी, त्रिदीप भट्टाचार्य, उत्तम सरकार, साधन दास, मिलन देब, शंकर चैटर्जी, अमित विश्वास, पलास चैटर्जी, एस. के. गोस्वामी, सुमित सरकार, एन. आर. मण्डल तथा महिलाओं में मुक्ता राय, सीमा मण्डल, अर्पणा सरकार, पुष्परानी दत्ता, गौरी बैनर्जी, मंजुलिका बैनर्जी आदि को विभिन्न कार्यभार सौंपा गया है।

हाफ मैराथन में दौड़ेंगे एशियाई खेलों के पदक विजेता

एमबी एरिया में 19 नवम्बर को होगा आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। सेना के जवानों के साथ आम नागरिकों को मैराथन में शामिल होने का मौका मिलेगा। एमबी एरिया के तत्वावधान में होने वाली सूर्या हाफ मैराथन में 19 नवम्बर को सेहत का संदेश देने धावक दौड़ लगाएंगे। यह जानकारी शनिवार को एमबी हेडक्वॉर्टर में आयोजित कार्यक्रम में जीओसी ले. जनरल एमके दास ने दी। उन्होंने बताया कि मैराथन की शुरुआत कोबरा ग्राउंड में होगी। आयोजन इंडियन आर्मी और स्थानीय समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने का एक मंच बनेगा।

तीन कैटेगरी में होगी दौड़-

मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित की जाएगी। फर्स्ट कैटेगरी में 21 किमी, 10 किमी और 05 किमी की दौड़ होगी। हर कैटेगरी को एज वाइज बांटा गया है। धावकों के लिए मैराथन की स्पेशल टी-शर्ट लॉन्च की गई। आयोजन के रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन हुए हैं।

वॉर हीरोज होंगे शामिल-

मैराथन में वॉर हीरोज, एशियाई खेलों के पदक विजेता हाफ मैराथन में शामिल होंगे। मुख्य अतिथि कारगिल वॉर के हीरो परमवीर चक्र प्राप्त कैप्टेन योगेंद्र सिंह यादव होंगे। मैराथन की शुरुआत लेफ्टिनेंट जनरल एनएसराजा सुब्रमणि, लखनऊ, आर्मी कमाण्डर, एमबी कमान द्वारा की जाएगी।

जीवन साथी चुनना भी सबसे बड़ी योग्यता : स्वामी राघवदेवाचार्य

जबलपुर, देशबन्धु। चौरसिया समाज जबलपुर द्वारा विराट चौरसिया युवक-युवती परिचय सम्मेलन का रविवार को उखरी रोड स्थित अग्रवाल बारातघर में आयोजन किया गया। परिचय सम्मेलन का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्ष एडवोकेट एमएल चौरसिया, अध्यक्ष प्रमोद चौरसिया, सचिव ऋषि चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज चौरसिया एवं अखिल भारतीय आदर्श महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव चौरसिया, सागर के संरक्षक इंजीनियर रमेश चौरसिया, महेश कुमार चौरसिया हटा के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ। परिचय सम्मेलन में पधारे जगत गुरू स्वामी राघवदेवाचार्य महाराज ने आसंदी से संबोधित करते हुए कहा हम सबके के प्रेमी है, किसी के विरोधी नहीं। भगवान ने जन्म दिया है, अच्छा करेंगे और स्वार्थी होने से बचेंगे। उन्होंने कहा परिचय सम्मेलन एक ऐसा मंच है जो दो परिवारों को आपस में मिलाता है। परिचय सम्मेलन अब हर समाज की आवश्यकता बनता जा रहे हैं। सभी समाजों ने यह परंपरा शुरू कर दी है। विवाह के लिए सुयोग्य जीवन साथी चुनना भी सबसे बड़ी योग्यता है। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए समिति को शुभकामनाएं दी। इसके बाद सम्मेलन में मंच से युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया।

युवक-युवतियों दिया मंच पर अपना परिचय-जीवन साथी तलाशने पं. बंगाल, कोलकाता, यूपी, महाराष्ट्र, बंगलुरु सहित अन्य प्रदेशों के साथ प्रदेश के कई जिलों से युवक-युवती अपने परिजनों के साथ पहुंचे। यहां पर मंच पर युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। इस मौके पर भगवान चौरसिया, अनुराग चौरसिया, सन्दीप चौरसिया, राहुल चौरसिया, आशीष चौरसिया, गोपाल नारायण रामकृष्ण चौरसिया, महिला अध्यक्ष देवेश्वरी तपन मोदी, राजू चौरसिया, कौशल किशोर चौरसिया, डॉ. आर.एम. चौरसिया, दिनेश चौरसिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आकाश चौरसिया, सुशील चौरसिया, मनोज चौरसिया, सोनू चौरसिया, अनिकेत चौरसिया आदि का विशेष सहयोग रहा।

डा. भूपेन्द्र उपाध्याय को उनकी पुस्तक के लिये किया गया सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय कादम्बरी साहित्यिक संस्था द्वारा डॉक्टर भूपेंद्र उपाध्याय को उनकी पुस्तक भूमिहीन कृषि श्रमिकों की विभिन्न स्थितियों विषय पर जो की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली, भारत सरकार एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा वित्त पोषित से पुस्तक प्रकाशित हुई है।

इस पुस्तक के लिए विविधता क्षेत्र में स्वर्गीय मिथिलेश कुमार माथुर की स्मृति में, शहीद स्मारक सभागार में कादम्बरी संस्था जबलपुर द्वारा सम्मान प्रदान किया गया है। डॉ भूपेंद्र उपाध्याय की इस पुस्तक के अलावा दो अन्य पुस्तक भी पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है। डॉक्टर उपाध्याय वर्तमान में विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत है।

राजीव सोनकर युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव नियुक्त

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ, राज्यसभा सांसद विवेक तंखा के निर्देश पर महापौर एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू के अनुमोदन एवं अनुशंसा पर युवा कांग्रेस मध्यप्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव एवं प्रदेश सह-प्रभारी नदीम प्रधान की सहमति से एनएसयूआई छात्र संगठन के पूर्व जुझारू छात्र नेता की सक्रियता को देखते हुए प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। राजीव सोनकर के प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर आलोक मिश्रा, लखन घनघोरिया, तरुण भनोट, विनय सक्सेना, नगर कांग्रेस कमेटी, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, इंटक कांग्रेस, बाल कांग्रेस सभी संगठनों में एक हर्ष है।

प्रयास संस्था में महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने दिया जा रहा प्रशिक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। महिलाओं को आत्म निर्भर और सशक्त बनाने के लिए प्रयास जन सशक्तिकरण संस्था द्वारा प्रतिदिन महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे मातृ शक्तियां अपने पैरों पर खड़ी हो सके और अपने परिवार की आर्थिक मदद कर सकें। जन प्रयास संस्था की अध्यक्षा रानू शर्मा ने बताया कि दिल्ली की आर्ट एंड क्राफ्ट कंपनी के सहयोग से संस्था द्वारा अभी तक लगभग 150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि शनिवार को महिला प्रकोष्ठ की डोली सेठी और राष्ट्रीय अध्यक्ष कोसार जहां के द्वारा महिलाओं को सिलाई और पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया है। इस मौके पर सचिव श्यामा सिन्हा ने कहा कि संस्था के पदाधिकारियों का उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं को प्रयास संस्था के माध्यम से प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाना है।

ब्लड डोनेशन शिविर में रक्तवीरों का हुआ सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। सद्गुरू के उत्तराधिकारी संत प्रवर विज्ञानदेव महाराज के जन्मोत्सव पर सिविल लाइन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान का शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदाताओं के द्वारा दान किया गया 16 युनिट रक्त को संग्रहित किया गया। इसके साथ सुबह आसन प्राणायाम एवं सत्संग का भी आयोजन किया गया। जिसमें सतीश चंद्र श्रीवास्तव का विशेष कार्यक्रम रहा। आगंतुकों को भोजन प्रसाद के साथ उपहार भी प्रदान किया गया। रक्त वीरों के सम्मान में विहंगम योग के मुख्य आश्रम, शून्य शिखर, हिमालय से लाई गई माटी एवं जल से रक्त वीरों को तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। साथ ही सद्गुरुदेव का प्रसाद भी दिया गया, कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य रूप से जयराम सिंह संभागीय प्रभारी, संजय सिंह, आरपी पांडे, सतीश चंद्र श्रीवास्तव, मदन प्रसाद, अजय प्रसाद, अनिल दुबे, अशोक जायसवाल, गौरव दुबे, पीयूष कुमार, सतीश प्रजापति, आस्था सिंह, अनुपमा सिंह, राजेश्वर रेड्डी, नवीन, राधेश्याम शर्मा, देवेंद्र, पूजाश्री, ज्योति आदि का विशेष योगदान रहा।

लिपिकीय कार्य अन्य केडरों के हवाले, कर्मचारी बाबूगिरी के कार्य में मस्त

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मॉर्टिन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अफसरों की उदासीनता के चलते चाहे शिक्षा विभाग हो, तकनीकी शिक्षा विभाग या अन्य कोई विभाग लिपिकीय कार्य अन्य कैडर के लोग बड़े शौक से कर रहे हैं। अधिकारियों की मिली भगत होने के कारण एक ओर शासन को धोखे में रख कर लिपिकीय पदों को भरा नहीं जा रहा है। कुछ विभागों में गैर लिपीकीय लोगों को फायदा दिलाने के उद्देश्य से नियमों को भी परिवर्तित कर लिपीकीय पदोन्नत पद, सहायक संचालक पर भी अन्य केडर से भरे जाने का प्रावधान कर दिया गया है। जिससे सीधे लिपिकीय अधिकारों का हनन, शोषण हो रहा है। प्रत्येक शिक्षक, प्रशिक्षक, अनुदेशकों पर शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाते हैं। यदि प्रशिक्षण के बाद लिपीकीय कार्य करें, तो शासन द्वारा प्रदत्त सारे प्रशिक्षण, उसकी सारी डिग्री डिप्लोमा शून्य हो जाते हैं, जो की अत्यन्त खेद का विषय है। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा से आग्रह है, कि तत्काल ऐसे कर्मचारियों को मूल पद में कार्य कराये जाने, स्कूल, संस्था में पद सहित वापसी के आदेश जारी करें।

जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, राजकुमार यादव, राकेश श्रीवास, दिनेश गौड़, आर.पी. खनाल, संतोष चौरसिया, एस बी रजक, धर्मेंद्र परिहार, विश्वनाथ सिंह, आकाश भील, राशिद अली, त्रिलोक सिंह, समर सिंह, सुधीर गौर, योगेश ठाकरे, वीरेंद्र श्रीवास, निलेश खरे, अशोक परस्ते, महेंद्र प्रधान, अजय डोंगरे, विवेक जैन, राजू डहेरिया, अलेक्जेंडर जोसफ, संदीप दुबे, अनिकेत पटेल, संस्कार सेन धनराज पिल्ले, गुडविन चार्ल्स, गोपी शाह, उमेश ठाकुर, आशीष कोरी, सतीश दुबे, आसाराम झारिया, भास्कर गुप्ता, संदीप परिहार, अजब सिंह, रामकुमार कतिया आदि ने मांग की है।

पति-पत्नी में से किसी एक की ही चुनाव ड्यूटी लगाई जाएः संघ

जबलपुर, देशबन्धु। म0प्र0 तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने जारी विज्ञप्ति में बताया मध्यप्रदेश विधान सभा चुनाव में चुनावी अमले के प्रथम एवं द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में संघ द्वारा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जबलपुर से मांग की गई थी, कि ऐसे पति-पत्नी दोनों ही लोक सेवक हो उनमें से किसी एक की ही चुनावी डयूटी लगाई जानी चाहिए। जिससे वह अपने राष्ट्रीय दायित्वों के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन कर सके। पिछले विधान सभा एवं लोक सभा चुनाव में संघ की मांग स्वीकार करते हुए पति-पत्नी में से किसी एक की डयूटी लगाई जाती रही है। किन्तु आगामी विधान सभा चुनावी दल गठन उपरांत भी पति-पत्नी जो दोनों लोक सेवक हैं, दोनों की चुनावी डयूटी लगा दी गई है। जिस कारण इनके परिवार के बच्चों और वृद्ध माता-पिता की देखभाल करने में भारी कठिनाईनों का सामना करना पड़ेगा। इससे जिले के कर्मचारियों-अधिकारियों में भारी रोष व्याप्त है । संघ के योगेन्द्र दुबे ने मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जबलपुर को ई-मेल के माध्यम से पत्र प्रेषित कर मांग की गई है, कि उक्त कारणों के दृष्टिगत पति-पत्नी में से किसी एक की ही चुनाव डयूटी लगाई जावें ।

दैनिक राशिफल

सोमवार 06 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक कृष्णपक्ष की नवमी। नक्षत्र-अश्लेषा।

मेष
धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्ति में आपका समय व्यतीत होगा। अनिर्णायकता के कारण योग्य निर्णय नहीं ले सकेंगे।

वृषभ
आपके व्यापार में वृद्धि होगी, साथ ही व्यापार के सम्बंध में सौदे लाभदायक सिद्ध होंगे। आपकी आय का स्रोत बढ़ेगा।

मिथुन
आपकी शारीरिक और मानसिक खुशी बनी रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने परिश्रम का अच्छा फल प्राप्त कर सकेंगे।

कर्क
जो लोग विदेश जाने के इच्छुक हैं, वे सफलता पा सकेंगे। विदेश से अच्छे समाचार प्राप्त कर सकेंगे। आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

सिंह
आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। स्वास्थ्य की सुरक्षा के पीछे खर्च होने की संभावना है। गलत मार्ग की तरफ प्रेरित न हों ।

कन्या
आज आप परिवार में आनंद के पल गुजार सकेंगे। भाग्य आपके साथ है। आप समाज और लोगों में आदर पा सकेंगे। खरीदारी कर सकते हैं।

क.

तुला
स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीमार व्यक्ति के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। पारिवारिक सुख- शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक
आज यात्रा करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। स्वास्थ्य भी चिंता का कारण बनेगा। संतान की चिंता रहेगी। अपमानित होने का योग है।

धनु
आज आप गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के रंग में रहेंगे। इस विषय में गहरे उतरने का प्रयास करेंगे। नए काम शुरू करने का प्रयास करेंगे।

मकर
आज आप अपने विरोधियों से विजय प्राप्त कर सकेंगे। नए काम की शुरुआत होगी। उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। व्यापार में लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

कुंभ
आपको मानसिक समस्याएं और उलझन रहेगी। निर्णय लेने में तकलीफ होगी। वाणी पर संयम नहीं रख पाएं। धार्मिक कामों पर खर्च होगा।

मीन
आज आपको शारीरिक-मानसिक ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव होगा। उत्साह बढ़ेगा। नए काम की शुरुआत करेंगे।

मा.

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

महावीर- चांदमारी लालमाटी निवासी छत्रधारी के पुत्र महावीर (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

बेला बाई- गोरखपुर कुम्हार मोहल्ला गोरखपुर निवासी मुन्नी लाल की धर्मपत्नी बेला बाई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

राजेंद्र दीक्षित- सदर काली मंदिर के पास निवासी राजेंद्र दीक्षित (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

शंभू प्रसाद रजक- ढलगर मोहल्ला हनुमानताल निवासी शंभू प्रसाद रजक (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

देवानंद राजपूत- डिलाइट कम्पाउंड सिविल लाइन निवासी देवानंद राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

संतोष- बेलबाग निवासी संतोष (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

शंभूनाथ गुप्ता- पावर ग्रिड कॉलोनी सूखा पाटन रोड निवासी शंभूनाथ गुप्ता (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

लक्ष्मी प्रसाद नामदेव- बंबा देवी शीतलामाई निवासी लक्ष्मी प्रसाद नामदेव (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

तिलका बाई- मुंडा क्वाटर्स पोलीपाथर निवासी लालू प्रसाद की धर्मपत्नी तिलका बाई (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

वंदना गुप्ता- उत्तरी सिविल लाइन निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी वंदना गुप्ता (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

चलती गाड़ी से गंदी सामग्री रेलवे ट्रैक पर फेंक कर जा रहे लोगों को ट्रेन में ढूंढ कर रेलवे ने पेनल्टी वसूली

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री गाड़ी से गंदा सामान रेलवे ट्रैक पर फेंकने की एक घटना को रेल प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए गाड़ी में बैठे यात्रियों को ढूंढ कर यात्रियों पर दो-दो सौ रुपए की स्वच्छता पेनल्टी अधिरूपित किया। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर मंडल के लगभग एक दर्जन अधिकारियों ने आज स्टेशन पर स्वच्छता खान-पान तथा यात्री सुविधाओं की व्यवस्था को देखने के लिए निरीक्षण किया इस दौरान पाया गया कि प्लेटफार्म क्रमांक एक के रेल ट्रैक पर भारी मात्रा में खराब खाना,पानी के पाउच पैकेट, बोतले प्लेटे आदि फेंकी गई है ।

अधिकारियों की टीम ने तुरंत इस गंदगी की जांच प्रारंभ की जिसमें पाया गया की हाल ही में जबलपुर स्टेशन से गुजरी यात्री गाड़ी नंबर 01752 बरौनी- यशवंतपुर एक्सप्रेस के एक शयनयान कोच में बनारस से यशवंतपुर की ओर जा रही 40-50 यात्रियों के एक दल द्वारा कोच में खाना खाने के बाद भारी मात्रा मे बची हुई खाद्य सामग्री तथा प्लास्टिक की बोतले, पाउच के पैकेट और खाने की झूठी प्लेट को रेलवे ट्रैक पर फेंके दिया गया था। इस प्रकरण मे रेल प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त यात्री गाड़ी मे नरसिंहपुर से पिपरिया के बीच चेकिंग अभियान चलाया और गंदगी फेंकने वाले यात्रियों को ढूंढ कर उनसे दो-दो सौ रुपए का दंड वसूल किया। पकड़े गए यात्रियों ने बताया कि वे लंबे सफर पर जाने के लिए अधिक मात्रा में खाद्य सामग्री लेकर चले थे जो की सफर के दौरान खराब हो गई अत: उन्होंने प्लेटफार्म के डस्टबिन में उक्त सामग्री को ना डालकर चलती गाड़ी से रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया था उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए रेलवे को जांच में सहयोग देते हुए तुरंत पेनल्टी का भुगतान भी किया। जबलपुर स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार, प्रदीप कुमार सहित सीनियर डीसीएम राजेश शर्मा, विश्व रंजन एवं नितेश कुमार सोने, अखिलेश नायक सहित बड़ी संख्या में रेलवे के अधिकारी मौजूद थे।

सैकड़ों फोकटिया यात्रियों से मजिस्ट्रेट चैंकिंग के दौरान 2.7 लाख जुर्माना वसूला

जबलपुर,देशबन्धु। पमरे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ओम प्रकाश सीसीएम रवीन्द्रश्रीवास्तव ने गत दिवस मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश शर्मा को निर्देश जारी किया कि विकास की आय बढ़ाने का प्रयास करें।

इसी कड़ी में रेलवे मजिस्ट्रेट समीर मिश्रा के निर्देशन में 4 नवम्बर को सतना स्टेशन में बगैर टिकट यात्रियों को और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ विशेष टिकट चैंकिंग अभियान चलाया गया 358 यात्री वगैर टिकट और जनरल टिकट लेकर द्वितीय श्रेणी व एसी कोच में यात्रा करते पकड़े जाने पर 2 लाख 7 हजार 950 रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया । अचानक माननीय मजिस्ट्रेट चैंकिंग से स्टेशन में भीड़ कम देखी गई। अवैध वेंडर भी नदारत रहे। रेलवे सुरक्षा बल सतना में मजिस्ट्रेट न्यायालय लगाकर 374 पुराने प्रकरणों का निपटारा करके 2 लाख 97 हजार 3 सौ रुपये का जुर्माना कोर्ट में जमा करवाया गया ।

374 प्रकरणों का निपटारा -सतना रेलवे स्टेशन होकर अप डाउन करने वाली कई विभिन्न ट्रेनों में अलग अलग टीमों द्वारा चैकिंग की गई । इस दौरान सीनियर लोक अभियोजक भास्कर त्रिपाठी मुख्य टिकट निरीक्षक मजिस्ट्रेट स्क्वॉड एसएमएच आबादी आरपीएफ पोस्ट प्रभारी बन्धनलाल के साथ सतना के सीटीआई टीटीई, 11 जीआरपी 8 आरपीएफ की सराहनीय भूमिका रही।

सराफा एसोसिएशन ने मांगे पूरी होने पर चुनाव व मतदान बष्हिकार का विरोध लिया वापस

जबलपुर, देशबन्धु। प्रशासन व जीएसटी की कठोर कार्यवाही को लेकर सराफा एसोसिएशन जबलपुर ने चुनाव एवं मतदान के बष्हिकार का निर्णय लेकर विरोध किया जा रहा था। विरोध का समर्थन महाकौशल, जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स, कैट और शहर के प्रमुख बाजार के 16 व्यापारिक संगठनों ने किया था। यह विरोध रविवार को सराफा एसोसिएशन जबलपुर की 3 प्रमुख मांगें पूरी होने पर वापस ले लिया गया है।

यह जानकारी देते हुए सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ ने बताया कि अब हम पूर्व की तरह लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। चुनाव व मतदान के बष्हिकार का निर्णय व्यापारिक संगठनों ने लिया था, लेकिन प्रदेश के उच्च अधिकारियों ने जबलपुर के अधिकारियों से चर्चा के उपरांत व्यापारियों की आमसभा में अपने अधिकारियों को भेजा और हमारी तीनों मांग मान ली है।

व्यापारियों ने कहा पहले मतदान, फिर दुकान

व्यापारियों ने कहा कि अब चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे एवं अपने ग्राहकों को भी मतदान करने की लिए जागरुकता अभियान चलाएंगे और सरकार का पूरा सहयोग देंगे। रविवार को हुई बैठक में अधिकारियों की ओर से कोतवाली संभाग के सीएसपी रितेश कुमार शिव, टीआई राजेश सिंह बंजारे, महाकौशल चेंबर के शंकर नागदेव, युवराज गढ़वाल, अखिल मिश्रा जबलपुर चैंबर से अजय बख्तावर, एडवोकेट अभिषेक स्वामी, कैट से जितेंद्र पचौरी, दीपक सेठी, जेम्स एंड ज्वेलर्स से अशीष कोठारी, अरुण अग्रवाल, संदीप भूरा, सराफा एसोसिएशन से राजेश सराफ, विजय सुहाने, सुशील सोनी, अमित अग्रवाल, महेंद्र ओसवाल, केके सुहाने, संतोष देवांश, एडवोकेट सुनील सोनी, ओम सोनी, दीपक सोनी, दीपू बालकृष्ण सराफ, विवेक सुहाने, सतीश केसरवानी, विवेक सराफ, सुरेंद्र सोनी, अकलंक जैन, हर्षित अग्रवाल, नवीन सराफ आदि सराफा व्यापारी उपस्थित रहे।

जनता को सर्वोपरि मानकर भाजपा करती है काम : अभिलाष पांडे

जबलपुर,देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी केंद्र एवं देश के रा'यों में सरकार बना कर जनता की सेवा कर रही है क्योंकि जनता को सर्वोपरि मानकर भाजपा काम करती है हमारे लिए देश सर्वोपरि है यह बात भाजपा उत्तर विधानसभा के प्रत्याशी अभिलाष पांडे ने राजीव गांधी वार्ड एवं चेरीताल वार्ड में सघन जनसंपर्क के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वही करती है। वहीं कांग्रेस जो कहती है वह कभी नहीं करती।

यही मूल अंतर भाजपा और कांग्रेस में है जिसे जनता अब भली भांति समझ चुकी है।जनसंपर्क के दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष, अखिलेश जैन, धीरज पटेरिया, श्रीराम शुक्ला, अतुल जैन दानी, शिवम तिवारी, उपेंद्र शर्मा, मधुबाला राजपूत, राहुल जैन, योगेश बिलोहा, प्रतिभा भापकर, विंध्येश भापकर, नितिन मिश्रा, नरेंद्र साहू, नरेंद्र खरे, राजेश तिवारी पुष्पराज पांडे, शैलेश पटेल, पवन गुप्ता, रवि मोहन संतोषी, डब्बू पटेल, आशीष चौधरी, राहुल बेन आदि उपस्थित थे।

बेरोजगारों को कुटीर उधोगों से जोड़ने प्रयास करुगांः लखन

जनसंपर्क

जबलपुर, देशबन्धु। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया द्वारा लगातार सघन जनसंपर्क किया जा रहा है। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत वंदन भी हो रहा है। रविवार को राधाकृष्णन वार्ड में शारदा मंदिर से प्रारंभ होकर चोपड़ा कुंआ, त्रिपुरी सुंदरी मंदिर, भोला नगर, भवानी चौक, मरही माता मंदिर, सिंधी कैम्प, चरपटा माता मंदिर, शारदा नगर, काली माता मंदिर, क्षेत्र में घर-घर जनसंपर्क हुआ। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया ने जनता से कहा कि राधा कृष्णन वार्ड में बेरोजगार नौजवानों की संख्या अधिक है जिसे देखते हुए मेरा प्रयास रहेगा कि मैं अधिक-से-अधिक युवकों को कुटीर उद्योगों से जुड़वा सकूं। जनसंपर्क में संजय अहिरवार, जितिन राज, विजय रजक, अजय चक्रवर्ती, तरूण रोहिताश, हीरा लाल चक्रवर्ती, अजय बैन, कौशल बैन, विकास, संजू, प्रदीप शुक्ला, कौशल चक्रवर्ती, प्रदीप अहिरवार, राजू, अरविंद सिंह ठाकुर, बलराम बैन, आशीष अहिरवार, सिंकदर चौहटेल, ब्रिजेश समुद्रे और सैकड़ों की तदात में कांग्रेस कार्यकर्ता व क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत, विकसित भारत का दिया संदेश

वाद विवाद प्रतियोगिता

जबलपुर,देशबन्धु। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भ्रष्टाचार को जड़ समाप्त करने के लिए हर वर्ग को सतर्कता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के द्वारा किया गया। जिसके तहत वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन सतर्कता जागरुकता अभियान के तहत जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज में किया गया। इस दौरान आम नागरिकों को अवगत कराया गया कि किसी तरह से भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक रहना है और किस तरह से भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाना है, इस संबंध का संदेश वाद विवाद के माध्यम से दिया गया। आयोजन के दौरान भ्रष्टाचार मुक्त भारत विकसित भारत के आयोजन के दौरान नागरिकों को स्वच्छ भारत बनाने का भी संदेश दिया गया। इस मौके पर पावरग्रिड के महाप्रबंधक आर के गुप्ता, कुमार राहुल, रमाशंकर गिरी, कार्यक्रम समन्वयक सुरेन्द्र प्रताप उपस्थित थे।

मतदान सामग्री वितरण और वापसी के लिए नियुक्तक कर्मचारियों-अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जबलपुर,देशबन्धु। विधानसभा का चुनाव कराने गठित मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण और मतदान के बाद सामग्री वापस प्राप्त करने नियुक्त कर्मचारियों-अधिकारियों को रविवार को राईट टाउन स्थित मानस भवन में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों को सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए नियुक्ति लगभग 800 कर्मचारी-अधिकारी तथा सभी सेक्टर अधिकारी मौजूद थे।

प्रशिक्षण में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने मतदान दलों को सामग्री वितरण और मतदान के बाद सामग्री वापस प्राप्ती करने नियुक्ति कर्मचारियों-अधिकारियों को पावर प्वामइंट प्रजंटेशन के माध्य म से उनके दायित्वोंम की विस्तासर से जानकारी दी। उन्होनें सभी अधिकारियों कर्मचारियों को सजगता से अपनी जिम्मे दारियों का निर्वाहन करने के निर्देश भी दिये।

पूर्व क्षेत्र में अनुमति की शर्त का उल्लंघन करने पर प्रत्याशियों के खिलाफ मामला दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर बिना अनुमति रैली निकालने तथा आमसभा के लिये दी गई अनुमति की शर्तों का उल्लंघन करने पर विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व से चुनाव लड़ रहे दो प्रत्याशियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अनुविभागीय अधिकारी आधारताल अनुराग सिंह के मुताबिक जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के प्रत्याशी गजेन्द्र सोनकर द्वारा 3 नवम्बर को शाम 5.30 बजे भानतलैया से मंडी मदार टैकरी तरफ 40 से 50 साथियों के साथ पैदल रैली निकाली जा रही थी। रैली में ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 आर.ए. 1223 भी था जिसमें गजेन्द्र सोनकर के बैनर-पोस्टर लगे थे। उन्होंने बताया कि मौके पर एफएसटी दल क्रमांक पांच के प्रमुख सहायक प्राध्यापक पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय अनिल शिंदे द्वारा रैली की अनुमति के बारे में पूछे जाने पर प्रत्याशी गजेन्द्र सोनकर द्वारा कोई अनुमति नहीं होना बताया गया। ई-रिक्शा की विंड स्क्रीन पर भी कोई अनुमति नहीं लगी थी। अनुविभागीय अधिकारी आधारताल ने बताया कि बिना अनुमति रैली निकालकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के इस मामले में एफएसटी दल प्रमुख अनिल शिंदे द्वारा हनुमानताल थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। बिना अनुमति निकाली जा रही रैली की वीडियोग्राफी भी एफएसटी दल द्वारा कराई गई है। हनुमानताल थाना द्वारा इस मामले में भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 171-एच एवं धारा 188 के तहत प्रकरण कायम कर लिया गया है।

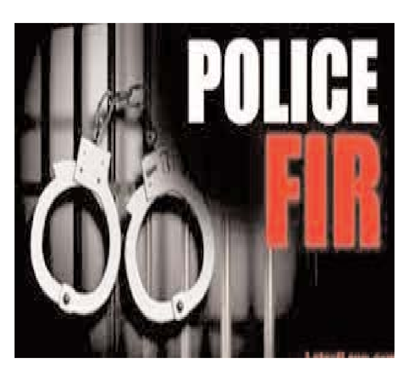

एसडीएम आधारताल के मुताबिक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के दूसरे मामले में जबलपुर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अंचल सोनकर के विरूद्ध एफएसटी दल क्रमांक आठ के प्रमुख सहायक प्राध्यापक पशु चिकित्सा डॉ. मनीष जाटव द्वारा रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से मिली आमसभा की अनुमति की शर्तों के उल्लंघन के मामले में बेलबाग थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि एफ एस टी दल को 3 नवंबर की शाम लगभग 6.30 बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रत्याशी अंचल सोनकर के संबंध में अंबेडकर चौक से घमापुर चौक के बीच का आधे एक तरफ के मुख्य मार्ग को टेंट लगाकर बाधित किया जा रहा है। एफएसटी दल द्वारा मौके पर पहुंचकर वीडियो ग्राफी कराई गई। आयोजन के संबंध में मौके पर रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय जबलपुर पूर्व द्वारा जारी अनुमति देखने पर पाया गया कि इसमें कार्यक्रम स्थल पाण्डेय अस्पताल के सामने मेन रोड घमापुर का उल्लेख है जबकि अनुमति में दी गई शर्तो का उल्लंघन कर सम्पूर्ण सड़क (एक तरफ) में मंच बना लिया गया जिससे बाधा उत्पन्न हुई। बेलबाग थाने ने इस मामले में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत प्रकरण पंजीवद्ध किया है।

विवेचना का 29 वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह चौथा दिन

जबलपुर,देशबन्धु। विवेचना के 29 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह के चौथे दिन सम्पूर्णम् मुम्बई द्वारा द्वारा नाटक 'कर्ण' का मंचन किया। कर्ण महाभारत का एक दुर्भाग्यशाली चरित्र है और सर्वाधिक चर्चित भी। कर्ण के प्रति एक सहानुभूति भारतीय समाज में है। इसलिए कर्ण पर हर विधा में कार्य किया गया है। कर्ण पर उपन'यास, काव्य, कहानियां क्या नहीं लिखा गया। कर्ण पर नाटक के प्रति उत्सुकता से दर्शक में उत्सुकता थी और बड़ी संख्या में दर्शक कर्ण देखने आए। सम्पूर्णम की तीन लड़कियों ने अपनी अद्भुत उर्जा और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को चमत्कृत कर दिया। सम्पूर्णम युवाओं की संस्था है जिसमें देश भर से पंहुचे युवा नाट्य विधा में नए प्रयोगों के लिए जुड़े हैं। कुलविंदर बक्शीश इसके सूत्रधार हैं जो फिल्म, टीवी और कलाकारों के प्रशिक्षण के व्यस्त कलाकार हैं। वे नए और गंभीर प्रयोगों में रूचि रखते हैं।

नाटक में विभिन्न लोकनृत्य शैलियों जैसे थांग ता, कलारीपयट्ठ, पुंग चोलोम, छाऊ और हेटेटुली और मार्शल आर्ट का प्रयोग किया गया है। नाटक में कम से कम सैट, पात्र और प्रापर्टी का प्रयोग किया गया है। नाटक में संगीत और लाइट का प्रयोग जादू करता है।

तीन महिला कलाकारों महक जैन, दीक्षा अस्थाना, और इशिता देशमुख ने मंच पर चमत्कार किया। निर्देशक कुलविंदर बक्शीश ने एक बार फिर जबलपुर के दर्शकों को एक नए मंचीय प्रयोग से परिचित कराया। संचालन तुमुल बाल्यान और सलोनी चंदा का था।

नाटक के अंत में विवेचना की ओर से हिमांशु राय, अनिल श्रीवास्तव, बांकेबिहारी व्यौहार मनु तिवारी द्वारा कलाकारों का स्वागत किया गया और सम्पूर्णम मुम्बई को निशा दुबे द्वारा बनाया गया स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

युवा मतदाताओं को दिलाई मतदान की शपथ

रेडक्रॉस सोसायटी ने आयोजित किया शासकीय विद्यालय आधारताल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर,देशबन्धु। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा स्वयंसेवी संस्था जन समस्या निवारण संस्थान के सहयोग से आज रविवार को शासकीय विद्यालय अधारताल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में तीन सौ से अधिक युवा शामिल हुये। इनमें अधिकांश फर्स्ट टाईम वोटर हैं ।

सभी को जिला रेडक्रॉस समिति के सचिव आशीष दीक्षित एवं सहायक समन्वयक स्वीप योगेश शर्मा ने मतदान का महत्व बताते हुए 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान हेतु प्रेरित किया एवं अपने अभिभावकों को और परिजनों को मतदान हेतु अनिवार्य रूप से भेजने समझाइश दी।

इस अवसर पर मतदान के लिये श्रमदान की थीम पर विद्यालय परिसर की साफ सफाई भी की गई । कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित युवाओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली जो मतदाता जागरूकता के नारे लगाते हुए बिरसा मुंडा चौराहा से धनी की कुटिया आनंद नगर में समाप्त हुई । रैली में आम जनों को मतदान हमारा अधिकार, इस अधिकार का उपयोग कीजिए से अवगत कराते हुए शत प्रतिशत मतदान करने का आग्रह किया गया ।

चुनाव में चौकस सुरक्षा व्यसवस्था के लिए एसपी ने दिये दिशा निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। पुलिस कंट्रोलरूम जबलपुर में *पुलिस अधीक्षक जबलपुर आदित्य प्रताप सिंह के द्वारा अपराध समीक्षा बैठक अति. पुलिस अधीक्षक शहर श्रीमति प्रियंका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध समर वर्मा , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर दक्षिण) कमल मौर्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (उत्तर/यातायात) प्रदीप कुमार शेण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति सोनाली दुबे, की उपस्थिति में ली गई। बैठक में जिले में पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी शहर एवं देहात तथा चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक जबलपुर द्वारा बैठक मे विधान सभा चुनाव 2023 को दृष्टीगत रखते हुये की गयी तैयारियो की विस्तार से समीक्षा की, एवं निर्देशित किया गया कि सामुदायिक सौहार्द्र एंव कानून व्यवस्था बनाये रखने में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिये, छोटी से छोटी घटना की सूचना पर, घटना का बारीकी से विषलेषण करते हुये विधिसंगत निष्पक्ष कार्यवाही की जाये । चुनाव आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का कडाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।

बैठक में उपलब्ध संसाधन एवं बल के सम्बंध में चर्चा करते हुये सभी राजपत्रित अधिकारियो को आवश्यकतानुसार पैट्रोलिंग पार्टी हेतु वाहन अधिगृहित करने होंगे, आपको कितने वाहनों की आवश्यकता होगी उसके अनुसार वाहन चिन्हित कर लें, ताकि समय पर वाहन अधिगृहित किये जा सकें।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

सिविल अस्पताल परिसर और शौचालय में फैली गंदगी

मरीज आते ही रेफर की पर्ची तैयार करने में सिविल अस्पताल अव्वल

पाटन, देशबन्धु। प्रदेश में अव्वल रहने वाली सिविल अस्पताल परिसर एवं शौचालय में इन दिनों फैली गंदगी का बोलबाला है, वहीं रात्रि के समय ज़िम्मेदार डॉक्टर अस्पताल से नदारद रहते हैं। इमरजेंसी के समय सिविल अस्पताल में कंपाउंडर और सुरक्षागार्ड ही मरीजों का इलाज करते देखे गए हैं।

नगर के राम खिलावन पटेल ने बताया कि पत्नी को अस्पताल में इलाज कराने के लिए लाया था, यहां के डाक्टरों ने सोनोग्राफी की जांच बाहर से कराने के लिए कह दिया है, जब पत्नी निस्तार के लिए अस्पताल के शौचालय में गई तो वहां फैली गन्दगी और बदबू से उसकी पत्नी को उल्टी होने लगी। जबकि साफ-सफाई व्यवस्था के लिए कर्मचारी तैनात रहते हैं, वो भी कागजों पर धरातल पर कुछ भी ऐसा देखने को नहीं मिलता है जिसकी वजह से सिविल अस्पताल परिसर एवं शौचालय में फैली गन्दगी से मरीज एवं उनके परिजन बेहद परेशान है।

अस्पताल में अव्यवस्थाओं का बोलबाला-कहने को तो विकास की कड़ी में एक कदम आगे बढ़ते हुए पाटन नगर को सिविल अस्पताल की सौगात तो मिल गई लेकिन इन वर्षों में आज तक जिम्मेदार बीएमओ नसीब नहीं हुआ जो ईमानदारी से एक डॉक्टर का फर्ज निभाता हो जबकि पाटन सिविल अस्पताल के बीएमओ अतरिक्त कटंगी और बोरिया सरकारी अस्पताल की ज़िम्मेदारी बखूभी निभा रहे है। यही वजह है की

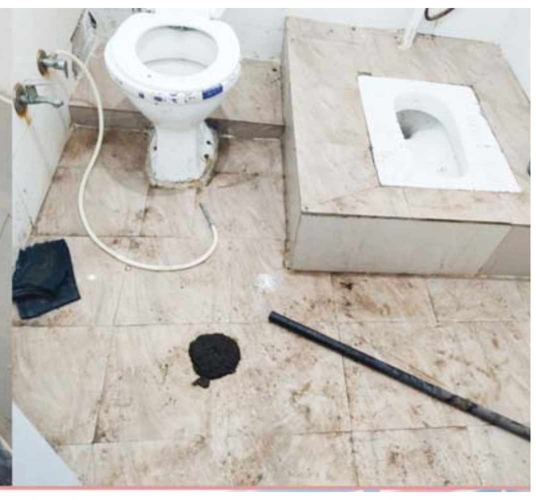

बीमारियों से ग्रस्त मरीज पाटन सिविल अस्पताल में इलाज कराने से परहेज करते है।

जिला पंचायत सदस्य का आरोप है कि वार्ड नं 10 से जिला पंचायत सदस्य ठा.मनोहर सिंह ने सिविल अस्पताल के बीएमओ डॉक्टर आदर्श विश्नोई पर गम्भीर आरोप लगाएं है। उन्होंने बताया कि वे मौजूदा विधायक के भतीजे है। जिसकी वजह से इन्हें राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है। अभी चुनावी माहौल है और इनके चाचा भाजपा प्रत्याशी है। इनके द्वारा पाटन कटंगी और बोरिया सरकारी अस्पताल के अंतर्गत आने वाली आशा कार्यकर्ताओं पर जबरन दबाव बनाकर भाजपा के पक्ष में सरकारी मशीनरी का उपयोग करके प्रचार प्रसार कराकर साड़ी, बिछिया, पायल, पैसे बटवाकर चुनाव को प्रभावित किया जा रहा है। चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों के द्वारा जल्द ही चुनाव आयोग को इनकी शिकायत की जा रही हैं।

ट्रॉला से टकराई कार, दो की मौत, दो घायल

बंडोल थाना क्षेत्र के भोंगाखेड़ा गांव के पास फोरलेन पर हादसा

सिवनी, देशबन्धु। बंडोल थाना क्षेत्र के भोंगाखेड़ा गांव के पास फोरलेन पर रविवार सुबह करीब 11 बजे एक बोलेरो वाहन सामने चल रहे ट्राला से टकरा गया। इस हादसे में बोलेरो वाहन में सवार एक 10 साल के बच्चे समेत एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं वाहन में सवार दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है।

बंडोल थाना प्रभारी आरके दुबे ने बताया है कि भैरोगंज सिवनी निवासी महेश बरमैया तीन बच्चों के साथ छापारा के सिमरिया गांव से बोलेरो वाहन में सवार होकर सिवनी की ओर आ रहे थे। इसी दौरान भोंगाखेड़ा के पास पहुंचते ही सामने से चल रहे ट्राला के चालक ने अचानक ट्राला को मोड़ दिया। इससे बालेरो वाहन पीछे से ट्राला से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं इस वाहन में सवार भैरोगंज निवासी महेश बरमैया (35) और दीपक बरमैया (10) की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर राहगीरों व ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ में से कुछ लोगों ने हादसे की जानकारी बंडोल पुलिस और 108 वाहन में दी। सूचना पर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। हादसे पर बंडोल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। वहीं मुतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया गया है।

सार-समाचार

अवैध शराब तस्कर को पाटन पुलिस ने दबोचा, हरदुआ बगदरी का मामला

पाटन, देशबन्धु। जिले के पाटन थानांतर्गत ग्राम हरदुआ बगदरी से 18 पाव अवैध देशी प्लेन मदरा सहित आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने का मामला सामने आया है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति हरुदुआ बगदारी रोड़ किनारे अवैध देशी प्लेन शराब बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर तत्काल प्रधान आरक्षक दीपचंद को मुखबिर के बताए स्थान पर भेजा गया जहां पुलिस को अपनी ओर आता देख आरोपी भागने लगा जिसे घेराबंदी करके पकड़ा गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम मथुरा प्रसाद बर्मन पिता परम लाल बर्मन बताया ।थैले की तलाशी लेने पर 18 पाव देशी प्लेन मदिरा रखे मिला। अवैध देशी शराब जप्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

सिविल लाइन क्षेत्र में महिला से मारपीट, आरोपी फरार

पाटन देशबन्धु। नगर के सिविल लाईन क्षेत्र से मारपीट का सनसनी खेज़ मामला सामने आया है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 05/11/2023 को शाम 5 बजे हसीना बी मुसलमान ने रिपोर्ट दर्ज कराई की वह अपने घर के पास खड़ी थी तभी मौहल्ले का समीर मुसलमान बिना किसी वजह के उसे गंदी गंदी गालियां देने लगा उसने गली देने से मना किया तो समीर ने उसे डंडे से जानलेवा हमला कर दिया जिसकी वजह से उसे हाथ एवं कंधे पर चोटे आई, वही आरोपी मारपीट करने के बाद जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करके आरोपी की सरगर्मी से तलाश की जा रही हैं।

कहा निर्माधीन है अम्बेडकर भवन व मूर्ति : तान सिंह बसपा प्रत्याशी

पाटन, देशबन्धु। जैसे-जैसे मतदान की घड़ी नजदीक आ रही है वैसे ही प्रताशियों के बीच में जुवानी जंग तेज होती जा रही है। भाजपा प्रत्याशी द्वारा विधानसभा क्षेत्र के 75 गांवों में संत रविदास के चबूतरे और मूर्ति की स्थापना की गई है, वही पाटन में अम्बेडकर भवन एवं मूर्ति निर्माणाधीन है, जिसके कैलेंडर छपवाकर विधान सभा क्षेत्रों की दलित बस्तियों में बटवाए जा रहे हैं। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रत्याशी तान सिंह ने बोला कि पाटन में दलितों के आशियाने ढहाने वाले आज चुनावी रण में दलितों के सबसे बड़े हमदर्द बन गए है। दलितों को तो जानकारी ही नहीं है की हमारी विधानसभा क्षेत्र के कौन-कौन से गांवों में संत रविदास के 75 चबूतरे और मूर्ति की स्थापना की गई है। इसके अलावा पाटन नगर में किस स्थान पर अम्बेडकर भवन एवं मूर्ति की स्थापना की गई है। यह सब विकास कार्य दलितों के लिए है, तो उनको क्यों दिखाई नहीं देते। यह सिर्फ भाजपा प्रत्याशी को ही क्यों दिखाई देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संत रविदास के नाम पर दलित बस्तियों में जाकर इनके समर्थक संत रवि दासजी का कैलेंडर के साथ-साथ साड़ी और अन्य वस्तुएं बांटने की खबर कई गांवों से मिल रही है। हमारी पार्टी की लीगल सेल जल्द ही रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत करेगी।

बाहरी को क्षेत्र से बाहर करने का दृढ़ संकल्प लेकर जा रहा हूं गांव-गांव : मनोहर सिंह

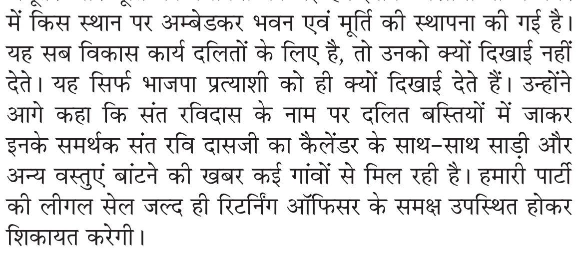

पाटन, देशबन्धु। आज पाटन विधान सभा क्षेत्र में भय एवं आतंक का माहौल है। बीते कार्यकाल में विधायक अजय विश्नोई एवं इनके समर्थक के द्वारा किए गए भ्रष्टाचार से हर कोई दुखी एवं परेशान हैं। यदि कोई गलत के विरोध में अपनी आवाज उठाता है तो उसकी आवाज को इनके द्वारा दवा दिया जाता है। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 में ऐसे कई सरपंच है जो विधायक निधि से फंड जारी होने के पहले ही 20 प्रतिशत कमीशन की राशि जबलपुर आफिस में बैठे विधायक के पीए पहले ही जमा करा लेते थे। और जो पंचायत पैसा देने में आनाकानी करती थी उनको विधायक निधि की राशि नही दी जाती थी और तरह तरह से दवाब बनाकर सरपंच सचिव को परेशान किया जाता था। पाटन विधान सभा क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन चुके भाजपा प्रत्याशी को बाहर का रास्ता दिखाने हम सभी क्षेत्र वासियों ने मिलकर बीड़ा उठाया है। आज पाटन विधान सभा क्षेत्र से चुनाव नीलेश अवस्थी नहीं बल्कि क्षेत्र की जनता स्वयं लड़ रही है।

बस में यात्रा कर रहे दो सवारी से जब्त किया गया 3 किलो 900 ग्राम गांजा

अनूपपुरए देशबन्धुव। विधानसभा चुनाव के दौरान अनूपपुर जिले के सीमावर्ती राज्या छत्तीतसगढ़ बार्डर के पास अंतर्राज्यीकय चेक पोस्टा वेंकटनगर में स्टेकटिक सर्विलांस एवं पुलिस टीम की संयुक्त? जांच के दौरान 5 नवम्ब्र की दोपहर लगभग 12 बजे पेण्राटन से अनूपपुर आ रही बस क्रमांक सीजी 10 जी 1730 की जांच के दौरान बस मे सवार दो युवको के सुटकेस की तलाशी ली गई। जहां तलाशी के दौरान सुटकेश में 3 किलो 900 ग्राम गांजा मिलने पर दोनो युवक मोण् रियान पिता फिरोज अख्त र उम्र 21 वर्ष निवासी मनोहर नगर थाना जाजभाऊ कानपुर उण्प्रण् एवं सदाम आलम पिता सोहराब आलम उम्र 23 वर्ष निवासी रामरायजी सराय कानपुर उण्प्रण् को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार आरोपियों द्वारा गांजा बिलासपुर से कानपुर ले जाया जा रहा था।

ऐसी टक्कर मारी कि रोड से उछलकर नदी में गिरा युवक

पीरबाबा नदी पुल पर हिट एंड रन, टल्ली कार चालक की करतूत

कटनी, देशबन्धु। पीरबाबा स्थित नदी पुल के ऊपर से गुजर रहे एक स्कूटी सवार को नशे में धुत्त कार चालक ने ऐसी टक्कर मारी कि वह रोड से उछलकर स्कूटी समेत नदी में जा गिरा। इस घटना में स्कूटी चालक को गंभीर चोट आई है। घटना की सूचन मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पर जाकर आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है तथा स्कूटी सवार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक झिंझरी चौकी अंतर्गत पीर बाबा नदी पुल के ऊपर से गुजर रही ब्रेजा कार क्रमांक एमपी 21 सीबी 9214 के चालक ने स्कूटी से जा रहे मनोज कुमार को पीछे से इतनी तेज टक्कर मारी कि वह स्कूटी समेत सड़क से उछलकर सीधा पुल पार करते हुए नदी के अंदर जा गिरा। सड़क से गुजर रहे अन्य लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। बताया जाता है कि घटना की जानकारी मिलते ही झिंझरी पुलिस चौकी का स्टाफ मौके पर पहुंचा और ब्रेजा कार के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। वाहन का रजिस्ट्रेशन दुर्गेश कुमार चौबे पिता प्रभु दयाल चौबे निवासी वार्ड नबंर 7 पहाड़ी निवार, कटनी के नाम पर बताया जाता है।

पुलिस ने ब्रेजा वाहन को जप्त कर लिया है तथा आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस ने कार की टक्कर के बाद नदी में गिरे मनोज को अचेत अवस्था में इलाज के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उसके सिर व शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट आई है।

प्रत्यक्ष दर्शियों ने पुलिस को बताया कि कार क्रमांक एमपी 21 सीबी 9214 का ड्रायवर काफी नशे में था। उसके द्वारा लापरवाही से वाहन चलाया जा रहा था। पता चला है कि वह पीर बाबा के पास किसी दुकान में पान खाने के लिए रुका था। यहां से पान खाने के बाद आगे बढ़ते हुए पीर बाबा नदी पुल के पास पहुंचा तो नियंत्रण खो बैठा और सामने से जा रहे बाइक सवार मनोज को टक्कर मार दी। कार की टक्कर इतनी तेज थी कि दो पहिया वाहन पर सवार युवक पुल की रेलिंग से टकराते हुए सीधा नदी में जा गिरा। घटना के बाद कार के चालक ने भागने की कोशिश की मगर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा गई।

स्लीमनाबाद पुलिस ने दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध शराब जप्त की

कटनी, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुये पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन (भा.पु.से.) के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केड़िया, एसडीओपी अखिलेश गौर के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नितिन कमल के द्वारा अपनी थाने की टीम के साथ अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गयी। जिसमे ग्राम छोटी कारीपाथर मे आरोपी सुनील पिता स्व. लल्ला कुचंबधिया उम्र 48 साल निवासी छोटी कारीपाथर थाना स्लीमनाबाद के कब्जे से 20-20 लीटर के तीन गुम्मे मे कच्ची महुआ शराब 60 लीटर कीमती करीब 24000 रूपये की जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया एवं

आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना लिया गया एवं आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया। इसी तारतम्य मे आरोपी तन्सू जारिया पिता स्व. छकोड़ी लाल झारिया निवासी तेवरी के कब्जे से 25 पाव देसी मसाला कीमती 2500 रूपये, आरोपी तीरथ कुशवाहा पिता स्व.सुखचैन कुशवाहा निवासी तेवरी के कब्जे से 12 पाव देशी प्लेन शराब कीमती 1200 रूपये, आरोपी रवि कोल पिता राजेश कोल निवासी खड़रा के कब्जे से 50 पाव देसी प्लेन शराब कीमती 4000 रूपये, आरोपी पुरूषोत्तम नाथ पिता स्व. लोलोक नाथ सपेरा निवासी सिहुड़ी के कब्जे से 03 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 1200 रूपये की जप्त कर धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। अवैध शराब पकड़ने मे उल्लेखनीय भूमिका में थाना प्रभारी उप निरी. नितिन कमल, सउनि राजेश कोरी, सउनि बृजेन्द्र उरमलिया, प्र.आर. तेज प्रकाश सिंह, आर. सोने सिंह, आर. रजनीश तेकाम, आर. बृजेश सिंह, आर. शेख यूसूफ की सराहनीय भूमिका रही।

स्थाई वारंटी मंदीप सिंह उर्फ छोटू सरदार गिरफ्तार

अनूपपुर, देशबन्धु। भालूमाड़ा थाना में मारपीटए छेड़छाड़ एवं पॉक्सोह एक्ट में वर्ष 2022 से लगातार फरार चल रहे स्थाई वारंटी मंदीप सिंह उर्फ छोटू सरदार को भालूमाड़ा पुलिस ने 5 नवम्बपर को मुखबिर की सूचना पर कोतमा रेलवे स्टे शन से गिरफ्तार कर न्यादयालय में पेश किया गयाए जहां से उसे जिला जेल शहडोल भेज दिया गया। मामले की जानकारी देते हुये भालूमाड़ा थाना प्रभारी आरण्केण् धारिया ने बताया कि प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कोतमा के न्यायालय में धारा 354ए 354कए 294ए 323ए 506 एवं 7ए8ए11ए12 पाक्सो एक्ट में आरोपी मंदीप सिंह उर्फ छोटू सरदार पिता स्वण् सुरजीत सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड 6 जमुना कालरी के विरूध्द दोनो मामले में फरार चलने पर स्थाीई वारंट जारी किया गया था। जिसे मुखबिर की सूचना पर कोतमा रेलवे स्टोशन से गिरफ्तार कर न्या यालय में पेश किया गया।

जीआरपी थाने के सामने ही फांसी पर झूल गया विक्षिप्त

घटना से मचा हड़कम्प, कारण अज्ञात, जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, सतर्कता से बचाई जान

कटनी, देशबन्धु। जीआरपी थाने के सामने एक बंगाली युवक द्वारा फांसी लगाए जाने की घटना से हड़कम्प मच गया। मौके पर खड़े जीआरपी के जवानों और आटो चालकों की सतर्कता की वजह से युवक की जान बचा ली गयी। कैंची से फंदा काटकर किसी तरह से उसे मौत के मुंह में जाने से बचाया गया और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक द्वारा आत्मघाती कदम क्यों उठाया गया, यह गहन जांच का विषय बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार को रोज की तरह कटनी स्टेशन के मुख्य द्वार व जीआरपी थाना के सामने मुसाफिरों और आटो चालकों की भीड़ थी। अपरान्ह लगभग 3.30 बजे तेज आवाज आने पर सबका ध्यान वहां पर गया तो पता चला कि टीन से कोई चीज टकराई है। यहां पर खड़े जीआरपी के जवान और आटो चालकों की नजर वहां पर गई तो गेट पर लगे एंगल से एक युवक को गमछे का फंदा बनाकर लटका देखकर हैरान रह गये। सबने मौके पर पहुंचकर युवक को ऊपर उठाया और एंगल में बंधा गमछा कैंची से काटकर

अलग किया गया। इतनी देर में युवक की गर्दन झूल चुकी थी मगर उसकी सांसें चल रही थीं।

आधार कार्ड से पता चला एड्रेस

पुलिस को आधार कार्ड से युवक का एड्रेस पता चला है। वह पश्चिम बंगाल का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आत्मघाती कदम उठाने वाले विक्षिप्त युवक के पास से मिले आधारकार्ड में उसका नाम कार्तिक पिता नाताबार महिष्यादास 46 वर्ष निवासी राजरहट गोपालपुर नार्थ 24 परगना वेस्ट बंगाल बताया जा रहा है।

छत ढालने का काम करता है

बंगाली युवक कई दिनों से स्टेशन परिसर के आसपास देखा जा रहा था।

पुलिस को युवक से पता चला कि वह बंगाल निवासी है और छत ढालने का काम करता है। हालांकि युवक की भाषा समझ नहीं आने की वजह से आत्महत्या करने का कारण पता नहीं चल पाया है। पुलिस दुभाषिए की मदद ले रही है ताकि उससे बातचीत करके घटना की वजह का पता लगाया जा सके। जीआरपी ने स्टेशन के सीसीटीवी के फुटेज भी चेक किए हैं लेकिन उसमें भी युवक कहीं से छत की ओर जाता हुआ नहीं दिख रहा है तो वह वहां तक पहुंचा कहां से यह भी पुलिस के लिए अभी पहेली बना हुआ है।

घटनास्थल तक पहुंचना रहस्यमय

युवक ने आत्महत्या के लिए जिस स्थान को चुना था वहां पर जाना आसान बात नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि वह प्लेटफार्म के रास्ते से यहां तक चोरी छिपे पहुंचा था ताकि उसपर किसी की नजर न पड़ सके।

खेल जगत

रोहित ने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक वनडे छक्कों के एबी डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की

कोलकाता। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 मैच के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक वनडे छक्के लगाने के दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की। रोहित ने इस विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया था, जो अब 2019 में 56 छक्कों के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 23 पारियां लीं और डिविलियर्स से पांच पारियां अधिक लीं। रोहित ने अपनी 40 रन की पारी के दौरान लुंगी एनगिडी पर दो छक्के लगाए और छठे ओवर में कैगिसो रबाडा की गेंद पर तेम्बा बावुमा को कैच देने से पहले 58 छक्कों का आंकड़ा छू लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत ने बहुत अच्छी शुरुआत की, रोहित ने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज पर हमला किया, उन्हें मैदान के चारों ओर मारा।

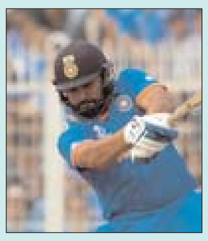

विराट ने की सचिन के वन डे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 49 शतक की बराबरी

सत्येन्द्र पाल सिंह

- विराट ने शतक के साथ मनाया अपना 35 वां जन्मदिन
- भारत ने बनाया 50ओवर में पांच विकेट पर 326 रन का विशाल स्कोर

नई दिल्ली। दुनिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली ने पारी के 49 वें और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कसिगो रबाडा के दसवें और आखिरी ओवर की तीसरी गेंद को बैकफुट पर पंच कर एक रन लेकर कोलकाता के ईडन गार्डन पर आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के अहम मैच में रविवार को शतक जड़ने के साथ दुनिया में वन डे अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 49 शतक जड़ने के अपने आदर्श सचिन तेंडुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर अपना 35 वां जन्मदिन शानदार ढंग से मनाया। विराट ने मात्र 277 पारी खेल कर इस मुकाम तक पहुंचे जबकि सचिन ने यह कारनामा 451 पारियों में पूरा किया था। विराट कोहली ने जैसे ही यह शतक पूरा किया तो ईडन गार्डन में क्रिकेट प्रशंसकों का नीले समंदर कोहली , कोहली, कोहली के ेगूंज से पूरा स्टेडियम गूंज उठा। विराट ने अंतर्राष्ट्रीय वन डे क्रिकेट में पहला शतक इसी मैदान पर जड़ा था और सचिन तेंडुलकर के अंतर्राष्ट्रीय शतक जड़ने के लिए भी इसी मैदान को चुना। विराट का यह मौजूदा विश्व कप में यह दूसरा शतक था।

विराट के शानदार अविजित शतक और श्रेयस अय्यर (77 रन, 87 गेंद, दो छक्के, सात चौके) के साथ तीसरे विकेट की 129 रन की भागीदारी की बदौलत भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट 326 रन का पहाड़ का स्कोर बनाया। विराट 121 गेंद खेल 12 चौकों की मदद से 101 रन और उनके साथ रवींद्र जडेजा 15 गेंद खेल कर एक छक्के और तीन चौकों की मदद से 29 रन बनाकर अविजित रहे। 40 से 45 वें ओवर के बीच भारत ने केएल राहुल (9) का विकेट खोया और 17 रन बनाए लेकिन रवींद्र जडेजा ने मैदान पर उतरते ही आक्रामक अंदाज में रन बनाए। सिटी ऑफ जॉय कोलकाता में विराट के इस 49 वें अंतर्राष्ट्रीय शतक के साथ दर्शकों को दिवाली से पहले ही दिवाली मनाने का मौका दे दिया। कप्तान रोहित शर्मा (40 रन। 24 गेंद, दो छक्के, छह चौके) ने ताबड़तोड़ अंदाज में अपने सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल के साथ ताबड़तोड़ अंदाज में मात्र 5.5 ओवर में 62 रन जोड़ भारत को तूफानी शुरुआत। पहले चेंज के रूप में आने वाले तेज गेंदबाज कसिगो रबाडा ने रोहित को मिडऑफ पर कप्तान तेंबा बाउमा के हाथों कैच करा कर भारत को पहला झटका दे उनकी और गिल की भागीदारी को तोड़ा। रोहित और शुभमन गिल की ताबड़तोड शुरुआत ने भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज (10-0-30-1) और कसिगो रबाड़ा (10-1-48-1) ने बीच के ओवर में बेहद नपी तुली गेंदबाजी कर एक एक विकेट निकाल कर भारत की रनगति पर लगाम लगाई और इसीलिए विराट और श्रेयस बीच के ओवर में संभल कर खेले।

विराट कोहली ने सबसे कसी हुई गेंदबाजी करने वाले दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज के दसवें और आखिरी तथा पारी के 29 वें ओवर की दूसरी गेंद को लॉन्ग लेग पर खेल कर अपना 67 गेंद खेल कर पांच चौको की मदद सेअपना अर्द्धशतक पूरा कर अपना 35 वां जन्म दिन बनाया। केशव महाराज ने अपने इस स्पैल में सबसे ज्यादा सात रन अपने दसवें और आखिरी ओवर में दिए। वहीं श्रेयस ने महराज स्पैल खत्म होने के बाद तेज गेंदबाज मार्को येनसन के दूसरे स्पैल के पहले और पारी के 31 वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका जड़ 65 गेंद खेल कर अपना एक छक्के और चार चौकों की मदद से पूरा किया ही उनके इस ओवर में उन्होंने कुल तीन चौके जड़ भारत की पारी को फिर रफ्तार दी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के लेग स्पिनर तबरेज शम्सी को निशाना बनाया और उन्हें लय पाने का मौका ही नहीं दिया। 28 ओवर में खासतौर पर श्रेयस अय्यर ने गियर बदला और तबरेज शम्सी के छठे ओवर से उन्होंने निशाना बनाया। धीमे आगाज के बाद अचानक रफ्तार पकड़ने वाले श्रेयस अय्यर (77 रन, 87 गेंद, दो छक्के, सात चौके) दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी के दूसरे स्पैल के दूसरे और पारी के 37 वें ओवर में उनकी ऑफ कटर को उड़ाने की कोशिश में मिड ऑन पर एडन मरक्रम के हाथों लपके गए। श्रेयस ने आउट होने से पहले विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 129 रन की अहम भागीदारी की। केएल राहुल (9 रन, 17 गेंद)ज्यादा देर तक नहीं टिके और तेज रन बनाने की कोशिश में मार्को येनसन के आठवें और पारी के 43 वें ओवर की पहली गेंद को उड़ाने की फ्लिक करने की कोशिश की और रॉसी वान देर दुसों ने तेज दौड़ लगाकर स्कवॉयर लेग पर बेहतरीन कैच लपका और भारत ने चौथा विकेट 249 रन पर खो दिया। शम्सी के दसवें व आखिरी तथा पारी के 46 वें ओवर की अंतिम गेंद को सूर्य कुमार यादव (22 रन, 14 गेंद, 5 चौके) को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की और गेंद उनके दस्तानों को लगकर विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के दस्तानों में समाई और भारत ने पांचवां विकेट 285 रन खोया।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा (40 रन, 24 गेंद, दो छक्के, छह चौके) ने तूफानी अंदाज में आगाज किया और दक्षिण के तेज गेंदबाज मार्को येनसन और लुंगी एंगिडी को निशाना बना शुरू के पांच ओवर में भारत के में 61 रन जोड़े। तब दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बाउमा ने छठे ओवर में गेंद अपने तुरुप के तेज गेंदबाज कसिगो रबाडा को दी। रबाडा के पहले ओवरकी पांचवी आफ स्टंप पर गिरी गेंद को उड़ाने की कोशिश में रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बाउमा को कैच थमा दिया और भारत ने अपना पहला विकेट 5.5 ओवर में 62 रन पर गंवाया। रबाडा ने रोहित को पांचवीं बार आउट किया।रोहित (23) को पारी के शुरू में मार्को येनसन के दूसरे और पारी के चौथे ओवर की गेंद को उड़ाने की कोशिश की लेकिन डीप थर्डमैन पर कैच तबरेज शम्सी ने कैच टपका दिया और तब भारत का स्कोर 44 रन था। शुभमन गिल (23 रन, 24 गेंद, एक छक्का, चार चौके) ने बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज की तीसरी ही गेंद को फ्लिक करने गए लेकिन उनकी गेंद कुछ धीमे घूमी और उनके मिडलस्टंप की गिल्ली उड़ा ले गई भारत ने दूसरा विकेट 10.3 ओवर में 93 रन पर खो दिया। दक्षिण अफ्रीका कसिगो रबाडा और केशव महाराज ने आठ ओवर के भीतीर मिलकर 27 रन देकर कप्तान रोहित और उनके सलामी जोड़ी शुभमन गिल को आउट कर भारत की तेज रन गति पर जरूर कुछ लगाम लगाई। रबाडा का पहला स्पैल रहा 5-1-19-1

भारत ने शुरू के पांच ओवर में 61 रन बनाए और अगले 11 ओवर में 46 जोड़े और एक विकेट खोया। भारत ने शुरू के दस ओवर में कप्तान रोहित का एक विकेट खोकर 91 रन बनाए थे लेकिन अगले दस ओवर में शुभमन गिल के रूप एक विकेट खोकर 33 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने बहुत ही सधी हुई गेंदबाजी कर विराट और खासतौर श्रेयस अय्यर को रनों के लिए खासा संघर्ष कराया। महाराज का पहला स्पैल रहा 5-1-15-1। खासतौर पर श्रेयस की धीमी बल्लेबाजी को देखकर 22 वें ओवर में दो विकेट पर 134 रन के स्कोर कप्तान रोहित शर्मा ने 12 वें खिलाड़ी इशान किशन के लिए संदेश भेजा। बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने मिडल औौर ऑफ स्टंप पर ज्यादा गेंद रखी जबकि बाएं हाथ के लेग स्पिनर तबरेज शम्सी ने वाइड पांचवें स्टंप यानी गेंद को ऑफ स्टंप से बाहर स्पिन कराने की ज्यादा कोशिश की।

ऑस्ट्रेलिया से हार ने इंग्लैंड में आत्मविश्वास की कमी दिखाई : मोईन

अहमदाबाद। इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया से 33 रनों की हार के साथ आधिकारिक तौर पर 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप से बाहर होने के बाद, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने टीम के भीतर आत्मविश्वास की कमी की ओर इशारा किया, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। इंग्लैंड अंक

तालिका में सबसे नीचे है। मैं एक खिलाड़ी के रूप में निराश हूं और हम शुरू से ही इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।

इस मैच से टीम में आत्मविश्वास की कमी दिखी। मुझे लगा कि हम आज रात थोड़े बेहतर थे और हमने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। परिस्थितियों की वजह से और हम जानते हैं कि हमें यह मैच जीतना चाहिए था, लेकिन क्रिकेट में ऐसी चीजें होती रहती हैं। मोईन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगता है कि हमने शायद बहुत कुछ करने की कोशिश की है और विशेष रूप से खिलाड़ी के रूप में, हम वास्तव में आक्रामक होने की कोशिश करते हैं और फिर हम थोड़ा दबाव झेलने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके। आज रात भी, हर बार जब हमने कोशिश की, हम उस स्थिति में थे जहां हम थे, ठीक है, हम यहां सब ठीक कर रहे हैं, हमने बस दो विकेट जल्दी खो दिए और फिर हमें फिर से प्रयास करना पड़ा और फिर से दो विकेट खो दिए। यह थोड़ी स्कूली गलती है लेकिन ऐसी चीजें तब होती हैं जब एक टीम के रूप में आपके पास आत्मविश्वास नहीं होता है। और हम यह नहीं कह सकते कि हममें आत्मविश्वास नहीं है। हमें इसके बारे में कुछ करना होगा। हमने कोशिश की है। मैं मुझे लगता है कि हमने खिलाड़ियों के एक समूह के रूप में ऐसा करने की कोशिश की है। और कभी-कभी आप टीम में एक व्यक्ति के रूप में थोड़ा आंतरिक हो जाते हैं और यह टीम के लिए कभी भी उतना अच्छा नहीं होता है। अली ने इंग्लैंड के 287 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेन स्टोक्स और डेविड मलान के अर्धशतकों के साथ 42 रन बनाए। लेकिन यह तिकड़ी जल्दी आउट हो गई और इंग्लैंड 48.1 ओवर में 253 रन पर आउट हो गया। उनका यह भी मानना है कि इंग्लैंड में आत्मविश्वास की कमी के कारण उनके कौशल और योजनाओं का क्रियान्वयन ख़राब हो गया है। खिलाड़ियों के एक समूह के रूप में और प्रबंधन के साथ हमने कभी-कभी ऐसा करने की कोशिश की है, चलो बाहर जाएं और अपने तरीके से खेलें, और कभी-कभी जब हम मैच हार जाते हैं तो हमने (कहा) चलो चलें बाहर जाओ और कठिन बनो, और कठिन हो जाओ जो हमने हमेशा करने की कोशिश की है, और हमारे पास अभी आत्मविश्वास नहीं है। पक्ष में विश्वास की कमी... यह कहने के लिए कुछ है लेकिन फिर बाहर जाना और इसे करना है। मुझे नहीं लगता कि हमने ऐसा किया है। मोईन ने कहा, रनों की कमी, विकेटों की कमी, क्षेत्ररक्षण उतना अच्छा नहीं होना जितना हम जानते हैं कि हम कर सकते हैं।

आईसीसी विश्वकप 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	टाई	पाइंट
भारत	7	7	0	0	14
दक्षिण अफ्रीका	7	6	1	0	12
ऑस्ट्रेलिया	7	5	2	0	10
न्यूजीलैंड	8	4	4	0	8
पाकिस्तान	8	4	4	0	8
अफगानिस्तान	7	4	3	0	8
श्रीलंका	7	2	5	0	4
नीदरलैंड	7	2	5	0	4
बांग्लादेश	7	1	6	0	2
इंग्लैंड	7	1	6	0	2

जब तक फखर थे, हम 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकते थे : बाबर आजम

बेंगलुरु। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनका मानना है कि जब तक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर जमान बल्लेबाजी कर रहे थे, उनकी टीम शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच में 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकती थी। बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि जब तक फखर वहां थे, हम 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकते थे। जब वह इस तरह की पारी खेलते हैं तो हम 90त्न मैच जीतते हैं। जब उन्होंने मुझे बताया कि पिच अच्छी थी हमने साझेदारी बनाने और मैच को कम से कम 20 ओवर तक ले जाने का फैसला किया। मूल रूप से 402 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, फखर और बाबर ने बारिश आने से पहले नाबाद 194 रन की साझेदारी की। ज़मान ने सिर्फ 81 गेंदों में नाबाद 126 रन बनाए, जिससे पाकिस्तान ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले सिर्फ 25.3 ओवर में 200/1 रन बना लिया, जिससे पाकिस्तान को डीएलएस पद्धति से 21 रन से जीत मिली जो टूर्नामेंट में उनकी चौथी जीत थी।

हमारे मन में बिल्कुल भी बारिश नहीं थी, क्योंकि आसमान साफ था। लेकिन बादल अचानक आ गए, और फिर हमने डीएलएस की गणना करना शुरू कर दिया और हम पूरे समय इसके साथ रहना चाहते थे।

हम विकेट हाथ में रखने की कोशिश कर रहे थे , और मैं इसे गहराई तक ले जाने की कोशिश कर रहा था। फखर छोटी सीमा का उपयोग कर रहा था जबकि मैंने एक छोर पकड़ रखा था और हमने सुनिश्चित किया कि हम रन रेट को नियंत्रण से बाहर न जाने दें। बाबर ने कहा, हर छक्के के बाद मैंने उनसे कहा, इस मुद्दे को तूल मत दो। उन्होंने कहा ठीक है लेकिन फिर मुझे नजरअंदाज कर दिया और फिर भी छक्के मारने शुरू कर दिए। तो मैंने फिर उनसे कहा, जो करना है करो, बस आउट मत होना, (यह) मेरी अब तक देखी सबसे अच्छी पारियों में से एक थी। अपनी पारी के बारे में पूछे जाने पर, फखर ने कहा कि यह अभी भी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी नहीं है, उन्होंने जोर देकर कहा कि 2021 में वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी 193 रन की पारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने कहा, इस विश्व कप में हमने जितने भी विकेट खेले हैं, उनमें से यह सर्वश्रेष्ठ था। दूसरे ओवर से यह स्पष्ट हो गया कि विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। उन्होंने कहा, अगर साउदी और बोल्ट गेंद को स्विंग नहीं करा रहे हैं, तो आप जानते हैं कि विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा है। चार ओवर के बाद, जो भी थोड़ी स्विंग थी, वह खत्म हो गई और इससे मुझे और भी अधिक आजादी मिली।

सार संक्षेप

न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

बेंगलुरु। पाकिस्तान पर शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने समय भत्ते पर विचार करने के बाद बाबर आजम की टीम को लक्ष्य से दो ओवर कम होने के कारण यह सजा दी। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, यदि खिलाड़ियों की टीम आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है, तो प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। . बाबर ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित सज़ा स्वीकार कर ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर पॉल विल्सन और रिचर्ड केटलबोरो, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर जोएल विल्सन ने आरोप लगाया। मैच की बात करें तो, बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर जमान के धमाकेदार शतक ने सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान पुरुष वनडे विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की दौड़ में बना रहे।

संभवतः अब तक का सबसे संतोषजनक एकदिवसीय मैच है जो मैंने खेला है : एडम जम्पा

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम ज़म्पा ने कहा कि 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग मैच में 3-21 का प्रदर्शन, जो इंग्लैंड के खिलाफ 33 रन की जीत में समाप्त हुआ, उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का सबसे संतोषजनक एकदिवसीय मैच था। शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, ज़म्पा ने बल्ले से 19 गेंदों में 29 रन बनाए और मिशेल स्टार्क के साथ 38 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 286 रन बनाए।

यह आदर्श नहीं, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं : हथुरुसिंघे

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम के पास सोमवार को पुरुष वनडे विश्व कप मैच के लिए वायु प्रदूषण से भरी नई दिल्ली में श्रीलंका के खिलाफ खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जो उनके अनुसार किसी के लिए भी आदर्श नहीं है। । बांग्लादेश और श्रीलंका दोनों ने राष्ट्रीय राजधानी में क्रमशः शुक्रवार शाम और शनिवार दोपहर को अपने प्रशिक्षण सत्र रद्द कर दिए थे क्योंकि एक्यूआई का स्तर गंभीर श्रेणी में आ गया था और शहर में भारी धुंध छाई हुई थी।

हथुरुसिंघे ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम थोड़े चिंतित थे। इसलिए हमने एक अभ्यास सत्र भी रद्द कर दिया.हम जितना संभव हो सके बाहर के संपर्क में आने को कम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हमें अभ्यास भी करना होगा और हमें इस स्थिति के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में सावधान रहना होगा। वायु गुणवत्ता दोनों टीमों को प्रभावित कर रही है। यह आदर्श नहीं है, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमें अपने सामने की स्थिति में खेलना होगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ी रविवार को अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए क्योंकि वे अस्थमा से पीड़ित हैं और टीम प्रबंधन खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुए उनके दीर्घकालिक स्वास्थ्य को जोखिम में नहीं डालना चाहता था। हमारे डॉक्टर ने खिलाड़ियों पर कड़ी नज़र रखी है। कुछ खिलाड़ी अस्थमा से पीड़ित होने के कारण अभ्यास के लिए नहीं आए, इसलिए वे होटल के अंदर ही रहे। अभ्यास के लिए भी, हम बहुत सचेत हैं। हमें जो प्रशिक्षित करना है हम उसे प्रशिक्षित करते हैं और वे ड्रेसिंग रूम में वापस चले जाते हैं। जब तक वे गेंदबाजी या बल्लेबाजी नहीं कर रहे हों तब तक वे समय नहीं बिताते हैं। इसलिए, हमने खेल से पहले अपने जोखिम को कम करने के लिए कुछ उपाय किए हैं। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने शनिवार को आईएएनएस को बताया कि वे सोमवार को होने वाले मुकाबले से पहले नई दिल्ली में स्थिति का आकलन कर रहे हैं। आईसीसी प्रवक्ता ने कहा, आईसीसी और हमारे मेजबान, बीसीसीआई सभी प्रतिभागियों की भलाई को गंभीरता से लेते हैं और दिल्ली में वायु गुणवत्ता की निगरानी कर रहे हैं। हम स्थिति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की सलाह ले रहे हैं।

खेल की बात करें तो बांग्लादेश ने सात में से सिर्फ एक मैच जीता है और वह पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। 1996 विश्व कप विजेता श्रीलंका ने दो जीत हासिल की हैं लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए वह पतली गणितीय गणनाओं पर निर्भर है। पिच और ज़मीन बेदाग दिखती है। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छी पिचों में से एक है जिस पर हम शायद इस विश्व कप में खेलने जा रहे हैं। जैसा कि आपने कहा, श्रीलंका और बांग्लादेश ने हाल के दिनों में वास्तव में अच्छे मैच खेले हैं। हथुरुसिंघे ने निष्कर्ष निकाला, बात यह है कि, ईमानदारी से कहूं तो, दोनों टीमें वास्तव में समान स्थिति में, जितना संभव हो सके उतना ऊंचा स्थान हासिल करने की कोशिश कर रही हैं क्योंकि हमने सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका खो दिया है।

विश्व कप टिकट कालाबाजारी : कोलकाता पुलिस ने बीसीसीआई प्रमुख से मांगी जानकारी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस क्रिकेट विश्व कप 2023 मैच के टिकट कालाबाजारी मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस भेजा है। पुलिस ने टिकटों की ऑनलाइन मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी मांगी है।

शहर पुलिस के सूत्रों ने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से जानकारी मांगने का निर्णय शहर पुलिस के जांच अधिकारियों द्वारा क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) और ऑनलाइन टिकट मार्केटिंग एजेंसी के अधिकारियों से पूछताछ के बाद लिया गया। पता चला है कि जांच अधिकारियों के सवालों के जवाब बीसीसीआई अध्यक्ष को 7 नवंबर तक देने को कहा गया हैं।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई का कोई भी अधिकृत प्रतिनिधि, जो कि बीसीसीआई अध्यक्ष भी हो सकता है, इस संबंध में संबंधित दस्तावेज 7 नवंबर तक पुलिस को दे। पता चला है कि शनिवार को पूछताछ के दौरान सीएबी अधिकारियों ने मामले में किसी भी तरह की जिम्मेदारी से इनकार किया। एसोसिएशन किसी भी तरह से टिकटों के विपणन से जुड़ा नहीं है जो एक ऑनलाइन एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है।

अब तक, पुलिस ने इस मामले में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है, और कुल 127 टिकट जब्त किए हैं - सभी रविवार के मैच के लिए हैं। टिकट कालाबाजारी का मामला पहली बार तब सामने आया जब पुलिस ने 1 नवंबर की शाम को एक व्यक्ति को 5 नवंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए टिकट बेचने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। बाद में, एक व्यक्ति ने कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बीसीसीआई, सीएबी और बुकमायशो पर वनडे विश्व कप 2023 के टिकटों की कालाबाजारी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

सुडोकू 6368 का हल

8	9	3	4	2	1	6	7	5
1	7	4	6	5	9	8	3	2
5	2	6	7	8	3	9	1	4
7	1	9	5	3	4	2	8	6
4	3	2	8	7	6	5	9	1
6	5	8	9	1	2	7	4	3
2	6	1	3	9	8	4	5	7
3	8	7	2	4	5	1	6	9
9	4	5	1	6	7	3	2	8

स्मृति शेष

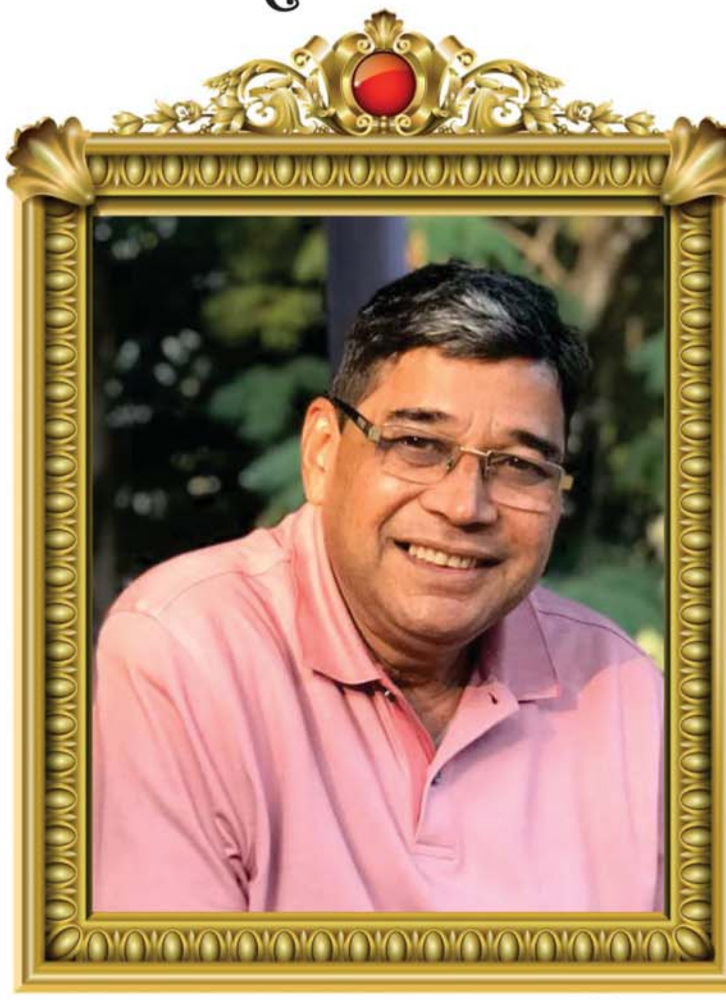

संस्कारधानी के सफल पत्रकार-स्वर्गीय श्री दीपक सुरजन

सतत् कर्मयोगी,सुन्दर मुस्कुराता मधु चेहरा,अति मिलनसार एवं शिष्टता से परिपूर्ण उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी जिन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी आधुनिक व अनुपम सोच तथा लेखन कला के माध्यम से एक अहम भूमिका संस्कारधानी जबलपुर में निभाई। वे देशबन्धु पत्र-जबलपुर एवं सतना संस्करण के प्रधान संपादक स्वर्गीय दीपक सुरजन पत्रकारिता के भीष्मपितामय स्वर्गीय मायाराम जी सुरजन के पुत्र थे।

अपने पिताश्री से विरासत में प्राप्त सभी गुणों के आधार पर संस्कारधानी जबलपुर के दैनिक पत्र देशबन्धु को अपने कुशल व्यवहार एवं नित्य नये विचारों से जनता जर्नादन को अवगत कराते रहते थे। जबलपुर में अनेक दैनिक पत्र प्रकाशित होते हैं पर जो विशेष राजनैतिक व साहित्यिक सामग्री देशबन्धु में पढ़ने को मिलती है वह अद्‌भुत एवं विचारणीय होती थी। इससे अतीत के इतिहास की पुष्टि एवं आधुनिक विश्व में क्या घट रहा है, अपने इतने अनुभव व सुझावों से एक नया रूप प्रदान करते थे। देशबन्धु पत्र-पत्र नहीं एक मित्र के रूप में हमने समझा है। दैनिक पत्र वैसे एक से एक प्रतिदिन देश में प्रचलित है पर जो विशेष आलेख इसमें पढ़ने के लिये मिलते है वे सभी ज्ञानवर्धक एक अध्ययन के योग्य है।

मेरा संपर्क आपके परिवार से सन् 1963 में स्वर्गीय श्री दालचंद जी डागा जबलपुर के माध्यम से हुआ, तब से आज तक इस परिवार के कुछ न कुछ ज्ञान प्राप्त करता रहता हूँ। श्री दीपक सुरजन अत्यंत सरल, मृदुभाषी दया व करूणा से ओतप्रोत थे। क्षमा उनके जीवन का एक रहस्य था। अक्सर वे घर आया जाया करते थे और जो भी इच्छा होती थी स्वयं रसोई घर में जाकर खा लेते थे। वे जबलपुर तथा अनेक अन्य नगरो की सामाजिक संस्थाओं से जुड़े थे। राग द्वेष-क्रोध से वे कोसो दूर रहते थे। सीमित इच्छाओं के धनी संस्कारधानी के एक चहेते मित्र व पत्रकार थे।

नगर के वे एक सम्मानीय नागरिक थे,अहमं मैने कभी उनके चेहरे पर देखा नहीं। नाम व पदवी से बहुत दूर रहते थे। जबलपुर मारवाड़ी सम्मेलन के वे एक स्तंभ थे। आपने जबलपुर मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया था। अपने कार्य काल में अनेकों सामाजिक सेवा के कार्यों को अंजाम दिया। वहीं दूसरी ओर भारतीय सेना के अधिकारियों व जवानों का जिन्होंने युद्ध में अद्‌भुत वीरता व शौर्य का प्रदर्शन किया किया था उन्हें भी सम्मानित किया । इसके अतिरिक्त वे रोटरी क्लब जबलपुर के भी अध्यक्ष थे। जबलपुर माहेश्वरी सभा के अत्यंत सक्रिय सदस्य रहे। दीनहीन पीड़ित मानवता की सेवा करने में अग्रगणीय रहते थे। अपने दीर्घ अनुभवों के आधार पर अपनी उत्तम लेखनी से संपादकीय कालम में जिन विचारों को रेखांकित करते थे अध्ययन व ज्ञानवर्धक रहते थे।

आज वो महामना हमारे मध्य नहीं है-पर उनकी मधुर स्मृतियां आज भी हमारे हृदय में छायी हुई है। जो कार्य वे करते थे उसकी प्रशंसा कभी वे सुनना पसंद नहीं करते थे। परिस्थितियों से कैसे जझूना , वे अच्छी तरह से समझते थे। देशबन्धु को आज इतनी ऊँचाइयों तक पहुंचाने में उनकी धर्मपत्नि व हमारी भाभी श्रीमती माधुरी सुरजन का भी अहंम योगदान है। उन्होंने कंधे से कंधा लगाकर श्री दीपक सुरजन का भरपूर साथ निभाया। हर समय अपनी ऊर्जा के माध्यम से एक ऐसा रूप उन्हें प्रदान किया कि उनके जाने के बाद भी उतने ही नगर के चहेते उनके परिवार से आज भी जुड़े हुए हैं वह केवल उनके माधुर्य व निस्वार्थ भावना को प्रदर्शित करता है।

मेरे अनुज को कोटि-कोटि वंदन।

प्रोफेसर मंगलचंद टाटिया जबलपुर

मेरे अंतरंग मित्र श्री दीपक सुरजन जी

चिट्ठी न कोई संदेश, जाने वो कौन सा देश, जहां तुम चले गये।

दीपक जी अत्याधिक मिलनसार व्यक्ति थे। उनकी मिठास भरी बातें, मुस्कारात चेहरा, सबको आकर्षित करता था। जो भी एक बार उनसे मिलता वह उनका ही हो जाता। मैं भी उन्हीं में से एक था। वर्ष 2000 में मारवाड़ी सम्मेलन की प्रादेशिक बैठक में उनके साथ जुड़ाव हुआ। निरंतर आपसी सम्बंधी में प्रगाढ़ना बढ़ती गई। मारवाड़ी सम्मेलनों की विभिन्न बैठकों में 2002 के प्रादेशिक सम्मेलन में और फिर 2003 से 2005 जबलपुर मारवाड़ी सम्मेलन में मैं अध्यक्ष और दीपक जी के सचिव पद के कार्यकाल में अनेकों कार्यक्रमों और अवसरों पर हम साथ साथ ही रहे हैं। इस दौरान उनके व्यक्तित्व समझने मिला। उनके साथ जीवन के बेहतरीन पल गुजारे। आगामी वर्षों में संबंधों की मिठास बढ़ती गई जो उनके जीवन के अंतिम क्षणों तक कायम रही। सच में दीपक जी की मिलन सारिता में चुंबकीय शक्ति थी।

दीपक जी के पिताश्री स्व. मायाराम जी सुरजन का उस वक्त प्रेस जैन श्वेतांबर मंदिर सराफा के पीछे बाड़े में था। वह मेरे बड़े भाई खुशालचन्द जी के पास अक्सर आते जाते थे। श्री मायाराम जी अत्याधिक प्रतिभाशील थे। आज उनके शुरू किये हुए 'देशबन्धु' को चार दशक से दीपक जी बड़ी कुशलता से देख रहे थे और निरंतर उसके प्रचार-प्रसार में वृद्धि कर रहे थे। इस कार्य में उनकी धर्मपत्नि माधुरी सुरजन का भी बड़ा योगदान है।

उनकी बेटी कृति सुरजन थेपड़े नार्वे में सितम्बर 2022 में उसके साथ रहे। वहां से मुझे निरंतर समाचार देते थे। वहां से लौटने पर मेरे घर आये थे। हमेशा की तरह विस्तृत चर्चा की। बड़े खुश थे। पर मुझे क्या पता था कि हम लोगों की यह आखिरी मुलाकात होगी। दीपावली के दूसरे दिन में उनसे मिलने घर गया पर वे इलाज के लिए नागपुर निकल चुके थे। उनके समाचार फोन पर मिलते रहे पर 6 नवम्बर 2022 को अशुभ समाचार मिला मैं हतप्रभ हो गया। नियति के इस कूटनियम में हम सभी असहाय है। उनके जाने के बाद जीवन में ठहराव सा आ गया। दीपक जी का मुस्कान भरा चेहरा मन में अंकित है। हर क्षण भगवान से प्रार्थना है कि वह जहां भी हों अपनी मुस्कान बिखेरते रहें।

मैं अपने अंत: करण से नमन करते हुए प्रथम पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करता हूँ।

-विजय भूरा

आदरणीय दीपक भैया से मेरे परिवारिक रिश्ते लगभग 25 वर्षों से हैं। एक सबसे पुराने 'समाचार पत्र' की चर्चा शहर से लेकर देश स्तर पर की जाती है। प्रतिदिन शाम को दीपक जी से चर्चाऐं होती थी। चर्चाओं में कई विषय शामिल रहते थे परंतु दीपक जी कोई भी बिन्दु हो उस पर बकायदा सारगर्भित जवाब देते थे। वह विद्वान के साथ ही अति मिलनसार और सरल इंसान थे। उन्होंने कभी भी किसी की बुराई नहीं की और सभी की मदद करने के लिए सदैव तैयार रहते थे।

प्रेस का संचालक होने के बाद भी इतना सरल होना हमेशा यादों में बना रहेगा।

ईश्वर से प्रार्थना है कि 'देशबन्धु' संस्था निरंतर प्रगति करें और दीपक जी के सभी अधूरे कार्य पूरे हों यही मेरी श्रृद्धांजलि है।

लक्ष्मी नारायण अग्रवाल

आदरणीय दीपक जी हृदय समुद्र रूपी विशाल था, और भाषा में मिश्री से भी ज्यादा मिठास थी। इनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना अधिक था कि इनके संपर्क में जो भी आता था इनसे चर्चा करके बहुत कुछ ज्ञान, एवं नई नई सूचनाएं प्राप्त करता था । इनका पत्रकारिता के प्रति सबसे ज्यादा जुनून था,कई बार तो चर्चाओं के दौर में भी वह एक छोटी सूचना के आधार पर उसे समाचार का रूप दे देते थे। इनका पत्रकारिता के प्रति इतना लगाव था जिसकी कल्पना करना समझ के परे था। इनके सरल स्वभाव की चर्चाऐं आज भी शहर के कई गली मोहल्ले में निरंतर की जाती है। वह अत्यंत मिलनसार और ज्ञान के भंडार थे। इस प्रकार के व्यक्ति का आज के युग में मिल पाना असंभव है। उनकी यादें हमारे दिलों में हमेशा के लिए बसी हुई है।

-लॉयन नरेन्द्र जैन (शिव नगर)

अकल्पनीय सत्य - प्रिय मित्र दीपक सुरजन का असमय देवलोक गमन रुला गया

संघर्षशील व्यक्तित्व के साथ 40 वर्षो में सुख-दुख की यात्रा रही। 1982 में हम आठ दोस्तों का एक गुलदस्ता तैयार हुआ। जो लगातार अपनी सुंदरता और खुशबू बिखेरने के साथ-साथ स्थिरता को बनाए रखने में एक-दूसरे का सहारा बने रहे। इस खूबसूरत गुलदस्ते के सबसे वरिष्ठ सदस्य विजय लखोटिया और सबसे छोटा मैं रहा। अन्य गिरधर माखिजा (लाला), श्याम डागा, सुरेश चांडक, डॉ. किशन डागा, शिव राठी और दीपक सुरजन रहे। हम लोगों का शुरूवाती दौर काफी संघर्षपूर्ण रहा। दीपक ने प्रारंभ में स्टेशनरी, फार्म, बुक, शादी कार्ड छापने का काम किया। दीपक का दिन सरकारी और निजी संस्थाओं से आर्डर लेने और देर रात तक काम्पोजिंग, प्रिंटिंग और बाईडिंग का काम पूरा करवाने में बीत जाता था। ये वो दौर था जब काम भी आसानी से नहीं मिला करते थे। दीपक हमेशा से खुद्‌दार और स्वाभिमानी स्वभाव का था। उसने कभी भी अपने काम के लिये कभी भी 'देशबन्धु' के नाम का उपयोग नहीं किया। हम सभी आठों का काम अलग-अलग था। किन्तु अवकाश दिवस पर अथवा काम की अधिकता पर सभी मिलकर एक-दूसरे का काम पूरा करवा दिया करते थे। ऐसी कोई रात नहीं जाती थी जब हम शाम से रात तक साथ नहीं बैठते थे।

सहज और सरल स्वभाव के दीपक में काम और ईमानदारी का जुनून सवार रहता था। हमारी दोस्ती के बाद श्याम, किशन, दीपक और मेरी शादी हुई। दीपक की शादी चम्पारण में माहेश्वरी सामूहिक विवाह के अंतर्गत सादगी के साथ संपन्न हुआ। मै और दीपक अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। उस समय श्याम सोनी अध्यक्ष थे, जो अभी राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष हैं। हम लोगों में सामाजिक कार्य करने का भी जूनून सवार रहता था। चम्पारण के बाद रायपुर में दो सामूहिक विवाह और हुए, जिसमें हम सभी दोस्तों का योगदान रहा। गुजराती भवन में संपन्न सामूहिक विवाह में विजय लखोटिया के पैर की हड्‌डी भी टूट गई थी। दीपक से घनिष्ठता के कारण मेरा उसके घर नियमित आना-जाना होता था। तभी बाबूजी स्व. मायाराम जी सुरजन की प्रेरणा और दीपक की समझाइश पर मैंने पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखा। मेरा पूरा कार्यक्षेत्र उस समय से बदल गया। हमारे ग्रुप ने अनेक स्थानों (डोंगरगढ़, इंदौर, मांडव, भोपाल, जगन्नाथपुरी, भिलाई, जगदलपुर, मथुरा) का पारिवारिक भ्रमण किया। हर बार एक नई स्मरणीय, संग्रहित वाक्या हो जाया करता था और इसकी प्रमुख वजह थी हम सभी का खुला व खुशमिजाज व्यवहार। हम में से कोई भी तंबाखू, सिगरेट, गुटखा, शराब, जुआं आदि किसी भी तरह के ऐब नहीं थे और यही वजह थी कि एक बार हम सभी ठंडाई में गलती से भांग का सेवन कर बैठे और इसका खामियाजा राज टॉकिज रायपुर से सिटी कोतवाली तक सभी को भोगना पड़ा। हुआ यह था, हम सभी पिक्चर देखने गए थे 'सबसे बड़ा रूपैय्या' और वहां दोपहर में चल रही थी गुजराती फिल्म और हम सब भांग के नशे में जोरदार हंसते रहे, और इस बेखौफ उन्माद हंसी तथा घर का पता भूलने की वजह से सिटी कोतवाली तक का भी सफर करना पड़ा। फिर आया एक दौर वह भी जब हम सभी अपने काम में बंट गए। दीपक जबलपुर, मैं धमतरी और बाकी सब काम में व्यस्त हो गए। फिर भी सभी के बच्चों की शादी व अन्य पारिवारिक कार्यक्रम में हम सभी एकत्रित हो जाते थे। एक विशेष खासियत दीपक में थी, वह जब भी रायपुर आता था हम सभी से मुलाकात हो जाती थी। एक दुखद हादसे ने हमारे बीच से सुरेश चांडक को 9 सितंबर 2018 को हमसे जुदा कर लिया और शिव राठी की 25 अप्रैल 2023 को अंतिम जुदाई हो गई। साहित्य और पत्रकारिता के परिवार में जन्म लिये दीपक सुरजन में भी पत्रकारिता का निष्पक्ष और सौम्य व्यक्तित्व उभरकर सामने आने लगा था। अपने नए दायित्व को भी दीपक ने बखूबी निभाया और देशबंधु को जबलपुर अंचल में पुन: स्थापित कर उसका विस्तार किया। बाबूजी मायाराम जी सुरजन और बड़े भैया ललित सुरजन द्वारा स्थापित मूल्य परत पत्रकारिता को दीपक ने भी सदैव कायम रखते हुए अपने कदम आगे बढ़ाये रखा। 'सियासत से आमने-सामने' एक संग्रहित कृति भी दीपक ने लिखी। इसमें विशिष्ट राजनीतिज्ञों का साक्षात्कार संग्रहित हुआ यह पुस्तक दीपक सुरजन के साहित्यिक सोच और पत्रकारिता की गंभीरता को दर्शाती है। हमारे 40 वर्षो के संग्रहित गुलदस्ते का तीसरा खूबसूरत फूल दीपक सुरजन के रूप में भगवान के चरणों में अर्पित हो गया। दीपक सुरजन इस धरा में अपनी जुनून भरी, सार्थक यात्रा दिनांक 6 नवंबर 2022 को पूरी कर, स्वर्गधाम की ओर चल पड़े।

प्रिय मित्र दीपक सुरजन को नम आंखों से विनम्र श्रद्धांजलि।

दीपक लखोटिया

प्यारे पापा,

जैसे ही मैं आपके निधन की पहली वर्षगांठ पर, आपकी अनुपस्थिति और आपके ज्ञान की गूँज से भरे वर्ष पर इन शब्दों को लिखना बेहद मुश्किल रहा है पर मुझे आपकी बात याद आ गई कि जब मुश्किल या नामुमकिन लगे तभी सबसे अच्छे और सच्चे शब्द आते हैं।

आपकी स्मृति से खुद को टूटा हुआ तो महसूस कर ही रही हूँ, पर हमेशा एक मुस्कान के साथ आगे बढ़ते रहना भी आप ही से सीखा है।

वो कहते हैं, समय एक महान उपचारक है, लेकिन जो शून्य आप पीछे छोड़ गए हैं वह हमारे दिलों में बना हुआ है।

आपकी गर्मजोशी भरी मुस्कान, जो मेरे दिमाग में हमेशा के लिए अंकित है, सबसे अंधेरे घंटों में आशा की किरण थी। आपकी संक्रामक हँसी, खुशी की स्वर लहरी, हमारे घर की दीवारों के भीतर गूंजती है, एक ऐसा राग जिसे हम एक बार फिर सुनने के लिए उत्सुक हैं। ज्ञान से युक्त आपके प्रोत्साहन के शब्द, जीवन के तूफ़ानों में हमारा मार्गदर्शन करने वाले आश्वस्त करने वाले प्रकाशस्तंभ थे। आज भी आपकी वही ट्रेडमार्क मुस्कुराह, सूरज की चमक की तरह, आपकी अनुपस्थिति में भी हमें संबल देती है।

यह बीता साल दुख की यात्रा, आंसुओं और खामोशी से भरा रास्ता रहा है। हमने आपकी अनुपस्थिति की भूलभुलैया को पार करने की कोशिश तो की है। पर आपके जैसी ऊर्जा, आपकी सकारात्मकता और समर्थन की अटूट ताकत को कमी बेहद खलती है। आपकी उपस्थिति न केवल निरंतर थी, बल्कि गर्मजोशी और ताकत का एक जीवंत स्त्रोत थी। आपके बिना, हमारी दुनिया निर्विवाद रूप से अलग है।

आपके ज्ञान के शब्द वह दिशा सूचक यंत्र थे जिसने हमें जीवन की जटिल भूलभुलैया से बाहर निकाला। आपने ना केवल मुझमें बल्कि आभास में भी एक अच्छा इंसान होने के मूल्य, बल्कि नारीवाद, समानता, साक्षरता और अटूट नैतिकता के सिद्धांत भी डाले। चाहे चुनौतियाँ कितनी भी विकट क्यों न हों, आपने अपने विश्वासों के प्रति सच्चा बने रहने की हममें गहरी प्रतिबद्धता पैदा की। इन आदर्शों में आपके अटूट विश्वास ने हमें मजबूत किया है, जिससे विपरीत परिस्थितियों में भी सही के लिए हम दृढ़ संकल्पित रह पा रहे हैं।

माता-पिता की अनुपस्थिति ईश्वर और रक्षक को खोने के समान है। आपकी उपस्थिति जीवन की तूफ़ानों से हमारी रक्षा करने वाली एक अटूट ढाल थी। और आपके बिना, हम अब भी असुरक्षित और उजागर महसूस करते हैं, यह एक स्पष्ट अनुस्मारक है कि आपने हमारी कितनी गहराई से देखभाल की।

पिछले वर्ष में, दुख के क्षण कृतज्ञता के क्षणों के साथ मिल गए हैं। हमने जो समय बिताया, आपके द्वारा दी गई शिक्षाओं के लिए और उस स्थायी प्रेम के लिए, जो हमें घेरे हुए है, उसके लिए आभार। आपका प्यार समय और स्थान की सीमाओं को पार करता है, हमें एक अदृश्य धागे के माध्यम से जोड़ता है, हमें आपकी अटूट उपस्थिति की याद दिलाता है।

फिर भी, इस दु:ख के बीच, शांत निराशा के क्षण भी हैं। मैं टूट जातीहूं जब लोग मुझसे कहते हैं कि मैं आपसे कितनी मिलती-जुलती हूं। यह आपकी अनुपस्थिति से छोड़े गए गहरे शून्य की प्रशंसा और दर्दनाक अनुस्मारक दोनों है। अन्य पिताओं और बेटियों को देखकर अब उन क्षणों के लिए उदासी भरी लालसा पैदा हो जाती है जिन्हें हम कभी साझा नहीं करेंगे, वे बातचीत जो हम कभी नहीं करेंगे, और वे अनुभव जो हमेशा अधूरे रहेंगे। और मुझे पता है आभास के भी यही अनुभव हैं और बातें हैं जिनकी टीस रह-रह कर उठती है।

आपके बिना यह पहला साल एक कठिन यात्रा रही है, जिसने मुझे अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। यह जीवन की नाजुकता का एक कड़ा सबक है। मैंने सीखा है कि किसी दिन या किसी व्यक्ति के महत्व को कम नहीं आंकना चाहिए। क्योंकि एक क्षण में वह व्यक्ति शायद कभी लौट कर नहीं आये इसकी पूरी संभावना है। यह मैंने 06/11/2022 को बहुत अच्छी तरह से महसूस कर लिया है। आपकी अनुपस्थिति ने मुझे हर पल, हर याद और हर रिश्ते को संजोना सिखाया है जो मेरे जीवन का एक कटु सत्य है।

दूसरों पर निर्भर जीवन छोड़कर अच्छी तरह और स्वस्थ रहने का आपका अटूट संकल्प, आपकी ताकत और स्वतंत्रता का प्रमाण था। आप अंत तक अपनी गरिमा बनाए रखने की इच्छा में दृढ़ थे। दूसरों की दया पर जीने से आपका इनकार, अपनी शर्तों पर जीवन जीने की आपकी प्रतिबद्धता और अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने का आपका दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। मुझे हमेशा याद रहेगा कि आप ने नागपुर में चिकित्सकों तक को कह दिया था मैं ज़रूर मरीज़ हूँ पर मुझे मेरी गरिमा और अधिकार पता हैं। तब मैं निर्णय नहीं कर पाई थी कि मैं मुस्कुराऊँ, ग़ुस्सा करूँ या आपको दुबारा मनाने की कोशिश करूँ। पर ऐसा सिर्फ़ आप ही कह सकते थे, और मुझे गर्व है आप पर। हमेशा से था!

और अब, आपकी बेटी के रूप में, मैं देखती हूं कि मेरा भाई आभास और मैं अचानक कैसे बड़े हो गए हैं। हम आपकी भौतिक उपस्थिति के बिना स्वयं को एक दुनिया में भ्रमण करते हुए पाते हैं। इस यात्रा में, हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं, हमें इस बात से सांत्वना मिलती है कि हम आपके प्रति गहरा प्यार और सम्मान साझा करते हैं।

आपके बिना दुनिया अलग लगती है, पापा, क्योंकि आपकी अनुपस्थिति एक शून्य पैदा करती है जिसे हम हर दिन स्वीकार किए बिना नहीं रह सकते। माँ, अपने अटूट प्यार से, माता-पिता दोनों की भूमिका निभाने का प्रयास करती हैं, लेकिन आपने हमारे परिवार में जो संतुलन लाया है, वह अपूरणीय है। आपकी हँसी, प्रोत्साहन और बुद्धिमत्ता हमारे दिलों में गूंजती रहती है। हम आपकी उपस्थिति के लिए उत्सुक हैं, जिस तरह आप एक कमरे को रोशन कर सकते हैं, सामान्य क्षणों को यादगार यादों में बदल सकते हैं। हंसी, कहानी कहने और ज्ञान के इन साझा क्षणों में ही आपकी आत्मा जीवित रहती है।

आपके द्वारा देखी गई जगहों के बारे में तस्वीरें और तथ्य साझा करने का आपका उत्साह बहुत याद आता है। सीखने के प्रति आपकी अतृप्त जिज्ञासा और जुनून सचमुच उल्लेखनीय था। दुनिया की खोज के प्रति आपका प्यार एक शौक से कहीं अधिक था; यह जीवन के प्रति आपके उत्साह और ज्ञान के प्रति आपकी अटूट प्यास का प्रतीक था। आपका उत्साह प्रेरणा का एक गहरा स्त्रोत बना हुआ है, जो मुझसे हर दिन को उसी आश्चर्य और जिज्ञासा के साथ देखने का आग्रह करता है जैसा आपने किया था।

एक लेखक और पत्रकार के रूप में, आप केवल शब्दशिल्पी ही नहीं बल्कि कहानीकार भी थे। आपके शब्दों में दिलों को मोहित करने और दिमागों को प्रज्वलित करने की शक्ति है। मैंने आपसे शब्दों की बुनाई की कला सीखी है। मानवीय अनुभवों के सार को पकड़ने और परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए लिखित शैली उपयोग करने की कथाएँ जो आपने साझा की हैं, वो अब याद आती हैं। एक विपुल लेखक और पत्रकार के रूप में आपकी विरासत ने अनगिनत जिंदगियों पर एक अमिट छाप छोड़ी है, और मैं उस विरासत का एक टुकड़ा अपने भीतर लेकर चलने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं।

आपने अपने अयान को जो कहानियाँ सुनाईं, उनमें आप सिर्फ एक कहानीकार नहीं थे, बल्कि एक स्मृति-निर्माता थे। हमारे जीवन, आपके कारनामों और आपके अनुभवों के बारे में आपके उपाख्यानों ने हमारे परिवार को करीब ला दिया, साझा क्षणों और संजोई यादों का एक क़ालीन बुन दिया। आपकी कहानी कहने की कला ने ऐसे बंधन बनाए जो पीढ़ियों से आगे निकल गए।

आपकी विरासत केवल हमारे परिवार तक ही सीमित नहीं है। आप अपने पीछे लोगों का एक अद्भुत, प्यार करने वाला और सहयोगी समूह छोड़ गए हैं जो सिर्फ आपकी वजह से हमारे लिए मौजूद हैं। इस चुनौतीपूर्ण वर्ष के दौरान मित्रों, परिवार और शुभचिंतकों का यह नेटवर्क अमूल्य रहा है। यह आपके आस-पास के लोगों के जीवन पर आपके प्रभाव का एक प्रमाण है, और यह एक विरासत है जो हमें शक्ति और सांत्वना प्रदान करती रहती है।

पापा, आपका प्रभाव उन लोगों तक फैला हुआ है जिन्हें आप जानते थे; यह छोटी-छोटी चीज़ों, तौर-तरीकों, लोगों, स्थानों, भोजन, आपके कार्यालय, आपके लेखों और लगभग हर जगह अंतर्निहित है। आप हमारे चारों ओर की दुनिया का एक हिस्सा हैं, हमारे जीवन के हर पहलू में आपकी उपस्थिति का एक सौम्य अनुस्मारक हैं।

आपकी बेटी होने के नाते, मैं आपकी विरासत को आगे ले जाने, आपके द्वारा मुझे दिए गए मूल्यों के अनुसार जीने और अपनी शर्तों पर जीवन जीने की आपकी प्रतिबद्धता को जारी रखने का वादा करती हूं। आपकी स्मृति शक्ति, प्रेरणा और प्रेम का एक स्थायी स्त्रोत है।

आप हमेशा मेरे सुपरहीरो रहेंगे, और मैं केवल आपके और आपके प्यार के कारण चमत्कारों और आशाओं पर विश्वास करना कभी बंद नहीं करूंगा। आपका अटूट आशावाद, आपकी अदम्य भावना और आपका अटूट प्रेम हमारा मार्गदर्शन करते रहते हैं, हमें हर दिन को आशा और विश्वास के साथ गले लगाने की याद दिलाते हैं।

हम आपको आंसुओं और मुस्कुराहट, लालसा और कृतज्ञता, दु:ख और सांत्वना के मिश्रण के साथ याद करते हैं। जब तक हम फिर से एक नहीं हो जाते, मैं वादा करता हूं कि हम अपने साथ बिताए हर पल को संजोकर रखेंगे और आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे।

मेरे पूरे प्यार और कृतज्ञता के साथ, [कृति सुरजन थेपड़े]

वह वर्ष 1997 था जब हमारे रास्ते मिले, और मुझे नहीं पता था कि मेरा जीवन एक उल्लेखनीय व्यक्ति के साथ जुड़ने वाला था जो न केवल मेरा पति बनेगा बल्कि मेरा सबसे बड़ा शिक्षक, विश्वासपात्र और हर मायने में साथी भी बनेगा। जिस दिन से हमने अपनी शपथ ली थी उस दिन से 2022 के उस दुर्भाग्यपूर्ण वर्ष तक, हम प्यार, हँसी और साझा ज्ञान से भरी यात्रा पर निकल पड़े।

मेरे पति शब्दों के धनी, कहानी कहने के उस्ताद और एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जो ऐसी रचनायें गढ़ सकते थे जो पहाड़ों को हिला सकती थीं। शब्दों और पत्रकारिता के प्रति उनका समर्पण संक्रामक था। उन्हीं से मैंने साहित्य की सराहना करने की कला, शब्दों की ताकत और कहानी कहने की गहराई सीखी। वह सिर्फ एक पत्रकार नहीं थे; वह ज्ञान का एक जीवंत, सांस लेने वाला विश्वकोश थे, और मैं उनसे सीख पाने के लिए भाग्यशाली थी।

उनका सामाजिक दायरा विशाल और विविध था, जो उनके पेशे में उन्हें मिले सम्मान और प्रशंसा का प्रमाण है। जब वह बुद्धिजीवियों, कलाकारों और विचारकों से भरे कमरे में सहजता से प्रवेश करते थे तो मैं अक्सर खुद को आश्चर्यचकित पाती थी। उनकी बातचीत विचारों की एक सिम्फनी की तरह थी, प्रत्येक स्वर दूसरे के साथ सामंजस्य बिठाता था।

लेकिन अपने पेशेवर व्यक्तित्व से परे, वह मेरी चट्टान, मेरा समर्थन और मेरे अंतहीन प्रोत्साहन का स्त्रोत थे। आत्म-संदेह के क्षणों में, वह एक अटल आवाज़ थे जो मुझे आश्वस्त करती थी कि मैं किसी भी चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकती हूँ। अंधेरे के क्षणों में, उनकी रोशनी ने आगे का रास्ता रोशन कर दिया, मुझे याद दिलाया कि आशा और हिम्मत किसी भी अभाव और विपत्ति को दूर कर सकता है।

शब्द के हर मायने में हम हमेशा एक टीम थे। उनके कार्य हमारे साहसिक कार्य बन गए, और उनके लेख हमारी साझा विजय बन गए। पत्रकारिता की दुनिया में, उन्हें एक सामान्य उद्देश्य, सच्चाई के लिए एक उद्देश्य और उन कहानियों पर प्रकाश डालने का भार मिला जो सुनाने लायक थीं।

दीपक जी, एक उम्दा इंसान तो थे ही, एक बेहतरीन मित्र, ज़िम्मेदार पति और स्नेही पिता भी थे। आभास और कृति दोनों ही इस बात की मिसालें हैं।

2022 में, जिस वर्ष हमने अपनी पच्चीसवीं वर्षगांठ मनाई, जीवन ने हमारे साथ एक क्रूर व्यवहार किया। एक ऐसा शून्य प्रकट हुआ जिसे कोई भी शब्द नहीं भर सकता। जैसा कि मैं अपने जीवनसाथी के खोने का दु:ख मना रही हूँ, मैं अपने साथ उनके द्वारा दी गई सीख, हमारे द्वारा बनाई गई यादें और वह स्नेह जो शाश्वत बना हुआ है, ले जा रही हूँ। उनकी अनुपस्थिति हर दिन महसूस होती है, उनकी हँसी हमारे घर के कोनों में गूंजती है, और उनकी बुद्धिमत्ता जीवन के उतार-चढ़ाव में मेरा मार्गदर्शन करती है।

दीपक जी, आप अपने पीछे शब्दों, रिश्तों और स्नेह की विरासत छोड़ गए हैं जो हमें घेरे हुए है। जैसा कि मैं आपको इस सांसारिक क्षेत्र में विदाई दे रही हूं, मैं जानती हूं कि हमारा बंधन कभी नहीं टूटेगा। – माधुरी सुरजन

एक सौम्य-शांत और गंभीर पत्रकार भाई दीपक सुरजन

जो लोग समय की धारा के साथ न चलकर, समय की धारा को मोड़ने का यत्न करते हैं, वे अपने जीवन का स्वर्णिम इतिहास स्वयं रचते हैं। किसी भी विरासत को सहेजकर सम्मानजनक ढंग से, अपने बाद की पीढ़ी को सौंपकर जाना, सही अर्थों में किसी तपस्या से कम नहीं होता। दैनिक देशबन्धु के जबलपुर और सतना संस्करण के संपादक स्मृतिशेष दीपक सुरजन को पत्रकारिता तो विरासत में मिली थी। लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में नाम और प्रसिद्धि उन्होंने अपने परिश्रम से हासिल की थी। आपके बाबूजी स्मृति शेष मायाराम सुरजन मध्यप्रदेश की हिन्दी पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर थे। लेकिन आज पत्रकारिता के क्षेत्र में काम कर रही युवा पीढ़ी के बहुत कम लोग ही इस बात की जानकारी रखते होंगे, कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी विशेष परिस्थियों में सलाह- मशविरा के लिए मायाराम सुरजन को प्रधानमंत्री कार्यालय दिल्ली आने के लिए बुलावा भेजती थीं। आज के दौर में किसी पत्रकार को इतना मान और मान्यता मिलना ही कल्पना के बाहर की बात है।

बात 1990-92 के आसपास की रही होगी, जब दीपक भाई ने जबलपुर आकर देशबन्धुके संपादक पद के चुनौतीपूर्ण, कांटों भरे ताज को पहनना स्वीकार किया था। तब बल्देवबाग से नौदरापुल का सफर तय करके, देशबन्धु की कहानी वैसी ही थी, जैसी आमतौर पर अखबारों की हुआ करती है। यानि आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया। ऐसे विपरीत हालात में अपने पुरुषार्थ से दीपकभाई ने आठ पृष्ठीय श्वेत-श्याम देशबन्धु को पहले दस पृष्ठीय बनाया, फिर 12 पृष्ठीय ही नहीं बनाया, बल्कि अपने परिश्रम के रंग भरते हुए, देशबन्धु को रंगीन भी कर दिखाया। आज की स्थिति में देशबन्धु पूरे महाकौशल के उन पहुंच-विहीन गाँवो के पाठकों का सच्चा मित्र कहा जा सकता है, जिनकी आवाज में आवाज मिलाकर वह पत्रकारिता का धर्म निभा रहा है। दीपक भाई ऐसे अजातशत्रु थे, जिनने अपनी जबलपुर की तीन दशक की पत्रकारिता में कभी किसी को शिकायत का अवसर नहीं दिया। वे मनसा वाचा कर्मणा की पारदर्शी सोच के साथ पूरे समर्पण से अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ते रहे। आज दीपक भाई दुनिया में नहीं है लेकिन उनके परिश्रम-सोच और लक्ष्य का दीपक हमेशा देशबन्धु को प्रकाशित करता रहेगा।

1952-53 में श्रद्धेय बाबूजी मायाराम सुरजन ने नवभारत के जबलपुर संस्करण की बागडोर संभाली थी. उसी समय से पिता श्री स्व. सुशील श्रीवास्तव उनसे जुड़ गए। हालांकि इसके पहले पिताजी दैनिक जयहिंद में अपनी सेवाएं दे चुके थे। यह जुड़ाव नवभारत के बाद नईदुनिया और जबलपुर समाचार, देशबंधु तक कायम रहा। यानी अब संबंधों और पारिवारिक रिश्तों के सात दशक एवं तीसरी पीढ़ी के जुड़ाव का अमृतकाल आरंभ होने वाला है। स्व. मायाराम सुरजन की जबलपुर की संघर्षशील पत्रकारिता की रामायण में ख्यातिलब्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई,प्रबुद्ध गुरु स्व. हनुमान प्रसाद वर्मा हनुमान थे तो अगंद की भूमिका में स्व. सुशील श्रीवास्तव ही एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें अखबारी कामों को निपटाने के लिए रिक्शा भत्ता दिया जाता था। उस समय तक पिताश्री को साइकिल चलाना, हवाई जहाज चलाने जैसा कठिन लगता था। फिर जब हमने देशबन्धु से अग्रदूत का प्रकाशन शुरू किया तब धीरे-धीरे पुरानी बातें सामने आईं आपसी सामंजस्य बढ़ा फिर तो दीपक भैया के साथ घंटों की बैठकें शुरू हो गई और भाई-भाई का अटूट रिश्ता बन गया । वो दौर गुजर गया, वे लोग चले गए। अब तो मुंह देखी की दुनिया रह गई है।

अरुण श्रीवास्तव (संपादक- दैनिक अग्रदूत)

सहज, सतर्क और सरोकारी दीपक भैया के साथ पता ही नहीं चला 3 दशक उनके साथ कब बीत गए...

कुछ व्यक्तित्व दुनिया में ऐसे होते हैं, जो सहजता के साथ कब अपने बन जाते हैं और दूसरों को अपना बना लेते हैं, पता ही नहीं चल पाता। स्मरणीय दीपक सुरजन जी भी ऐसी ही शख्सियतों में शुमार होते हैं। दीपक भैया के साथ मेरा तीन दशकों से ज्यादा का सफर न जाने कितनी ही यादों को समेटे हुए है। कभी अग्रज सा प्यार और कभी मीठी फटकार भी, यह सिलसिला तब से चलता रहा, जब मैं 1991 में देशबन्धु में छायाकार और पत्रकार की हैसियत से दाखिल हुआ। नवभारत समाचार पत्र से देशबन्धु पहुंचा था, सो भैया ने बड़ी सहजता से कहा- कटारे जी ने मुझे तुम्हारे बारे में सब कुछ बता दिया है आनंद, और नवभारत, नवीन दुनिया में तुम्हारा काम देखा है, बस घर जैसी भावना से यहां शुरू हो जाओ। मैं पहले ही दिन उनकी इस सहज आत्मीयता का कायल हो गया। कोई बड़ा भाई नहीं था सो मान लिया कि अब बड़े भैया मिल गये हैं।

ऐसे पचासों मौके हैं जब मुझे जबलपुर और जबलपुर से बाहर दीपक भैया के साथ रिपोर्टिंग के अवसर प्राप्त हुए। और इसी दौरान मैं यह समझ पाया कि दीपक भैया में सहजता जितनी कूट-कूट कर भरी है, उतनी ही सतर्कता भी उनके व्यक्तित्व में शामिल है और सरोकार तो जैसे रग-रग में बसे हों।

मैं दीपक जी के साथ अटल जी की सभा कवर करके लौट रहा था और उसी समय उन्होंने मुझसे प्रश्न किया- सभा तो ठीक थी, तुम्हें कैसा लगता है आनंद, किसकी सरकार बन सकती है ? मैंने कहा अटल जी चौतरफा पसंद किये जा रहे हैं, कांग्रेस अकेली सोनिया के सहारे है, तो शायद भाजपा सरकार बना ले। दीपक जी इस बात पर थोड़ा मुस्कुराए और फिर बड़ी सहजता से बोले- अभी तो नक्शा भले ही ऐसा दिख रहा है लेकिन और अच्छे से समझो, मुझे लगता है कांग्रेस आ जायेगी। दीपक भैया की यह बात उस समय तो मुझे थोड़ा संशय भरी लगी, लेकिन जब कांग्रेस यूपीए गठबंधन के साथ सरकार में आ गई और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बना दिये गये तो मुझे वह पूरा चित्र आंखों के सामने दौड़ गया, जब दीपक जी ने अटल जी की सभा से लौटते हुए मुझसे जो बातें कही थीं। ऐसे पारखी पत्रकार थे दीपक जी।

सरोकार ऐसे कि सीवर लाईन पाईप में जिन्दगी के आखिरी दिन गुजार रहे एक बीमार पति-पत्नि का नजारा उन्होंने कर लिया, तो प्रेस आते ही मुझसे बोले-चलो तुम्हारे लिये बढ़िया स्टोरी है और बेसहारा लोगों को कुछ मदद भी मिल जाएगी। मेरे साथ स्कूटर पर पीछे बैठे और हम दोनों टेलीग्राफ गेट नम्बर - 3 के पास रात को ही पहुंच गये, जहां बड़ी पाईप लाईन के पाईप में एक महिला -पुरूष चावल उबाल रहे थे। दीपक जी बड़ी सहजता से उनके पास बैठ गये और फिर हम दोनों ने उस मजबूर दम्पति का पूरा हाल चाल जाना, खबर भी मार्मिकता से लिखी गई और प्रमुखता से प्रकाशित हुई। बेसहारा दम्पति को देशबन्धु की खबर के बाद सहारा भी मिल गया।

ऐसे न जाने कितने प्रसंग हैं जिनकी फेहरिस्त काफी लम्बी है, फिर कभी किसी प्रसंग में बातें होंगी। देशबन्धु में छायाकार, पत्रकार, नगर प्रमुख से लेकर स्थानीय सम्पादक तक का सफर दीपक जी के सार्थक मार्गदर्शन में चलता रहा और अब उनकी स्मृतियों और सीखों के सहारे आभास के साथ चल रहा है।

– आनंद मनोध्या (समाचार सम्पादक देशबन्धु)

दीपक भैया का नाम ही एक अच्छा आकर्षण है जो भी उनसे पहली बार मुलाकात करता वह उनका ही हो जाता था। ऐसी शख्सियत के साथ मुझे भी कार्य करने का सौभाग्य मिला परम आदरणीय दीपक भैया अपनी चिन्ता न कर दूसरों की ज्यादा करते थे। उनकी सहजता, सरलता और निस्वार्थ व्यक्ति वर्तमान युग में मिलना काफी मुश्किल है। जहाँ पर भी उन्होंने मेरा परिचय करवाया यह कहकर करवाया कि मैं परिवार का वरिष्ठ सदस्य हूँ वैसे तो पूरे प्रेस के कर्मचारियों से उनका पारिवारिक रिश्ता था। सभी के सुख -दुख में शामिल होकर जो भी सहायता होती भैया करते थे। इस प्रकार का स्वभाव सन्त व्यक्ति की ही निशानी कही जा सकती है इसमें किसी भी प्रकार की अतिशयोक्ति नहीं है उनके सरल स्वभावके कई उदाहरण हैं वर्ष 2005 में मैंने अपने गृह प्रवेश पर भैया को आमंत्रित किया था, चूंकि वह पत्रकारिता के प्रति अधिक गंभीर रहते थे उस दिन प्रेस में कार्य की अधिकता के कारण मेरे घर बहुत विलम्ब से पहुँचे थे, पर भोजन लगभग समाप्त हो गया था। केवल पुड़ी और एक सब्जी बची हुई थी भैया के लिए मैंने गरम सब्जी और पुड़ी बनवानेका प्रयास किया था तो उन्होंने मना कर दिया और ठण्डी पुड़ी सब्जी आचार मांग कर भोजन किया उनकी इस सादगी को पूरे परिवार ने सराहा यह पल कभी भी नहीं भुलाया जा सकता है। इसी प्रकार कृति (गुड़िया) का विवाह समारोह वर्ष 2010 में पुणे में सम्पन्न हो रहा था मैं भी इस समारोह में शामिल था जब खाना परोसा जा रहा था तब भैया मेरे पास में आकर पूछने लगे कि व्यवस्था ठीक है या कोई कमी है, तब मैंने उनसे आग्रह किया और उनके स्थान पर ले जाकर बैठाया। इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम में इस प्रकार का ख्याल रखना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। जादूगर एस.के. निगम से शहीद स्मारक में मुझे सम्मानित कराया इस पल को नहीं भुलाया जा सकता है। भैया इतने सरल स्वभाव के थे कि वह हर किसी से मिलकर प्रगाढ़ सम्बंध बना लेते थे। वर्ष 2018 में ही पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से भी भैया के साथ भोपाल प्रवास के दौरान कमलनाथ जी का साक्षात्कार किया। अधिकतर प्रश्न भैया द्वारा बनाए गए थे सात प्रश्न मैने भी किए। इसी दौरान जबलपुर के कांग्रेस पदाधिकारी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होने के कारण उस पदाधिकारी की छूटटी होने वाली थी परंतु भैया के आग्रह के कारण कमलनाथ जी ने अपना निर्णय बदला और समझाइश देकर मामला शांत कर दिया था। -अशोक मिश्रा

आदरणीय दीपक भैया के चरणों में शत् शत् प्रणाम करते हुए हृदय से उनको पुष्परूपी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। ये हमारे लिए बहुत ही दुख की बात है की पिछले वर्ष आज के दिन ही विधाता ने दीपक भैया की स्नेहिल छत्रछाया हमसे सदा के लिए छीन ली थी, तबसे उनकी कमी हर पल हमे महसूस होती है। भैया का हंसमुख चेहरा हमेशा ही मन मस्तिष्क में याद रहेगा। जीवन का अंत एक शाश्वत सत्य है, ये जानते हुए भी मन यह मानता ही नहीं की भैया हमारे बीच नहीं रहे। उनकी स्मृति हमे हर पल उनके होने का एहसास कराती है। उनके लिए भगवान से प्रार्थना करती हूं की वो जहां भी है, भगवान उनको मुक्ति प्रदान करे एवं उनकी कृपा हम सब पर हमेशा बनी रहें। **- मीना अग्रवाल**

दीपक भैया, नाम दीपक और उनके व्यक्तित्व की रोशनी सूरज जैसी।

हृदय में सरलता, व्यवहार में सहजता, और चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान, यही है उनकी पहचान।

मुझे उनका काफी सानिध्य मिला, कई बार कई विषयों पर उनसे चर्चा हुई, उनका ज्ञान सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर काफी अधिक था इसके बावजूद वह धैर्यपूर्वक संवाद करते थे और सभी की बात बड़ी विनम्रता से सुनते थे। वे बेहद ईमानदार व्यक्ति थे उन्होंने हमेशा अपने उसूलों को बेहद संजीदगी से निभाया। उनकी यादें हम सभी के दिलों में हमेशा रहेगी। **-रवि राठी (सी.ए.)**

दीपक भैया और देशबन्धु...

16 जुलाई 2007 का दिन हमेशा मुझे याद रहेगा। जब मैने पहली बार देशबंधु के ऑफिस में कदम रखा था। तब मुझे लगा ही नहीं था कि मैं किसी अखबार के दफ्तर में आया हूं। परिवारिक माहौल देखकर मैं खुद भी आश्चर्यचकित हो गया। दीपक भैया से मेरी पहली मुलाकात भी उसी दिन हुई थी। मुझे महसूस ही नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े अखबार के मालिक से बात कर रहा हूं। मुझे यह लगा कि मैं अपने घर के किसी सदस्य अथवा बड़े भाई से बात कर रहा हूं। वैसे तो मैं वर्ष 1998 में पत्रकारिता में कदम रख चुका था। एक दो अखबारों और एक दो राष्टीय चैनलों में भी काम किया। इनमें स्वतंत्र मत एवं नेशनल चैनल जैन टीवी दिल्ली प्रमुख रहे। कालांतर में इन संस्थानों से अलग हो गया।

देशबंधु पत्रकारिता की पाठशाला है। इसमें कोई दो राय नहीं, क्योंकि यहां बहुत कुछ सीखने-समझने का मौका मिला। दीपक भैया एवं माधुरी भाभी ने मुझे हमेशा मुझे अपना छोटा भाई बेटा माना। दीपक भैया का संवेदनशील स्वभाव और सादगी अनमोल है। मुझे आज भी याद है मैं ऑफिस में बैठा था, भैया से चर्चा कर रहा था और मुझे वापस कटनी आना था। मेरी ट्रेन का टाइम हो गया था। भैया ने मुझे अपने स्कूटर में बैठ कर स्टेशन तक छोड़ा। शायद ही कोई अखबार का मालिक संपादक होगा जो अपने जिला प्रतिनिधि को इतनी तवज्जो देता हो। समय-समय पर मुझे जबलपुर आने को कहते थे। मैं जाता था तो उनसे घंटों तक बातचीत होती थी। उनकी तरफ से कभी भी अखबार को व्यापार नहीं बनाया गया।

दीपक भैया हमेशा मुझे भी यही समझाइश देते रहे कि अखबार अखबार ही रहे, कभी वह प्रोफेशनल न बने। जैसा अखबार का नाम है देशबंधु, वह हमेशा जनता की आवाज बने, और हमेशा जनता का सहयोगी रहे।

कटनी में पत्रकारों का जिला पत्रकार संघ था। उसके चुनाव हुए और हमारे करीबी अध्यक्ष बने। मैं स्वयं उपाध्यक्ष बना। भैया से निवेदन किया कि आपको कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आना है। उन्होंने सहज भाव से स्वीकार किया और जिला पत्रकार संघ के कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहिणी भी शामिल हुए थे। दीपक भैया ने मंच से सभी पत्रकारों को संबोधित भी किया।

26 जनवरी 2017 को मेरे पिता जी का निधन हुआ, दीपक भैया को जब पता चला तो भाभीजी के साथ कटनी आए और मेरे सिर पर हाथ रख कर कहा कि-तुम चिंता मत करना गिरीश, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। जिस दिन तुम देशबंधु छोड़ोगे उस दिन देशबंधु तुमसे अलग होगा, नहीं तो देशबंधु कभी तुमसे अलग नहीं होगा। मैने भी उन्हें वचन दिया कि-भैया जब तक मेरी सांस चल रही है, तब तक मैं देशबंधु से अलग नहीं हो सकता। आज भैया हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनकी यादें सदैव साथ रहेंगी। भैया के बारे में लिखने बैठूंगा तो पूरी एक किताब भर जाएगी, क्योंकि वह ऐसी शख्सियत थीं जिसका कोई सानी नहीं था। भैया ने जो मुझे प्यार और सम्मान दिया है, मैं उनका जीवन भर ऋणी रहूंगा। भैया की जब तबीयत खराब हुई, मुझे पता चला तो मैं बार-बार फोन करके वासु भैया एवं भाभी जी से बात करता था। बातों से मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे उनके पास होना चाहिए . और मैं नागपुर पहुंच गया। जैसे ही सुबह आईसीयू रूम में उनके पास पहुंचा तो मुझे देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए। वो बोले-तुम क्यों परेशान हुए हो, चलो पर तुम आए तो मुझे अच्छा लगा...थैंक यू। दरअसल उनका आत्मीय लगाव ही मुझे नागपुर तक खींचकर ले गया और अंतिम समय में उनके पास ही था। 6 नवंबर 2022 का दिन अभी तक के मेरे जीवन का सबसे दुखद पड़ाव रहा।

-गिरीश श्रीवास्तव (कटनी)

दीपक भैया और मेरा सफर

दैनिक देशबन्धु जबलपुर में मुझे 24-10-1980 से काम करने का मौका मिला। तब आदणीय बाबू जी का संरक्षण और आर्शिवाद मिला। धीरे.धीरे उनका मार्गदर्शन एवं संपादक मण्डल का सहयोग मिलता गया और देशबंधु जैसे निष्पक्ष निर्भीक अखबार में काम करते हुये ग्रामीण अंचलों की स्टोरी और दिनचर्या में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं का समाचार प्रकाशन करने का मौका मिला। जूनियर होने के नाते अनेक त्रुटियां हुई जिसमें सुधार के लिए न केवल बाबूजी का मार्गदर्शन मिलाए अपितु संपादक मण्डल ने भी मुझे भरपूर सहयोग किया। अनेकोबार कठिनाईयां आईए बाबूजी के नजदीकी यूं कहें कि रिश्तेदारों ने भी मुझे घेरने का प्रयास किया और मेरी शिकायतें भी हुईए परंतु बाबू जी ने उन शिकायतों का उत्तर भी संबंधित रिश्तेदारों को देते हुये उसकी प्रति मुझे भी दी जिसमें लिखा था किए बेशक आप हमारे रिश्तेदार है लेकिन हमारे प्रतिनिधि ने जो समाचार संप्रेषित किया है। उसकी छानबीन मैंने की है और वह पूर्ण रूप से न केवल सत्यता के करीब है अपितु: सत्य ही है। रिश्तेदारी अपनी जगह और अखबार का काम अपनी जगह है। कृपया मुझसे रिश्तेदारी निभायें और अखबार के मामले में दखल न करें। तब से मैंने मन में ठान लिया था कि पत्रकारिता के क्षेत्र में मैं यदि काम करूंगा तो देशबन्धु में वर्ना पत्रकारिता ही नही करूंगा। क्यूंकि बाबूजी के पत्र ने मुझे ताकत और उर्जा प्रदान की थी। इसी बीच बाबूजी का निधन हुआ और बागडोर आदरणीय भैया दीपक सुरजन जी के कंधो पर आई। तब मैंने उनसे पूछा था किए भैया आपका क्या निर्देश है उस हिसाब की पत्रकारिता हम करेंगे। आदरणीय दीपक भैया का मुझे जो निर्देश मिला वह यह था कि आप हमारे केवल प्रतिनिधि नही बल्कि देशबन्धु के वरष्ठि एवं पारिवारिक सदस्य है। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता की बात की थी और यह कहा था कि समाचार प्रेषित करते समय इस बात का ध्यान रखें कि किसी की व्यक्तिगतए दुर्भावनावश समाचारों का प्रकाशन न करें खासकर किसी महिला अधिकारी और अन्य व्यक्तियों का चरित्रहनन करने का बिलकुल भी प्रयास न करें। समाचारों का संप्रेषण इस तरह हो कि अपने पास पुख्ता प्रमाण हो तभी उसका प्रकाशन करें। लेकिन जिसमें जनता का हित हो, जनहित जुड़ा हो और रोजगार के अवसर हो ऐसे समाचारों का सत्यापन स्वंय स्थल पर जाकर देखें लोगों से पूछें और उनका भी पक्ष लेकर अवश्य प्रकाशन करें। आदरणीय दीपक भैया का लंबे समय तक सहयोग मिला या यूं कहूं कि उन्होंने कभी मुझे जिला प्रतिनिधि नही समझा और न ही मैंने उन्हें मालिक समझा। वे हमारे मार्गदर्शक रहे और मैं उनका अनुज रहा। अनेक कठिनाईयां आई अनेक नये अखबार छिंदवाड़ा जिले में लांच हुये लेकिन इस प्रतिस्पर्धा में आदरणीय दीपक भैया ने मुझसे कोई शर्त नही रखी, जैसा कि आज इस दौर में सबकुछ चल रहा है। यही कारण है कि संपादक मण्डलों का सहयोग और दीपक भैया का सानिध्य मिला जिसके कारण मुझे वर्ष 1991 में तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री बिसाहूलाल साहू के हस्ते गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस परेड मैदान में जिले का पहला खोजी पत्रकारिता का पुरूस्कार मिला। दीपक भैया अनेक मोड़ों पर जब मेरी आर्थिक स्थिति गड़बड़ाई थी, तब उन्होंने मदद की यह कहने में मुझे संकोच नही है । जब वे अस्वस्थ हुये और नागपुर में उपचार हेतु भर्ती हुये तब मैं उन्हें देखने के लिए आईसीयू में मिलने के लिये गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी। मेरे मिलते ही उन्होंने अपना कुछ बोलने के पहले मुझसे पूछा था कि आप कैसे हो, बहू कैसी है, बच्चों का स्वास्थ्य ठीक है कि नही। उस समय मेरी आंखे भर आई और मैंने कहा आपका आर्शिवाद है आप ठीक होकर जल्दी पुन: प्रेस का काम संभालिये लेकिन ईश्वर को मंजूर नही था और वे देवलोक गमन कर गये। दीपक भैया और मेरा यहीं तक सफर था ।

- आर.एस.वर्मा (छिन्दवाड़ा)

दीपक भैया के साथ कुछ यादें

मैं दीपक भैया के साथ 1989-90 से देशबन्धु भोपाल संस्करण प्रात: कालीन का पुन:प्रारंभ हुआ था, तब से उनके साथ हूं । मैं पहले भोपाल में ही केनवासिंग का काम करता था। भोपाल में एक दिन दीपक भैया से प्रेस कार्यालय मिलने गया तब उन्होंने कहा यहीं आ जाओ, तब से मैं देशबन्धु भोपाल से जुड़ गया और उनके साथ लगातार जुड़ा हुआ हूं। भैया और मेरा काफी दुख-सुख का साथ रहा। वह बहुत सहृदय सहज व सरल व्यक्तिव के व्यक्ति थे। कभी छोटे बड़े का भेद भाव नहीं रखा। उन्होंने हमेशा हमें बढ़ाने के लिए प्रयास किया । आज उन्हीं के कारण देशबन्धु में प्रमुख पद पर कार्यरत हूं। उन्होंने मुझे बहुत मान सम्मान दिया। जहां जबलपुर में जादूगर निगम महर्षी महेश योगी जयंती पर पत्रकारों का सम्मान करते हैं उन्होंने मेरा नाम भेज मुझे सम्मानित करवाया और साथ में गाड़ी भी दी, कहा गाड़ी ले जाना, यह उपकार मुझे उनका सदा याद रहेगा। मैने उनके साथ कई यात्रायें की मंडला, नरसिंहपुर, उमरिया,नैनपुर, छिन्दवाड़ा,कटनी आदि उन्होंने कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि वे बड़े है और मैं उनसे छोटा हूं, हमेशा बराबरी से अपने साथ बिठाया सम्मान दिलवाया। एक बार मारवाड़ी सम्मेलन में स्टेज पर अपने विचार बोलने के लिए मेरा नाम एनाउंस कर दिया, मैं डर गया क्योंकि पहले कभी स्टेज पर बोला नहीं था । उन्होंने हिम्मत दी और कहा बोलो डरो मत, पर उस समय ज्यादा नहीं बोल पाया उन्होंने कहा बहुत बढ़िया इसी तरह हिम्मत करोगे तो और अच्छा बोल पाओंगे। मैने इसी बीच कविताऐं लिखना प्रारंभ कर लिया उन्होंने मेरी हौसला अफजाई की कहा अच्छा लिखते हो तुम में काबिलियत है इससे भी अच्छा लिख सकते हो। आप कोई अच्छा कार्य कर सकते हो वो उसे स्वीकार करते धन्यवाद देते थे। मैने एक योजना बनाई कि प्रेस के सभी व्यक्तियों का वेतन समय पर एक साथ हो जाये। उन्होंने कहा ठीक है करो प्रयास। वह प्रयास सफल रहा और उन्होंने वहां रायपुर से मुझे धन्यवाद दिया। यह सिलसिला बहुत समय तक चलता रहा। एक बार मैं भाभी के साथ चौरई गंगवाल जी के यहां शादी में गया था। लौटकर वापिस आये तो भैया को फोन किया हम लोग आ गये है तो उन्होंने कहा में आता हूं लेने, वो थोड़ी देर बाद लेने आयें तो बोले तुम चले जाते तब मैने मजाक में कहा आपकी अमानत मेरे पास थी में कैसे छोड़कर जा सकता था, बहुत जोर से हंसे और कहा ठीक बात है। आज इस दिन में अपनी और परिवार की ओर से उनकी अब बस यादें ही हम सब के साथ रह गई हैं,जिनके साथ रह कर आगे बढ़ने का प्रयास हम कर रहे हैं। उनकी स्मृति में शत् शत् नमन अर्पित करता हूं। **- मोहन सुरजन**

मेरे निडर और निर्भीक मार्गदर्शक

मेरे दीपक भैया से दो दशकों से भी ज्यादा के पारिवारिक संबंध रहे हैं। दीपक भैया संपूर्ण व्यक्तित्व और सिद्धांतों से कभी समझौता ना करने वाले दोस्त और भाई रहे। वह नियमित रूप से मेरे ऑफिस आते थे और चाय-कॉफी पर देश, दुनिया, अर्थ-जगत सहित कई राजनीतिक तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा होती। कई बार उन चर्चाओं में वैचारिक दृष्टिकोण से हम दोनों के बीच असहमति रही हो तो भी दीपक भैया अपनी चिर-परिचित मीठी सी मुस्कान के साथ अपनी असहमति प्रकट करते थे। लेकिन दीपक भैया ने कभी भी अपने विचार को किसी की हां में हां मिलाने के लिये नहीं बदला। पारिवारिक प्रसंगों के इतने वाक्ये हैं कि उनकी एक अलग ही फेहरिस्त बन सकती है। पर एक बात जो हर प्रसंग में विदित थी कि दीपक भैया आपके साथ हमेशा, हर हाल में खड़े थे।

दीपक भैया ने अपनी लेखनी के साथ कभी कोई समझौते नहीं किये और हमेशा निडर होकर अपने लेख के जरिये अपनी राय रखी और कभी भी किसी भी परिणाम की परवाह नहीं की। उन्होंने हमेशा सच्चाई का ही साथ दिया। उनके आज नहीं होने से मैंने एक अच्छा दोस्त, भाई, सलाहकार, मार्गदर्शक खो दिया है। पर वे हमेशा हमारी यादों में बने रहेंगे।

– अजय मारवाह

यादों के झरोखों में दीपक भैया...

दीपक भैया से हमारी पहली मुलाकात सितम्बर 1984 में रायपुर देशबन्धु में हुई थी । उस समय मैं सतना से प्रारंभ होने वाले देशबन्धु के लिये तकनीकी प्रशिक्षण लेने के रायपुर गया था । दीपक भैया प्रिंटिंग प्रेस का जॉब कार्य देखते थे, जब भी समय मिलता मैं प्रिटिंग प्रेस परिसर में जाता था मेरे साथ सतना से दो अन्य साथी और थे जो भी जिज्ञासा भरे प्रश्न हम लोग भैया से पूछते वे बड़ी ही शालीनता के साथ उसका उत्तर देते और समझाते थे।

जनवरी 1985 में मैं रायुपर से सतना आ गया और 1 फरवरी 1985 को सतना संस्करण का विधिवत प्रकाशन प्रारंभ हुआ। जिसका लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हवाई पटटी में आयोजित समारोह से किया था। प्रकाशन प्रारंभ होने के कुछ वर्षों बाद ही दीपक भैया जबलपुर संस्करण का कार्य देखने आ गये और बीच बीच मे सतना संस्करण भी आते थे। उनकी सबसे बडी खासियत ये थी कि वे कभी भी अखबार में कोई भी गलती स्वीकार नही करते थे। यदि समाचार में मात्रा पाई का भी अंतर है तो चलती मशीन रुकवाकर करेक्शन कराते फिर दूसरी प्लेट बनती और प्रिटिंग का कार्य प्रारंभ होता। वे प्रतिदिन सुबह कार्यालय आते और अखबार का बारीकी से निरीक्षण कर जहां जहां गलती होती पेन से करेक्शन करते फिर आपरेटर व संबंधित उप संपादक की पेशी होती और आगे से ध्यान रखने को कहते। दीपक भैया को जल्दी गुस्सा नही आता था परन्तु जब आता था तो बहुत ही क्रोधित हो जाते परन्तु कुछ ही क्षण बाद शांत हो जाते और ऐसा व्यवहार करने लगते कि जैसा कुछ हुआ ही नही।

अपरिहार्य कारणों के चलते वर्ष 2001 जनवरी से देशबन्धु सतना संस्करण का मुद्रण कार्य जबलपुर देशबन्धु से होने लगा । मैं जब भी जबलपुर जाता तो बड़े ही प्यार से मिलते हालचाल पूछते फिर कार्य की बात करते थे और जहां भी दिक्कत आती थी तो हमारा मार्गदर्शन करते। वे हमेशा कहा करते थे कि नियाज तुम बहुत बदमाश हो लेकिन अखबार लाइन में बदमाश होना भी जरूरी है । दीपक भैया की आंखें हमेशा मुस्कुराती रहती थी। वे कहा करते थे कि इतने सालों में सतना संस्करण के सब लोग तितर बितर हो गये परन्तु तुम्हारा स्थायित्व सराहनीय है। उनके निधन से हमने अपना एक मार्गदर्शक व शुभचिंतक खो दिया है। मेरी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि उन्हें अर्पित है।

नियाज खान (रीवा)

दीपक भैया को हमसे बिछड़े एक साल हो गये, परन्तु वे हमसे मानसिक रूप से दूर न हो सके। देशबंधु से जुड़ा हर पत्रकार शायद ही उन्हें कभी भुला सके। परम पूज्य बाबू जी स्व मायाराम जी सुरजन द्वारा पत्रकारिता के मापदण्ड का उन्होंने पूरा पूरा न केवल पालन किया वरन् इस प्रतिष्ठित अखबार से जुड़े प्रत्येक अखबारनवीस को नयी दिशा भी प्रदान करने में सफलता पाई। दीपक भैया का हमारे आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले से काफी लगाव था। उनका अनेक बार इस अंचल में प्रवास भी हुआ है। हम उम्र होने की वजह से हमारे बीच मित्रवत व्यवहार था। वे अक्सर मुझसे नर्मदा, यहां के जंगल ,जंगलों में निवासरत आदिवासियों के जीवन पर लिखने को प्रेरित करते थे। मेरी पत्रकारिता जीवन में उनका बड़ा योगदान रहा जिस ऋण से मैं कभी मुक्त नहीं हो सकता।

राजेश साहू मण्डला

यकीन ही नही होता कि दीपक भैया अब हमारे बीच नही हैं लेकिन विश्वास तो करना ही पड़ेगा कि अब वह दिव्य व्यक्तित्व ना सिर्फ हमारे बीच है बल्कि उन्हें हमसे बिछड़े घोर अवसाद भरा एक वर्ष भी बीत चुका है। आदरणीय दीपक सुरजन जी की जितनी भी स्मृतियां मेरे मन-मस्तिष्क में संग्रहित हैं उनमें उनकी वह अदभुत अपनापन वाली डांट-फटकार सदैव ही स्मरणीय रहेगी। जब कभी भी मैं प्रेस पहुंचता तो उनके चरण छूते ही सबसे पहिले अपने परिवार की कुशल-क्षेम से उन्हें अवगत कराना उनकी प्राथमिकता थी फिर अन्य बातों पर बात करना उनकी सबसे बड़ी खाशियत थी। जिनमे क्षेत्र के विकास के अलावा राजनैतिक गतिविधियों पर चर्चा खास रहती थी। दीपक भैया और उनके देशबन्धु परिवार से जुड़ने का अवसर मुझे वर्ष 1989 में मिला। देशबन्धु परिवार से मेरा शुरू से आत्मीय, पारिवारिक लगाव रहा है। यही वजह रही कि मुझे श्रद्धेय बाबूजी मायाराम जी एवं ललित भैया का भी उनके रहते खूब स्नेह मिला। साल 1997 का वह दिन भी मुझे सुखद एहसास के प्रति प्रेरित करता है जब दीपक भैया का मेरे गृह-ग्राम रनेह (हटा) में आना हुआ। भैया ने मेरे निवास पर ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से सप्रेम भेंट कर ग्राम व आसपास के कस्बों की भौगोलिक स्थिति का जायजा लेकर क्षेत्रीय विकास का उन्हें आश्वासन देते ही मुझे तत्सम्बन्ध में शीघ्र ही खबरें प्रकाशित करने का आदेश दिया। परिणाम स्वरुप रनेह ग्राम की प्राचीन-पुरातन धरोहर पर संबंधित विभाग का ध्यानाकर्षण हुआ और बिखरी पड़ी पुरातन संपदा को पुरातत्व विभाग ने अपनी निगरानी में लिया। बदौलत दीपक भैया के.....साल 2003 का वह क्षण भी मुझे अविस्मरणीय रहेगा जब दीपक भैया ने सकारात्मक खबरों के लिये मुझे स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया था। फिर देशबन्धु समाचार पत्र का तहसील प्रतिनिधि बनाने के साथ-साथ उन्होंने मुझे मध्यप्रदेश शासन से अधिमान्यता भी दिलाई। दीपक भैया से जुड़ीं जितनी भी अनगिनत और अविस्मरणीय यादों को बयां करूं कम ही होगा। भैया से बिछड़ने का वह दुख भरा क्षण भी मुझे याद है जब वह अस्पताल में इलाजरत थे तब भी उन्होंने मुझसे मेरे ही बारे में जानकारी ली। *क्या पता था कि उनसे यह मेरी अंतिम मुलाकात होगी* भैया आपके श्री चरणों मे नमन करते परमपिता परमेश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि आप भी ईश्वर के श्री चरणों में शोभायमान होंगे। पुन: नमन

श्याम नायक

(तहसील प्रतिनिधि देशबन्धु जबलपुर)

देशबन्धु परिवार
पुण्य स्मरण करता है

दमोह में दोहरे हत्याकांड से सनसनी

गांव में मां-बेटे की सोते समय हत्या, जेवरात भी गायब, आरोपी फरार

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिले में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। घर में सो रहे मां और बेटे की धारदार हथियारों से हत्या कर दी घई। कुछ जेवरात भी गायब हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

जिले के कुम्हारी क्षेत्र के हाथीभर गांव में मां, बेटे की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। परिजन खेत पर गए थे, उसी समय अज्ञात आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना पुलिस को मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस घटना स्थल पहुंची और एफएसएल टीम के साथ साक्ष्य जुटाए।

दमोह में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। घर में सो रहे मां और बेटे की धारदार हथियारों से हत्या कर दी घई। कुछ जेवरात भी गायब हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

28 वर्षीय रेखा यादव और उसका सात वर्षीय बेटा देवेंद्र मां की गोद में मृत मिला। घटना शनिवार रात की है जब रेखा यादव के ससुराल के लोग खेती के काम से पानी चलाने खेत गए थे। सुबह लौट कर आए तो देखा कि घर के दरवाजे अंदर से बंद थे और आवाज लगाने पर पत्नी ने दरवाजे नहीं खोले। परिजनों ने पीछे से जाकर खिड़की से झांक तो पत्नी और बेटा खून से लथपथ पड़े थे। घटना की जानकारी लगते ही कुम्हारी थाना प्रभारी रोहित द्विवेदी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

हटा एसडीओपी नितेश पटेल सहित तहसीलदार राजेश सोनी, एफएसएल टीम सागर से रूबी चौहान घटनास्थल पहुंचीं और जांच शुरू की। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है। विधानसभा चुनाव के चलते चारों ओर पुलिस तैनात है। इसके बाद भी आरोपियों ने दो हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया। परिजनों ने बताया कि लूट भी की है। आरोपी कुछ जेवरात लेकर फरार हो गए हैं। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हटा एसडीओपी नितेश पटेल ने बताया की मां, बेटे की हत्या अज्ञात आरोपियों द्वारा की गई है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आरोपी की तलाश की जारी है। हत्याकांड से सनसनी फैल गई। घर में सो रहे मां और बेटे की धारदार हथियारों से हत्या कर दी घई। कुछ जेवरात भी गायब हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

अभी सर्द हवाओं के लिये करना पड़ेगा कुछ दिनों का इंतजार

दक्षिण से पूर्व की तरफ चलने वाली हवाओं का असर, दिन के तापमान में 2 डिग्री की वृद्धि

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर और आस-पास के क्षेत्रों में अभी तेज ठंड से लोगों को राहत रहेगी। मौसम विभाग की माने तो अगले तीन से चार दिनों तक ठंडी हवाएं नहीं चलेंगी। हालांकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री कम आंका गया है। प्रदेश में सबसे कम तापमान छिंदवाड़ा का 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं सबसे ज्यादा टीकमगढ़ का तापमान रहा, जो 34 डिग्री सेल्सियस के करीब बताया गया है। सागर संभाग के जिलों में रात का मौसम बदला हुआ है जिसमें लोगों को हल्की सर्दी महसूस होने लगी है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 32.4 और न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बीते साल 32.9 और 17.2 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। अभी दक्षिण से पूर्व की तरफ चलने वाली हवाएं तीन से चार किमी प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं।

ऐसा कहा जा रहा है कि जब तक उत्तर की तरफ से हवाएं नहीं आयेंगी तब तक मौसम का मिजाज कमोवेश इसी तरह का बना रहेगा। अगले चौबीस घंटे में मौसम के आम तौर पर शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

इधर मौसम के मौजूदा रूख का प्रभाव खेती किसानी में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। चना और मटर की दूसरी मौसमी फसल के लिये अभी इस तरह का मौसम बना रहना फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि जैसे शीत लहर चलेगी और पाला आदि गिरेगा उसके साथ ही मौसमी फसलों की उपज पर प्रभाव पड़ने से इंकार नहीं किया जा रहा है। इसके चलते फिलहाल किसानों की चिंता कम है। रोज सुबह किसान पहले आसमान को निहारते हैं, अभी आसमान बादल भी नही हैं। मौसम साफ कब तक रहेगा यह कहना मुश्किल है। लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में सर्दी बढ़ सकती है।

लांघाटोला सीमा बैरियर में चीतल का सिर एवं मांस बरामद, दो हिरासत में

पूरा परिवार अदतन शिकारी, बोरी में छिपा कर दो पहिया वाहन से ले जा रहा था ससुराल

अनूपपुर, देशबन्धु। शहडोल अमरकंटक मार्ग के मध्य विधानसभा पुष्पराजगढ़ सीमा बैरियर लांघाटोला में एसएसटी टीम द्वारा निरिक्षण के दौरान दो पहिया वाहन में सवार दो व्यक्तियों के पास बोरी में छुपा कर रखे वन्यप्राणी चीतल ;हिरणद्ध का कटा सिर एवं चीतल का मांस बरामद करते हुए टीम ने वन विभाग को जानकारी दी गई। वन विभाग के कर्मचारियों ने तलाशी दौरान मिले वन्यप्राणी के अवशेषों को जप्त कर पंचनामा बनाते हुए आरोपितों को हिरासत में लेते हुए पूछताछ कर परीक्षण किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार विधानसभा के चुनाव पर इन दिनों जिले की सीमा पर चौकसी की जा रहीं हैं। पुष्पराजगढ़ सीमा बैरियर लांघाटोला में शनिवार.रविवार की रात्रि एसएसटी टीम द्वारा परीक्षण के दौरान दो पहिया वाहन में सवार दो व्यक्तियों के पास बोरी में छुपा कर रखे वन्यप्राणी चीतल ;हिरणद्ध का कटा सिर एवं चीतल का मांस बरामद करते हुए टीम ने वन विभाग को जानकारी दी गई।

वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर वन्यप्राणी के अवशेषों को जप्त कर पंचनामा बनाते हुए वन चौकी किरर में दोनों आरोपितों से रात पूछताछ की गई। पकड़े गए एक शिकारी अनूपपुर वन परिक्षेत्र के किरर वन चौकी अंतर्गत सजहाटोला का निवासी 36 वर्षीय हेम सिंह पुत्र प्रेम सिंह बंजारा द्वारा अपने दो पहिया वाहन एमपी 65। 0476 में अपने नाबालिक भतीजे के साथ बोरी रखकर ससुराल राजेंद्रग्राम थाना के ग्राम लपटी जा रहा थाए जो पूरा परिवार सहित कुछ अन्य व्यक्ति आदतन शिकारी है तथा कई बार अवैध शिकार में पकड़े गए हैं। रविवार को शहडोल से डॉग स्कार्ट से परीक्षण कराया गया।

बालाघाट में हुए दोहरे अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश

लालच में हुआ था रिश्तों का कत्ल

बालाघाट, देशबन्धु। एक नवंबर, बुधवार की शाम करीब छह बजे स्टेशन रोड मार्ग पर बुजुर्ग मां-बेटी की हत्या की खबर ने पूरे शहर को हिला दिया था। कातिल कौन है और उसने दो निर्मम हत्याएं क्यों की, ये आम लोगों के साथ पुलिस के लिए भी पहेली बन गई थी, लेकिन पुलिस ने 48 घंटे में इस दोहरे अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए आरोपित को धरदबोचा है।

आरोपित मृतकाओं का रिश्तेदार है, जिसने पैसों के लालच में अपनी नानी और मौसी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। इस खुलासे में सीसीटीवी कैमरे के फुटेज अहम रहे, जिनके आधार पर पुलिस के हाथ आरोपित की गर्दन तक पहुंच सके। वहीं, पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित एसआईटी व पुलिस बल की दिन-रात गहन जांच ने आरोपित तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में वार्ता में पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने बताया कि आरोपित संतोष पिता रामचरण लिल्हारे निवासी ग्राम नैतरा थाना ग्रामीण ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल किया है और आरोपित ने पैसों के लालच में हत्याकांड को अंजाम दिया है।

चंद्रावंती पति सकरिया महाजन अपनी बेटी फुलवंता पति बुलाकी सुलाखे लगभग 30 साल से वार्ड क्रमांक-29 रेलवे स्टेशन रोड मार्ग पर एक मकान के सर्वेंट क्वार्टर में रहकर घर की देखरेख करते थे। एक नवंबर की शाम एक कमरे में दोनों के खून से लथपथ शव मिले। सनसनी फैलाने वाले इस अंधे हत्याकांड को पुलिस ने चुनौती की तरह लिया और जांच शुरू की। विशेष जांच दल के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, कोतवाली, थाना ग्रामीण व थाना भरवेली का पुलिस बल मामले की तह तक जाने में जुटा रहा।

रैक आवंटन में कोताही बरतने से रेलवे को करोड़ों की हानि

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में उच्च अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता का 'ग्राफ' दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। अधिकारियों के इस रवैये के कारण विभाग को करोड़ों रुपयों के राजस्व की हानि मालगाड़ी के रैक आवंटन में कोताही किए जाने के कारण होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

सूत्रों से प्राप्त खबर के अनुसार देवराग्राम साइडिंग कटनी सिंगरौली खंड के अंतर्गत आता है। इस साइडिंग से कोयला की लोडिंग की जाती है। जिस कंपनी को लोडिंग का ठेका रेलवे द्वारा दिया गया है,वह प्रति दिन एक रैक भाड़ा रेलवे को भुगतान करता है। इस कंपनी ने अक्टूबर माह में एक अतिरिक्त रैक की मांग की थी परंतु रेलवे अधिकारियों ने बजाय रैक आवंटन के इस कंपनी के लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान किया और रैक नहीं दिया जिससे रेलवे को लगभग 30 करोड़ रुपये की राजस्व हानि होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पमरे के मुख्यालय जबलपुर जोन में यह चर्चा जोरों से है कि निजी ठेकेदार द्वारा इस संबंध में लिखित शिकायत रेल मंत्री रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य सतर्कता आयुक्त के साथ ही साथ निदेशक सीबीआई को प्रेषित की है।

जानकारी के अनुसार जबलपुर मंडल के शीर्ष अधिकारी विगत दिवस प्रमुख मुख्य परिचालन अधिकारी प्रमुख वाणिज्य प्रबंधक व अन्य अधिकारियों को अपने अपने ढंग से सफाई देने में व्यस्त देखे गए है।

उल्लेखनीय है कि यह मंडल में करोड़ों रुपये के राजस्व हानि का मामला है, यदि मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज शर्मा इस मामले की जांच करें तो कई प्रकार के घोटाले उजागर होने की संभावना है।

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि पश्चिम मध्य रेलवे की नव पदस्थ महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय एक ईमानदार और कुशल प्रशासनिक अधिकारी के साथ ही साथ प्रमुख कार्यपालक निदेशक सतर्कता नई दिल्ली में पदस्थ रही हैं,वह इस मामले में कार्रवाई करते हुए जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे और पीड़ित को राहत पहुंचाएंगी।

गौरतलब है कि रेलवे में कोयला लदान सिंगरौली पावर स्टेशन एनटीपीसी आदि पावर स्टेशन में कोयला समय पर नहीं पहुंचने से बिजली के उत्पादन भी बहुत प्रभावित होने से उद्योग धंधे भी बुरी तरह से प्रभावित हुए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तो पार्ट टाइम विभाग के मंत्री हैं, विभाग को घाटा होने के कारण उन्होंने वरिष्ठ पुरूष और महिलाओं की रियायतें बहाल नहीं की हैं।

जबलपुर मंडल के लापरवाह अधिकारियों जिन्होंने विभाग को करोड़ों की हानि पहुंचाई है।

उस पर कैसे रोक लगाएंगे यह एक जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

खंडेलवाल एंड खंडेलवाल में केएनके फर्नीचर की आकर्षक रेंज

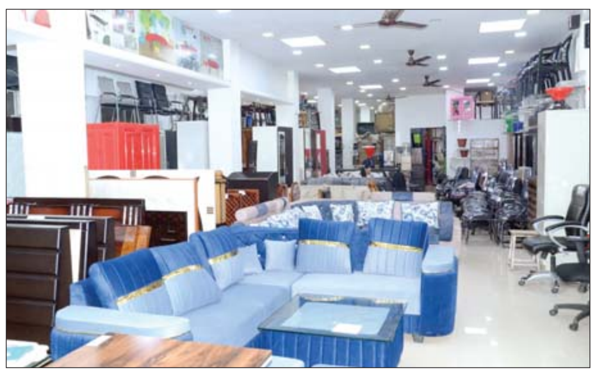

त्यौहारी सीजन पर भारी छूट के ऑफर

जबलपुर देशबन्धु। गुरूनानक स्कूल के सामने 662/7 मढ़ाताल, स्थित खंडेलवाल एंड खंडेलवाल में इस बार त्यौहारी सीजन और आगामी वैवाहिक सीजन को देखते हुए केएनके फर्नीचर सहित ब्रांडेड कंपनियों के फर्नीचरों की आकर्षक रेंज ग्राहकों के लिए पेश की है। साथ ही फर्नीचरों की खरीदी पर ग्राहकों को भारी डिस्काउंट के ऑफर दिए जा रहे है।

खंडेलवाल एंड खंडेलवाल के संचालक अनिकेत खंडेलवाल ने बताया कि त्यौहारी सीजन व वैवाहिक सीजन को देखते हुए केएनके ब्रांड ने इस बार भी मनमोहक फर्नीचरों की रेंज पेश की है। त्यौहारी सीजन को देखते हुए भारी डिस्काउंट का ऑफर ग्राहकों को दिया जा रहा है, ऑफर के तहत 20 से 25 प्रतिशत तक का विशेष डिस्काउंट ग्राहकों को दिया जा रहा है। ब्रांडेड में नीलकमल व सुप्रीम कंपनियों के फर्नीचरों की आकर्षक रेंज ग्राहकों के लिए संजोयी गई है। दूसरी तरफ स्लीपवैल कंपनी ने भी ग्राहकों के लिए ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत ग्राहकों को एक जोड़ी गद्दे की खरीद पर दो पिलो कवर और एक बैडशीट फ्री दी जा रही है। श्री खंडेलवाल का कहना है कि केएनके जबलपुर का एक्सक्लूसिव ब्रांड है, यह ब्रांड न सिर्फ जबलपुर बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में अपनी उच्च गुणवत्ता और बेहतर सर्विस के लिए जाना जाता है। ग्राहकों का प्रतिसाद मिलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब केएनके फर्नीचर भारत का टॉप ब्रांड बन जाएगा, वैसे भी इस ब्रांड की प्रतिस्पर्धा भारत के टॉप फर्नीचर कंपनियों से रहती है।

खंडेलवाल एंड खंडेलवाल शोरूम में सोफा, पंलग, डायनिंग टेबिल, ऑफिस टेबिल, रिवालविंग चेयर, झूले, अलमारी आदि फर्नीचरों की शानदार मनमोहक रेंज उपलब्ध है।

बस में यात्रा कर रहे दो लोगों से 3 किलो 900 ग्राम गांजा जप्त

अनूपपुर, देशबन्धु। अनूपपुर जिले के सीमावर्ती राज्या छत्तीसगढ़ बार्डर के पास अंतर्राज्यीकय चेक पोस्टा वेंकटनगर में स्टेकटिक सर्विलांस एवं पुलिस टीम की संयुक्त जांच के दौरान 5 नवम्ब्र की दोपहर लगभग 12 बजे अनूपपुर आ रही बस क्रमांक सीजी 10 जी 1730 की जांच के दौरान बस मे सवार दो युवकों के सुटकेस की तलाशी ली गई। जहां तलाशी के दौरान सुटकेश में 3 किलो 900 ग्राम गांजा मिला।

भाजपा नेता के भाई की हत्या का आरोपी रायपुर से गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर के गोरखपुर क्षेत्र में भाजपा नेता के भाई संजय मिश्रा की हत्या के आरोपी बंटी तिवारी को रायपुर (छत्तीसगढ़) से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया है। पुलिस अब बंटी से उन दो संदिग्धों के बारे में पूछताछ कर रही है, जिनका नाम हत्या के मामले से जोड़ा जा रहा है।

इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में रहने वाले संजू उर्फ संजय मिश्रा को रात 11 बजे के लगभग बंटी तिवारी ने मोबाइल फोन कर मिलने के लिए घर के बाहर बुलाया। पहले तो संजय ने यह कहकर मना कर दिया कि घर आ जाओ, यही बैठकर बात करते है। इसके बाद बात करते-करते ही संजय यह कहकर घर से निकला कि अभी आता हूं। संजय मोटर साइकल से गुप्ता टाल पहुंचा. जहां पर बंटी अपने साथियों के साथ पहले से खड़ा रहा। संजय के पहुंचे ही बंटी ने विवाद करना शुरु कर दिया। विवाद बढ़ते ही बंटी तिवारी ने रिवाल्वर निकालकर संजय की पीठ पर गोली मार दी. संजय को गंभीर हालत में मेडिकल अस्पताल पहुंचाया। जहां पर संजय की उपचार के दौरान मौत हो गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी बंटी तिवारी की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी थी, इस दौरान खबर मिली कि आरोपी रायपुर में है, जिसपर पुलिस की टीम रायपुर पहुंच गई और ठिकाने पर दबिश देकर पकड़ लिया।

पुलिस अब आरोपी बंटी तिवारी से उन दोनों लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है जिनपर संजय मिश्रा के परिजनों ने वारदात में शामिल होने का आरोप लगाया है।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से

मोतियाबिंद ऑपरेशन

मध्य भारत का सबसे आधुनिक

नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ।पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

आसान किस्तों में उपलब्ध

मिश्रा इन्टरप्राइजेज

सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है

1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।

एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 74
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 96
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 106

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 110
मुर्गा मीडियम	- रु. 100
मुर्गा बड़ा	- रु. 78
मुर्गा जम्बो	- रु. 70

मो.-9039925000, 9425800409